फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 51 प्रभात जयपुर, सोमवार 21 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

AIRBORNE OVER KARGIL

The Chief of Air Staff, who was visiting Srinagar, was convinced that it was a shoulder-fired SAM that had targeted the Canberra and his analysis was correct

A Toast to Chai and Togetherness

The Origin and Meaning of "Dhandha Paani"

अमेरिका ने अपने नागरिकों को मिडिल ईस्ट की यात्रा नहीं करने की सलाह दी

यूएस डिपार्टमैंट ऑफ स्टेट ने मिडिल ईस्ट में रहने वाले अमेरिकियों के लिए हाई सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया

■ **ईरान समर्थित हूती गुटों द्वारा सऊदी अरब के खिलाफ हमलों, रियाद की ओर दागी बैलिस्टिक मिसाइल तथा ताइफ, विषा, यानबू और फरासान में आम लोगों की सुविधाओं को निशाना बनाने के बाद अमेरिका ने यह चेतावनी जारी की।**

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, 20 सितम्बर। अमेरिका में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट के कॉन्सुलर अफेयर्स ने मिडिल ईस्ट के लिए एक बड़ा सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है, जिसमें इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे कठिन सुरक्षा स्थितियों और अचानक तनाव बढ़ने के खतरे को देखते हुए ज्यादा अलर्ट रहें।

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट के कॉन्सुलर अफेयर्स की ओर से उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस अलर्ट को लेकर एक पोस्ट शेयर किया गया है, जिसमें मिडिल ईस्ट में रहने वाले नागरिकों से अलर्ट रहने की अपील की गई है और वहां की यात्रा न करने की भी सलाह दी गई है।

यूएस डिपार्टमेंट ने अपने पोस्ट में लिखा, मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकियों को ज्यादा अलर्ट रहना चाहिए और संभावित फ्लाइट कैंसिलेशन, एयरस्पेस बंद होने और यात्रा में रुकावटों के बारे में जानकारी रखनी चाहिए। ईरान समर्थित हूती गुटों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले किए हैं, जिनमें आम नागरिकों के एयरपोर्ट भी शामिल हैं। इस सैन्य टकराव के तेजी से बढ़ने की आशंका है, जो अमेरिकी मिडिल ईस्ट से बाहर हैं, उन्हें इस क्षेत्र की यात्रा करने या यहां से गुजरने के बारे में गंभीरता से दोबारा सोचना चाहिए।

यूएस डिपार्टमेंट ने आगे लिखा, मिडिल ईस्ट के बाहर भी अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

अमेरिका की ओर से यह चेतावनी तब आई जब सऊदी अरब ने यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से रियाद की तरफ दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही इंटरसेप्ट कर दिया। हूती विद्रोहियों ने ताइफ, बिषा, यानबू और फरासान में आम लोगों से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बनाने की कोशिश की।

दूसरी मंजिली पर लगी आग में युवक जिंदा जला

■ **दूसरे कमरे में सो रही पत्नी को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला।**

जयपुर, 20 सितंबर। भांकरोटा थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा रोड पर शनिवार रविवार की मध्यरात्रि मकान की दूसरी मंजिल पर अचानक आग लगने से एक युवक की जलकर मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनल आनंद के रूप में हुई है। हादसे के समय आनंद और उनकी पत्नी अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। आग आनंद के कमरे में लगी और देखते ही देखते विकराल हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस हेड कांस्टेबल विष्णु दत्त, चेतन और चालक राकेश ने सूझबूझ दिखाते हुए बोरिंग चलाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि आग की चपेट में आने के कारण आनंद को बचाया नहीं जा सका और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब में भाजपा आधी सीटों पर चुनाव लड़ेगी- हरदीप पुरी

महाराष्ट्र और बिहार के बाद भाजपा पंजाब में भी बराबरी का फार्मूला लागू करना चाहती है

■ **पूर्व में अकाली दल के साथ गठबंधन में भाजपा को पंजाब में शहरी क्षेत्रों की 22-23 सीटें ही मिलती थीं। भाजपा का मानना है कि कुछ सालों में उसका प्रभाव बढ़ा है तथा अकाली दल का जनाधार सिमटा है।**

नई दिल्ली, 20 सितंबर। पंजाब में भाजपा और अकाली दल के गठबंधन की चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बराबरी वाली मांग कर दी है। उनका कहना है कि पंजाब में 117 विधानसभा सीटें हैं और भाजपा आधी सीटों पर दावेदारी करेगी। उनका कहना है कि पंजाब में भाजपा के लिए पहले वाला 22 सीटों का फॉर्मूला नहीं चलेगा। अब भाजपा जूनियर पार्टनर की भूमिका में नहीं रहेगी। इससे पहले जब भाजपा का अकाली दल के साथ गठबंधन होता था तो भाजपा को शहरी क्षेत्रों वाली 22 से 23 सीटें अकाली दल से मिलती थीं। अब भाजपा ने कुछ सालों में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश की है, जबकि अकाली दल का जनाधार सिमटा है।

माना जा रहा है कि भाजपा अब महाराष्ट्र और बिहार की तर्ज पर ही पंजाब में भी अपनी भूमिका बदलना चाहती है। करीब ढाई दशक महाराष्ट्र में और इतने ही वक्त तक बिहार में भाजपा की भूमिका जूनियर पार्टनर की थी। लेकिन आज भाजपा का महाराष्ट्र में अपना सीएम है और विधायक भी उसी के सबसे ज्यादा हैं। यही स्थिति बिहार की है, जहां पहली बार उसके दल का मुख्यमंत्री बना है और वह जूनियर पार्टनर नहीं है बल्कि सबसे बड़ा दल है। अब स्थिति भाजपा पंजाब में लागू करना चाहती है।

पंजाब की राजनीति को समझने वालों का मानना है कि भाजपा ने कैप्टन अमरिंदर सिंह, केवल सिंह ढिल्लो, एचएस फूल्का और रवनीत सिंह बिट्टू जैसे कई दिग्गज सिख चेहरों को अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब के सीएम मान के खिलाफ प्रोटैस्ट पर गिरफ्तार हुए बिट्टू

भाजपा के वरिष्ठ नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब युनिवर्सिटी के पास से गुजर रहे मान के काफिले के सामने प्रदर्शन किया था

■ **प्रदर्शन के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री की तरफ दारु की बोतल भी दिखाई और अंडे, टमाटर भी दिखाए।**

■ **बिट्टू ने दावा किया कि शुक्रवार को उनके काफिले पर आप पार्टी के लोगों ने अंडे टमाटर फेंके थे।**

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू को शनिवार को पंजाब पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के गेट के पास प्रदर्शन किया था, और उस समय मुख्यमंत्री भगवंत मान का काफिला वहां से गुजर रहा था।

भगवंत मान जब किसान मेले में शामिल होने के लिए विश्वविद्यालय पहुंचे, तब बिट्टू पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के गेट पर मौजूद थे। प्रदर्शन के दौरान बिट्टू ने मुख्यमंत्री के काफिले की ओर शराब की एक बोतल उठाकर दिखाई और कहा कि वे मान को बोतल वापस कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि वे अपनी शराब का आनंद लें और अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में बैठकर पंजाब लूटने की छूट दें।

बिट्टू ने उन अंडों और टमाटरों को भी वापस करने की कोशिश की, जो कथित तौर पर शुक्रवार को बटाला के पास उनकी गाड़ियों के काफिले पर फेंके गए थे। उस समय वे भाजपा की "नशा मुक्त पंजाब यात्रा" के लिए जा रहे थे। बिट्टू ने आरोप लगाया था कि उनके काफिले पर हमला किया गया और काफिले में शामिल वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया।

हिरासत में लिए जाने के बाद, बिट्टू ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि हिरासत में लेकर या पुलिस केस दर्ज करके लोगों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

लाहौर में इमरान खान की बहन गिरफ्तार

■ **इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के 27 सितंबर को राष्ट्रव्यापी विरोध मार्च से पहले पुलिस ने यह कदम उठाया।**

लाहौर, 20 सितम्बर। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 27 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रव्यापी विरोध मार्च से पहले लाहौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पूर्व पीएम और पीटीआई चीफ इमरान खान की बहन अलीमा खान को रविवार को उनके लाहौर स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया।

ज्ञातव्य है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान तीन साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं। खान के परिवार, जिनमें उनके दो बेटे भी शामिल हैं, ने बार-बार उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की है और पाकिस्तान के वास्तविक नेता और सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर की संलिप्तता की साजिश का आरोप लगाया है।

अलीमा खान जेल में बंद अपने भाई की रिहाई को लेकर प्रस्तावित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2019 से 24 के बीच तिरुपति के लड्डू प्रसादम में नकली घी प्रयुक्त हुआ था'

ईडी ने यह दावा करते हुए घी उपलब्ध कराने वाली कंपनी सुकृति फूड्स के प्रमोटर को गिरफ्तार किया

■ **ईडी ने कहा कि तिरुपति के लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल घी में पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल, पामोलीन व रसायनों से बने नकली घी का इस्तेमाल किया गया था और इस नकली घी को "एगमार्क स्पेशल ग्रेड काओ घी" के रूप में तिरुपति मंदिर को सप्लाई किया जाता था।**

■ **ईडी ने दावा किया कि 2019 से 2024 के बीच तिरुपति को आवंटित होने वाले घी का मूल्य 230 करोड़ रूपए था, पर, एजेंसी ने 96 करोड़ रूपए की लागत का नकली घी भेजा था।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ऐन्फोर्समेन्ट डायरेक्ट्रेट-ईडी) ने कहा है कि पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल, पामोलीन और कई तरह के रसायनों से बने नकली घी का इस्तेमाल तिरुपति के लड्डू प्रसादम को तैयार करने में किया गया था। इसी बीच, उसने कथित मिलावटी घी मामले से जुड़े मनी लॉण्डरिंग केस में "सुकृति फूड्स" के प्रमोटर कैलाश चंद मंगला को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि मंगला को 17 सितंबर को हैदराबाद स्थित उसके (ईडी के) कार्यालय ने टीटीडी घी मिलावट मामले में हिरासत में लिया था। ईडी ने कहा कि बाद में उसे विशाखापत्तनम की "प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट" की विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

एजेंसी के अनुसार, तिरुपति लड्डू प्रसादम के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया मिलावटी घी रिफाइंड पाम तेल, पाम कर्नेल तेल, पामोलीन और एमजी-90, मोनोग्लिसराइड्स, मायवेसिट सॉफ्ट 400 तथा एसिटिक एसिड एस्टर जैसे रसायनों से तैयार किया जाता था। ईडी ने आरोप लगाया कि इसके बाद इस नकली घी को "एगमार्क स्पेशल ग्रेड काउ घी" के रूप में टीटीडी को सप्लाई किया जाता था।

ईडी ने दावा किया कि 2019 से 2024 के बीच टीटीडी को घी की कथित धोखाधड़ी वाली आपूर्ति का मूल्य 230 करोड़ रुपये था और मंगला ने 96 करोड़ रुपये का मिलावटी घी तैयार किया था। एजेंसी ने कहा कि मंगला इस मामले में कथित तौर पर साजिश में शामिल लोगों में से एक था। उसने मिलावट वाले पदार्थों की खरीद में मदद की और अपनी फैक्टरी में मिलावटी घी तैयार किया।

ईडी ने आगे कहा, "उसने श्री वैष्णवी डेयरी स्पेशियलिटीज, मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स और ए.आर. डेयरी फूड्स सहित, विभिन्न फर्जी कंपनियों के जरिए मिलावटी घी की आपूर्ति का भी समन्वय किया।" एजेंसी ने आरोप लगाया कि मंगला ने घी और रिफाइंड पाम तेल की बिक्री और खरीद से जुड़े झूठे रिकॉर्ड बनाए और उन्हें संभालकर रखा, ताकि मिलावट वाले पदार्थों के वास्तविक इस्तेमाल को छिपाया जा सके और गाय के असली घी के वैध उत्पादन और आपूर्ति का झूठा रूप दिया जा सके।"

एजेंसी इससे पहले "भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी मिल्क" के प्रमोटर और निदेशक विपिन जैन को भी इसी तरह के आरोपों में गिरफ्तार कर चुकी है। मंगला के न्यायिक हिरासत में होने के साथ ही, ईडी ने कहा है कि टीटीडी घी मिलावट मामले की जाँच में, तिरुपति लड्डू प्रसादम के लिए गाय के घी के रूप में की गई आपूर्ति में कथित तौर पर मिलावट वाले पदार्थों के इस्तेमाल का पता चला है।

मुंबई में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से नीचे गिरी, 3 की मौत

■ **मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर आ रही बीएमडब्ल्यू नियंत्रण खोकर डिवाइडर से टकराई व 75 फीट नीचे गिरी।**

मुंबई, 20 सितंबर। मुंबई की कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5:20 बजे तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। चारों की उम्र 17 से 23 के बीच बताई जा रही है।

बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बीएमडब्ल्यू डिवाइडर से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

मृतकों की पहचान शनाय गज्जल (21), आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान आदित्य ओसवाल (23) के तौर पर हुई है। चारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हूती ने सऊदी अरब पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया

■ **हूती प्रवक्ता ने दावा किया कि सऊदी की राजधानी रियाद तथा यादबू बंदरगाह पर अरामको ऑयल फैसिलिटी पर हमले किए गये।**

रियाद, 20 सितंबर। ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई संवेदनशील स्थानों पर हमले किए हैं। इनमें राजधानी रियाद और यानबू बंदरगाह शहर में स्थित अरामको की तेल सुविधा शामिल है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि उसने रियाद की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोक दिया। साथ ही बिश, ताइफ़, फ़रासान और यानबू पर किए गए अन्य हमलों को विफल कर दिया।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में यह जानकारी दी। सरी के अनुसार, सऊदी अरब के दो अहम ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और क्रूज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रिंसेस डायना के छोटे भाई, अर्ल स्पैन्सर की किताब ने फिर ब्रिटेन के राजपरिवार व जनता के घाव हरे कर दिए

किताब के अनुसार, डायना की कार एक्सीडैंट में हुई मृत्यु के बाद, जब अर्ल स्पैन्सर प्रिंस चार्ल्स से मिले, तो प्रिंस चार्ल्स काफी प्रसन्न नज़र आए, जैसे कोई बंधन मुक्त हो गया हो तथा स्पैन्सर से बात करते हुए टिप्पणी की कि कुछ दिनों में जनता इस दुर्घटना को भूल जाएगी

■ **पर, प्रिंस चार्ल्स की यह अटकलबाजी तीस साल बाद भी सही नहीं उतरी और मृत्यु के बाद प्रिंस चार्ल्स के कमेंट की कड़वाहट अभी भी जनता को पूरी तरह याद है।**

■ **हालांकि, बकिंघम पैलेस में एक धारणा यह भी है कि अर्ल स्पैन्सर द्वारा वर्णित कहानी कपोल कल्पित है।**

■ **पर, यह भी सही है कि डायना की मृत्यु के बाद, ब्रिटिश जनता ने जितना शोक मनाया और शोक को जिस तरफ सार्वजनिक किया ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।**

■ **इसके बाद, प्राइवेट शोक को अपने तक सीमित रखने का ब्रिटिश तरीका हरदम के लिए बदल गया।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। एक तरफ यूनाइटेड किंगडम खुद मुश्किलों से घिरा है, दूसरी तरफ किंग चार्ल्स और आल्थ्रॉप के प्राचीन तथा प्रतिष्ठित स्पैन्सर परिवार के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।

यह विवाद राजकुमारी डायना और उनकी मौत को लेकर है। तीस साल बाद भी डायना की यादें मिटने का नाम नहीं ले रही हैं।

इस तीखे विवाद का कारण अर्ल चार्ल्स स्पैन्सर की आने वाली किताब है। अर्ल चार्ल्स राजकुमार डायना के छोटे भाई हैं। डायना की मौत ने एक तरह से ब्रिटिश लोगों के सार्वजनिक रूप से शोक व्यक्त करने के तरीके को बदल दिया था।

अपनी किताब में अर्ल स्पैन्सर ने दावा किया है कि तीस साल पहले डायना की मौत के बाद जब उन्होंने पहली बार प्रिंस चार्ल्स से बात की तो चार्ल्स का रवैया ऐसा था, जैसे वे "बहुत खुश" हों, मानो किसी व्यक्ति की लॉटरी निकल गई हो। स्पैन्सर का कहना है कि उन्हें लगा कि चार्ल्स, डायना के साथ अपनी शादी के बंधन से आज़ाद महसूस कर रहे थे।

बात यह थी कि स्पैन्सर प्रिंस ऑफ वेल्स को यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि डायना के दोनों बेटों, प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी को शव यात्रा में अपनी मां के ताबूत के पीछे पैदल चलने के लिए मजबूर करना उनके लिए बहुत पीड़ादायक होगा। उनका मानना था कि 8 और 12 साल के दोनों बेटों को अपनी मां के शव के पीछे चलाना उचित नहीं था।

इस पर प्रिंस चार्ल्स ने कथित तौर पर जवाब दिया था कि डायना को जल्द ही भुला दिया जाएगा। इस आरोप से शाही परिवार को चोट पहुंची।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मानव की बहुमुखी भावनाओं का प्रबल प्रवाह जब रोके नहीं रुकता, तभी वह कला के रूप में फूट पड़ता है। –रस्किन

हर दिन एक उपन्यास?

कुछ दिन पहले एक विज्ञापन पर नजर पड़ी। एक कृत्रिम बुद्धि यानी एआई कंपनी का विज्ञापन था। उसमें कहा गया था कि उसकी सेवा का ग्राहक बनकर आप चाहें तो हर रोज एक उपन्यास लिख सकते हैं। विज्ञापन का आशय यह था कि जिस काम को करने में किसी लेखक को महीनों या वर्षों लग सकते हैं, वह काम अब कृत्रिम बुद्धि की मदद से लगभग रोज किया जा सकता है।

पहली नजर में यह दावा चमत्कृत कर सकता है। फिर थोड़ा सोचने पर एक सवाल पैदा होता है। अगर एआई एक पूरा उपन्यास लिख देता है तो उसका सर्जक कौन होगा? अगर कोई उसे अपने नाम से छपवा लेता है तो क्या यह अनैतिक नहीं होगा? मैं इससे आगे बढ़कर एक सवाल और सामने रखना चाहता हूं- अगर हर रोज एक उपन्यास लिखा जा सकता है तो क्या हर रोज एक उपन्यास रचा भी जा सकता है?

लिखने और रचने में शायद बुनियादी फर्क है।

कृत्रिम बुद्धि की क्षमताओं पर संदेह करने का अब कोई खास अर्थ नहीं रह गया है। वह कुछ ही क्षणों में किसी विषय पर लेख लिख सकती है, कहानी का 'प्लॉट सुझासकती है, पात्रों की रूपरेखा तैयार कर सकती है, संवाद लिख सकती है, भाषा को सुधार सकती है और एक ही सामग्री को अलग-अलग शैलियों और स्वरों में प्रस्तुत कर सकती है। इतना ही नहीं, आप चाहें तो वह पूरी की पूरी कहानी ही लिखकर दे सकती है। कविता, कहानी, चित्र, संगीत, अनुवाद – ऐसा शायद ही कोई रचनात्मक क्षेत्र बचा हो, जिसमें एआई ने दस्तक न दे दी हो।

लेकिन क्या यह सब सर्जनात्मकता है?

यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि मनुष्य के लिए रचना केवल किसी चीज को तैयार कर देना नहीं है। रचना के पीछे रचनाकार का जीवन होता है। उसके अनुभव, उसकी स्मृतियां, उसके सुख-दुख, उसकी विफलताएं, उसके रिश्ते, उसकी बेचैनियां, उसके समय और समाज से उसके सवाल और कभी-कभी उसके भीतर का वह अंधेरा भी, जिसे वह खुद ठीक से पहचान नहीं पाता।

एक लेखक कहानी लिखने बैठता है तो जरूरी नहीं कि उसे कहानी का अंत मालूम हो। कई बार वह लिखते-लिखते अपने पात्रों को खोजता है, उनके साथ चलता है और अंततः वहां पहुंचता है जहां पहुंचने की उसने पहले से कोई योजना ही नहीं बनाई थी। रचना कई बार लेखक को भी उसके बारे में कुछ ऐसा बता देती है, जो रचना शुरू करते समय वह स्वयं नहीं जानता था।

क्या एआई के साथ भी ऐसा होता है?

वह हमारे लिए असंख्य संभावनाएं पैदा कर सकती है। वह किसी कथानक को दस अलग दिशाओं में ले जा सकती है। वह किसी पात्र को और विश्वसनीय बना सकती है। वह भाषा में अटकने पर हमारी सहायता कर सकती है। वह हमारे सामने ऐसे संबंध और प्रसंग रख सकती है, जिनके बारे में हमने सोचा भी न हो। इस अर्थ में वह लेखक की एक अत्यंत शक्तिशाली सहायक हो सकती है।

लेकिन सहायक और सर्जक एक ही चीज हैं या नहीं, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है।

मनुष्य के पास एक ऐसी चीज है जिसे किसी मशीन की क्षमता से अलग करके देखना जरूरी है – उसने जीवन जिया है। उसने किसी को खोया है, किसी को पाया है, किसी से प्रेम किया है, किसी से घृणा की है, अपमान सहा है, सफलता का स्वाद चखा है, बीमारी और मृत्यु को करीब से देखा है, किसी शहर से बिछड़ा है, किसी पुराने घर को याद किया है। उसकी स्मृति में ऐसी अगणित चीजें जमा होती रहती हैं जिनका कोई व्यवस्थित डेटाबेस नहीं होता। रचना के बीज अक्सर ऐसी ही अप्रत्याशित जगहों पर पड़े होते हैं।

मनुष्य के पास एक ऐसी चीज है जिसे किसी मशीन की क्षमता से अलग करके देखना जरूरी है - उसने जीवन जिया है। उसने किसी को खोया है, किसी को पाया है, किसी से प्रेम किया है, किसी से घृणा की है, अपमान सहा है, सफलता का स्वाद चखा है, बीमारी और मृत्यु को करीब से देखा है, किसी शहर से बिछड़ा है, किसी पुराने घर को याद किया है। उसकी स्मृति में ऐसी अगणित चीजें जमा होती रहती हैं जिनका कोई व्यवस्थित डेटाबेस नहीं होता। रचना के बीज अक्सर ऐसी ही अप्रत्याशित जगहों पर पड़े होते हैं। लेखक के मन में लिखने से पहले भी अनवरत एक अदृश्य लेखन चलता रहता है। शायद इसी कारण साहित्य में 'न लिखने' का समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना लिखने का समय। लेखक सड़क पर चलते हुए भी लिख रहा होता है, हालांकि उसके हाथ में कलम नहीं होती। वह बातचीत सुनते हुए, किसी चेहरे को देखते हुए, किसी घटना से दुखी या विचलित होते हुए, अकेले बैठे हुए, यात्रा करते हुए अपने भीतर कुछ जमा करता रहता है। बहुत-सी रचनाएँ कागज पर आने से बहुत पहले लेखक के भीतर आकार लेती रहती हैं।

लेखक के मन में लिखने से पहले भी अनवरत एक अदृश्य लेखन चलता रहता है।

शायद इसी कारण साहित्य में 'न लिखने' का समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना लिखने का समय। लेखक सड़क पर चलते हुए भी लिख रहा होता है, हालांकि उसके हाथ में कलम नहीं होती। वह बातचीत सुनते हुए, किसी चेहरे को देखते हुए, किसी घटना से दुखी या विचलित होते हुए, अकेले बैठे हुए, यात्रा करते हुए अपने भीतर कुछ जमा करता रहता है। बहुत-सी रचनाएँ कागज पर आने से बहुत पहले लेखक के भीतर आकार लेती रहती हैं।

एआई की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गति है। और संभव है, आने वाले समय में यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी बन जाए। हम एक ऐसे समय में प्रवेश कर रहे हैं जिसमें सामग्री की कमी नहीं होगी।बल्कि सामग्री इतनी अधिक होगी कि उसकी अधिकता स्वयं एक समस्या बन जाएगी। आज कोई व्यक्ति चाहे तो कुछ मिनटों में एक कविता लिखवा सकता है, एक कहानी बनवा सकता है, एक भाषण तैयार कर सकता है और शायद जल्दी ही एक पूरा उपन्यास भी लिखवा ले। लेकिन अगर हर व्यक्ति कृत्रिम बुद्धि को आदेश देकर हर दिन एक उपन्यास लिखवा सकता है तो क्या यह बात विचारणीय नहीं है कि उन करोड़ों उपन्यासों को पढ़ेगा कौन? और उससे भी बड़ा सवाल – उनमें से किन उपन्यासों को पढ़ना जरूरी होगा?

साहित्य का मूल्य इस बात में नहीं है कि उसमें कितने शब्द हैं। न ही इस बात में कि उसे कितनी जल्दी लिखा गया। किसी महान उपन्यास को पढ़ते हुए हम उसके शब्दों के दरवाज़ों से उस जीवन में प्रवेश करते हैं, जिसे लेखक ने अपनी संवेदना से देखा और समझा है। अच्छी रचना हमें केवल सूचना नहीं देती, वह हमारे अनुभव का विस्तार करती है।

इसीलिए एआई को लेकर उत्साह के साथ-साथ हमें अपनी सर्जनात्मकता को लेकर भी सजग रहना होगा।

कहीं ऐसा न हो कि सुविधा धीरे-धीरे हमारी अपनी कोशिश की जगह ले ले। हमें लिखना है – एआई लिख देगी। हमें चित्र बनाना है – वह बना देगी। हमें किसी को पत्र लिखना है – वह लिख देगी, हमें किसी विषय पर सोचना है – वह दस विचार सामने रख देगी। काम आसान होता जाएगा, लेकिन क्या उसके साथ-साथ हमारा अपना सोचना भी कम नहीं होता जाएगा? आहिस्ता-आहिस्ता हम अपने सोचने को ही आउटसोर्स कर देंगे!

यह डर एआई से कम और हमसे ज्यादा जुड़ा हुआ है।

लेकिन इस तस्वीर में केवल एक ही रंग नहीं है। अगर एक रंग डरावना है तो दूसरा रंग यह भी है कि नई तकनीकें पुरानी क्षमताओं को हमेशा खत्म नहीं करतीं। वे कई बार उन्हें बदल देती हैं। कैमरे के आने से चित्रकला समाप्त नहीं हुई। छपाई ने मौखिक परंपरा को खत्म नहीं किया। कंप्यूटर ने लेखन को खत्म नहीं किया। इसी तरह संभव है कि एआई भी साहित्य को खत्म न करे, बल्कि साहित्य लिखने और पढ़ने के हमारे तरीके को बदल दे। हो सकता है भविष्य का लेखक एआई से कथानक के कुछ विकल्प ले, कुछ जानकारियां उससे प्राप्त करे, किसी पात्र पर उससे बातचीत करे, अपने लिखे हुए की भाषा जांचे और फिर भी अंतिम रचना उसकी अपनी हो। हो सकता है एआई लेखक के लिए वैसी ही उपयोगी हो जाए जैसी आज शब्दकोश, संदर्भ ग्रंथ, इंटरनेट या कॉपी एडिटर की सहायता है। क्या होगा, यह भविष्य के गर्भ में है।

जो भी हो, एक चीज शायद लेखक को अपने पास रखनी होगी – यह तय करने की क्षमता कि उसे कहना क्या है और क्यों कहना है। शब्द उपलब्ध करा देना और कहने के लिए कुछ होना अलग-अलग बातें हैं। एक मशीन हजारों सुंदर वाक्य बना सकती है। लेकिन सुंदर वाक्य अपने आप साहित्य नहीं बन जाते। साहित्य तब बनता है जब शब्द किसी मानवीय अनुभव को इस तरह छूते हैं कि पाठक उसमें अपना कोई अनुभव पहचान ले। इसलिए उस विज्ञापन को याद करते हुए बार-बार एक ही बात मन में आती है – हर रोज एक उपन्यास लिखना संभव हो सकता है, लेकिन क्या हर रोज एक उपन्यास रचा जा सकता है?

शायद इसका उत्तर अभी हमें नहीं मालूम।

और शायद यही अच्छा है।क्योंकि मनुष्य की सर्जनात्मकता का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि वह हमेशा थोड़ी-सी धुंधली और अनिश्चित रहती है। उसे पहले से पता नहीं होता कि अगली पंक्ति क्या होगी। वह कभी-कभी अपने ही बनाए रास्ते से भटक जाती है और किसी बिल्कुल अनपेक्षित जगह पहुंच जाती है।

मशीन हमें बहुत तेजी से लिखना सिखा सकती है। संभव है वह हमें बहुत अच्छा लिखना भी सिखा दे। लेकिन हमारे पास ऐसा क्या है, जिसे हम कहना चाहते हैं – यह सवाल हमें खुद से ही पूछना होगा, क्योंकि अंततः साहित्य शब्दों का उत्पादन नहीं, अनुभव का रूपांतरण है। मशीन हमें हर दिन एक उपन्यास लिखकर दे सकती है। लेकिन मशीन का लिखा हुआ मनुष्य की रचना नहीं हो जाता। दोनों के बीच वही फर्क है जो उत्पादन और सृजन के बीच है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,

रामदेवरा : आस्था, सद्भाव और सेवा का अनूठा संगम

राजेन्द्र जोशी

राजस्थान के जैसलमेर जिले की पोकरण तहसील में स्थित रामदेवरा केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सांप्रदायिक सद्भाव, लोक आस्था और मानवीय सेवा की ऐसी जीवंत मिसाल है, जिसकी पहचान राजस्थान की लोक संस्कृति से कहीं आगे तक फैली हुई है। लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि यहां श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। भादवा माह आते ही रामदेवरा का पूरा क्षेत्र देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था और सेवा की भावना से सराबोर हो उठता है।

लोकमान्यता के अनुसार भादवा सुदी दशम को बाबा रामदेव ने लगभग 674 वर्ष पूर्व रामदेवरा में समाधि ली थी। सदियों का यह अंतराल बाबा रामदेव के प्रति लोगों की श्रद्धा को कम नहीं कर सका, बल्कि समय के साथ उनकी लोकस्वीकृति और व्यापक होती गई। राजस्थान ही नहीं, देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से भी श्रद्धालु बाबा की समाधि पर धोक लगाने पहुंचते हैं। भादवा के महीने में तो रामदेवरा की ओर जाने वाले मार्गों पर आस्था का एक विराट कारवां दिखाई देता है। लाखों श्रद्धालु कठिन यात्राएं पूरी कर बाबा के दर्शन करते हैं और अपनी मनोकामनाओं के साथ यहां पहुंचते हैं।

बाबा रामदेव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उनकी लोक आस्था किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है। वे सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक लोकदेवता के रूप में पूजे जाते हैं। उनकी समाधि पर विभिन्न धर्मों और समाजों के लोग श्रद्धा के साथ पहुंचते हैं। यही कारण है कि रामदेवरा की पहचान केवल एक धार्मिक तीर्थ के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे के केंद्र के रूप में भी बनी है।

बाबा रामदेव से जुड़ी अनेक लोककथाएं और चमत्कारों की मान्यताएं राजस्थान के जनमानस में आज भी जीवित हैं। इन कथाओं को लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनते और सुनाते आए हैं। श्रद्धालुओं के लिए इन लोकविश्वासों का अपना विशेष महत्व है। विज्ञान और तर्क के अपने अलग-अलग क्षेत्र हो सकते हैं, लेकिन लोकजीवन में आस्था की अपनी शक्ति होती है। रामदेवरा में आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव और विश्वास इस आस्था को निरंतर जीवंत बनाए रखते हैं।

भादवा माह में रामदेवरा की यात्रा केवल मंदिर अथवा समाधि स्थल तक पहुंचने की यात्रा नहीं रहती। यह राजस्थान की लोक संस्कृति, सामुदायिक भागीदारी और सेवा भावना का भी बड़ा उत्सव बन जाती है। बीकानेर और जोधपुर की ओर से रामदेवरा जाने वाले मार्गों पर सैकड़ों स्थानों पर सेवा शिविर लगाए जाते हैं। इन शिविरों में यात्रियों के लिए भोजन, पानी, विश्राम, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है। खास बात यह है कि इन सेवाओं में केवल स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आने वाले बाबा के भक्त भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। सेवा की यह परंपरा रामदेवरा की यात्रा को और अधिक मानवीय बना देती है। कोई श्रद्धालुओं को पानी पिलाता है, कोई भोजन परोसता है, कोई रास्ते में विश्राम की व्यवस्था करता है तो कोई चिकित्सा अथवा अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करवाता है। सेवा करने वाले अनेक लोग इसे धार्मिक अनुष्ठान की तरह नहीं, बल्कि मानव सेवा के रूप में देखते हैं। यही भावना बाबा रामदेव की लोकमान्यता से जुड़ी सामाजिक समरसता को व्यवहार में सामने लाती है।

रामदेवरा में भल्ला फाउंडेशन की ओर से भी भंडारे और पेयजल की व्यवस्था की जाती है। दूर-दराज से पैदल अथवा विभिन्न साधनों से आने वाले यात्रियों के लिए इस प्रकार की व्यवस्थाएं बड़ी राहत का काम करती हैं। रास्ते में लगे सेवा शिविर यात्रियों को यह भरोसा देते हैं कि लंबी यात्रा के दौरान समाज उनके साथ खड़ा है। यहां सेवा करने वाले हाथ किसी से उसकी जाति, भाषा, प्रदेश अथवा धर्म नहीं पूछते; जरूरतमंद यात्री को सहायता देना ही उनकी प्राथमिकता होती है।

रामदेवरा की यह परंपरा आधुनिक समय में विशेष महत्व रखती है। जब समाज में विभिन्न स्तरों पर विभाजन की बातें सुनाई देती हैं, तब राजस्थान की धरती का यह तीर्थ बिना किसी औपचारिक घोषणा के सद्भाव और सह-अस्तित्व का संदेश देता दिखाई देता है। बाबा रामदेव की समाधि पर एक साथ पहुंचने वाले अलग-अलग समुदायों के लोग और रास्तों में एक-दूसरे की सहायता करते श्रद्धालु इस बात का प्रमाण हैं कि लोक आस्था सामाजिक दूरियों को कम करने की क्षमता रखती है। रामदेवरा की यात्रा राजस्थान की उस संस्कृति का भी परिचय देती है, जिसमें 'पधारो' और 'सेवा' केवल शब्द नहीं, बल्कि जीवन व्यवहार का हिस्सा हैं। भादवा में यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल यात्रियों की संख्या के रूप में देखना इस पूरे आयोजन की आत्मा को सीमित कर देना होगा। इसके पीछे श्रद्धा है, लोकविश्वास है, सामूहिकता है और सबसे बढ़कर सेवा का भाव है।

674 वर्ष पुरानी बाबा रामदेव की समाधि आज भी उतनी ही जीवंत आस्था का केंद्र बनी हुई है। बदलते समय, रामदेवरा में समुदाय विशेष की सैकड़ो धर्मशालाएं बनी हुई है। आधुनिक यातायात और संचार के विस्तार के बावजूद बाबा के प्रति लोगों की श्रद्धा लगातार बनी हुई है। रामदेवरा इस बात का उदाहरण है कि लोकदेवता केवल मंदिरों और समाधियों तक सीमित नहीं होते; वे समाज की स्मृति, संस्कृति और सामूहिक चेतना का हिस्सा बन जाते हैं।

भादवा में जब लाखों श्रद्धालु रामदेवरा की ओर पैदल चलकर बढ़ते हैं और रास्ते में सैकड़ों सेवा शिविर उनका स्वागत करते हैं, तब मरुभूमि का यह क्षेत्र आस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदना का भी विशाल केंद्र बन जाता है। बाबा रामदेव की समाधि पर लगने वाली धोक और रास्तों में चलने वाली सेवा-दोनों मिलकर रामदेवरा की उस पहचान को मजबूत करते हैं, जो श्रद्धा से आगे बढ़कर सद्भाव, समरसता और मानव सेवा का संदेश देती है।

राजेन्द्र जोशी
शिक्षाविद-साहित्यकार
लेखक सोशल एक्टिविस्ट
और संस्कृतिकर्मी भी है।

विश्व का पहला पर्यावरण संरक्षण आंदोलन

डॉ. अरुणा व्यास

राजस्थान में सिर साटें रूख तो भी सस्तो जाण की परम्परा रही है। यानी सिर के बदले यदि पेड़ बचता है तो वह भी सस्ता है। इसके मूल में वृक्षों को बचाने के लिए अमृता देवी के नेतृत्व में हुआ बलिदाल हमारा जीवन आलोक है। जोधपुर जिले में स्थित ऐतिहासिक गाँव खेजड़ली ने वृक्षों के लिए अपनी जान देने का विश्वभर को जैसे आलोक दिया है। जोधपुर के महाराजा को अपना महल बनाना था। महल के लिए लकड़ियों की जरूरत थी। महाराजा अभय सिंह के महल के लिए कारिंदें खेजड़ली पहुंचे। खेजड़ली गांव इसलिए पहुंचे कि वहां पर खेजड़ी के हजारों-हजार हरे पेड़ थे। इनके तने की लकड़ी फर्निचर निर्माण के लिए अच्छी जानकर महाराजा के कारिंदों ने तय किया कि गांव में खेजड़ी के पेड़ काटकर राजमहल के दरवाजों, खिड़कियों का निर्माण करेंगें।

महाराजा अभयसिंह के भेजे कारिंदे खेजड़ी गांव पहुंचे और जैसे ही उन्होने खेजड़ी वृक्ष को काटना प्रारंभ किया वहीं रहने वाली अमृता देवी भागकर सैनिकों के पास पहुंची। उसने पेड़ नहीं काटने का अनुनय किया। महाराजा के आदेश को कैसे कोई टाले! सो पेड़ पर कुल्हाड़ियां चलती रही। अमृता देवी ने जब देखा कि उसके कहने का कोई असर नहीं हो रहा है तो वह स्वयं उस पेड़ पर लिपट गई जिसे काटा जा रहा था। कारिंदो ने उसे वहां से हटाना चाहा परन्तु वह टस से मस नहीं हुई। अमृता देवी को ऐसा करते देख गांव के और लोग भी आ पहुंचे। सभी पेड़ों के लिपट गए। राजा के कारिंदों ने बहुत समझाया परन्तु पेड़ नहीं काटने की उनकी जिद के आगे उनकी एक नहीं चली। आखिर और सैनिक बुलाए गए और तय किया गया कि यदि गांववासी कटते हैं तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। महाराजा के भवन के लिए लकड़ी तो वहीं से ले जांएगें।

अमृता देवी के नेतत्व में आसपास के 84 गांवों के 363 बिश्नोई लोग एकत्र हो गए। सभी एक-एक कर पेड़ों का सुरक्षा कवच बनकर उनसे लिपटते गए। सबने पेड़ों का सुरक्षा कवच बनकर पेड़ों का रक्षा का संकल्प लिया। बताते हैं, पेड़ से लिपटने वालों में 69 महिलाएं और 294 पुरुष थे। महाराजा के कारिंदो ने पहले तो उन्हें समझाया परन्तु जब नहीं माने तो राजआज्ञा के विरूद्ध होने के कारण पेड़ों के साथ ही उन सभी को एक-एक कर काट डाला। अमृता देवी के नेतृत्व में पेड़ों के लिए अपने प्राणों की आहुति देने की यह घटना 1730 में हुई। इस महान बलिदान के बाद जोधपुर के महाराजा ने शाही फरमान जारी किया कि बिश्नोई क्षेत्रों में कोई हरे पेड़ नहीं काटेगा और न ही किसी जीव का शिकार होगा। बलिदान के साथ ही खेजड़ली गांव वृक्षों की रक्षा के लिए सदा-सदा के लिए अमर हो गया। यही वह घटना भी है जो दुनिया के पहला पर्यावरण संरक्षण आंदोलन के रूप में आज भी जानी जाती है।

इसी आंदोलन ने बाद में उत्तराखंड में पेड़ों को बचाने की सुंदरलाल बहुगुणा, चंडी प्रसाद भट्ट और गौरा देवी को प्रेरणा दी। जो बाद में 20वीं सदी के चिपको आंदोलन की प्रेरणा बना। इन सबने भी 1973 में वनों की कटाई और व्यावसायिक ठेकेदारों के विरोध में चमोली जिले में पेड़ों से लिपटकर उन्हें बचाने की मुहिम छेड़ी। इस मुहिम का असर यह हुआ कि सरकार ने वनों की कटाई की जांच के लिए समिति बनाई और 1980 में हिमालयी क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई पर 15 साल का प्रतिबंध इसी से लगा। हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण और नए कानूनों को इसी से बढ़ावा मिला।

राजस्थान के जोधपुर के खेजड़ली गांव का बलिदान इस रूप में भी महत्वपूर्ण है कि यह पर्यावरण चेतना के साथ वृक्ष और जीव-जंतुओं के संरक्षण की सोच से जुड़ा है। खेजड़ली के हुए बलिदान की स्मृति में हर साल भाद्रपद शुक्ल दशमी को आज भी खेजड़ली गाँव में एक विशाल मेला आयोजित होता है। इसमें पर्यावरण प्रेमी और बिश्नोई समाज के लोग एकत्रित होकर शहीदों को नमन करते हैं और पर्यावरण व जीव रक्षा का संकल्प लेते हैं। अमृता देवी विश्वनोई समाज से थी। इस समाज की स्थापना 15वीं शताब्दी में गुरु जंभेश्वरजी ने की थी। बिश यानी 20 की संख्या और नोईयानी नौ की संख्या। इस समाज में आज 29 नियमों की पालना की जाती हैं। इन 29 नियमों में से 8 नियम विशेष रूप से पर्यावरण और जीव रक्षा के लिए हैं। इस समाज के लोग काले हिरण और चिंकारा जैसे वन्यजीवों की अपने बच्चों की तरह रक्षा करते हैं। रेगिस्तानी इलाकों में भी ये पशु-पक्षियों के लिए पानी और चारे की आज भी नियमित व्यवस्था करते हैं। वृक्षों के पूजन की, प्रकृति संरक्षण की परम्पराओं का जो उजास खेजड़ली ने दिया, उसे याद रखते वृक्षों के संरक्षण से हम सभी को जुड़ने की आवश्यकता है।

डॉ. अरुणा व्यास
पर्यावरण एवं संस्कृति
अध्येता।

विश्व आयुर्वेद दिवस: समग्र स्वास्थ्य के लिए पारंपरिक ज्ञान व आधुनिक विज्ञान का समन्वय

डॉ. श्रीगोपाल बाहेती

आयुर्वेद विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धित ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य और दीर्घायु का एक संपूर्ण विज्ञान है। यह शास्त्र केवल व्याधि उत्पन्न होने के बाद उसके शमन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं के मूल सिद्धांत पर चलते हुए मनुष्य को रोग से बचने और निरंतर निरोगी बने रहने की दिशा दिखाता है। ऐतिहासिक और शास्त्रीय दृष्टि से आयुर्वेद अत्यंत समृद्ध है; महर्षि चरक के औषधि विज्ञान से लेकर महर्षि सुश्रुत के शल्यक्रिया (सर्जरी) ज्ञान तक, इसमें असाध्य मानी जाने वाली व्याधियों से लेकर सामान्य दर्द तक के मूल कारण को समाप्त करने की क्षमता है। यह पद्धित प्रकृति के सबसे करीब रहकर काम करती है, जहां पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक खनिजों के विवेकपूर्ण उपयोग से शरीर को बिना किसी गंभीर दुष्प्रभाव के भीतर से सबल बनाया जाता है। सस्ता, सुलभ, प्रकृति-सम्मत और पूरी तरह मरीज-अनुकूल होना ही इस विधा की सबसे बड़ी शक्ति है।

कालक्रम के अनुसार बदलते वैश्विक परिदृश्य में एलोपैथी का तीव्र विकास हुआ और निरंतर वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक उपकरणों तथा आपातकालीन स्थितियों में त्वरित राहत के बल पर इसने विश्व भर में प्रमुख स्थान बना लिया। इस तीव्र प्रसार के बीच आयुर्वेद जैसी समृद्ध पारंपरिक पद्धितयां धीरे-धीरे मुख्यधारा से कुछ हद तक ओझल होती चली गईं। इसमें कोई संदेह नहीं कि एलोपैथी ने शोध की निरंतरता के दम पर कई महामारियों पर नियंत्रण पाकर मानव जीवन को बड़ी राहत दी है। परंतु आज की वस्तुस्थिति यह भी है कि जीवनशैली से जुड़ी जटिल और जीर्ण बीमारियों के संदर्भ में मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की वाली स्थिति भी सामने आ रही है। रासायनिक दवाओं पर बढ़ती दीर्घकालिक निर्भरता और उनके साइड-इफेक्ट्स ने दुनिया को एक बार फिर अपनी प्राचीन और प्राकृतिक जड़ों की ओर देखने पर विवश किया है।

चिकित्सा विज्ञान का परम लक्ष्य किसी पद्धित विशेष का वर्चस्व सिद्ध करना नहीं, बल्कि पीड़ित व्यक्ति को न्यूनतम कष्ट और स्थाई समाधान के साथ निरोगी बनाना है। आज पद्धितयों के बीच किसी भी प्रकार की प्रतिस्पर्धा के बजाय उनके समन्वय की सबसे अधिक आवश्यकता है। विश्व आयुर्वेद दिवस का यह पावन अवसर एक युगांतरकारी पहल का आ ान करता है। सरकार को चाहिए कि वह आगे बढ़कर एलोपैथी, आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक पद्धितयों के शीर्ष विशेषज्ञों की एक संयुक्त राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शोध टीम गठित करे। इसके लिए पर्याप्त बजट, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और आवश्यक अधोसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक साक्ष्य-आधारित वैज्ञानिक कसौटी पर कसकर साझा चिकित्सा प्रोटोकॉल तैयार किए जा सकें। जब प्राचीन प्राकृतिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकी विज्ञान एक साथ काम करेंगे, तभी समठा, किफायती और दुष्प्रभाव-रहित चिकित्सा संभव होगी, जो वास्तव में एक स्वस्थ और सुरक्षित विश्व का मार्ग प्रशस्त करेगी।

–डॉ. श्रीगोपाल बाहेती,
पूर्व विधायक

राशिफल सोमवार 21 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत-2083, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 4:35 तक, सौभाग्य योग दिन 3:23 तक, कौलव करण सायं 5:52 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 4:35 से सूर्योदय तक है। आज श्री हरि जयन्ती, चन्द्र नवमी, अदु:ख नवमी, तल नवमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 7:48 से 9:19 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:21 तक, शुभ 1:31 से 3:22 तक

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:23

मेष

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

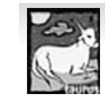

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं।

मिथुन

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला

तुला: परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

'एकात्म मानवदर्शन में नारी की गरिमा व समान सहभागिता का भाव निहित'

नारी को केवल सशक्त नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदार बनाना आवश्यक : स्मृति ईरानी

दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के पर जयपुर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा एकात्म मानवदर्शन एवं स्त्री विमर्श विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा एकात्म मानवदर्शन एवं स्त्री विमर्श विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन रविवार को कांस्टीट्यूशनल क्लब, जयपुर में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, मुख्य वक्ता भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ऑनलाइन जुड़ी। विशिष्ट अतिथि संगीता जांगिड़ तथा अध्यक्षता नीता बूथरा ने की। समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा भी मंचासीन रहे।

- कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, मुख्य वक्ता भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ऑनलाइन जुड़ी, विशिष्ट अतिथि संगीता जांगिड़ तथा अध्यक्षता नीता बूथरा ने की

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए प्रो. मोहन लाल छीपा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के समग्र विकास की अवधारणा प्रस्तुत करता है। भारतीय चिंतन परंपरा में नारी को समाज की सक्रिय, सम्मानित और महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में देखा गया है। आज आवश्यकता है कि उनके विचारों को समकालीन संदर्भों में समझते हुए महिला सहभागिता के नए आयामों पर विमर्श किया जाए। उन्होंने इस कार्यक्रम में बड़ी तादाद में महिलाओं की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि भारतीय समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वावलंबन और निर्णय प्रक्रिया में सहभागिता समाज की प्रगति के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके नेतृत्व को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। महिला घर के कार्यों के साथ साथ सामाजिक व प्रशासनिक जिम्मेदारी भी निभा रही है।

स्मृति ईरानी ने ऑनलाइन जुड़कर कर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवदर्शन के संदर्भ में स्त्री विमर्श के विभिन्न आयामों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीय दृष्टि में महिला परिवार और समाज की केवल एक इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण सहभागी रही है।

ईरानी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण का अर्थ केवल महिलाओं को सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा, कौशल, रोजगार, उद्यिमता, नेतृत्व और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्रभावी भूमिका देना भी है। उन्होंने कहा कि जब महिला अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम होती है, तब उसका प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवदर्शन की चर्चा करते हुए कहा कि व्यक्ति के विकास को परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसी समग्र दृष्टि में महिला की भूमिका को भी व्यापक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति, सृजन, संस्कार और नेतृत्व के विभिन्न रूपों में सम्मान दिया गया है और आधुनिक स्त्री विमर्श को भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना आवश्यक है।

ईरानी ने महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व देते हुए कहा कि शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला न केवल अपने जीवन को बेहतर बनाती है, बल्कि परिवार और समाज को भी नई दिशा देने में सक्षम होती है। उन्होंने महिलाओं के सामने उपस्थित समकालीन चुनौतियों पर संवाद, सामाजिक जागरूकता और संस्थागत प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल दिया। महिलाओं के सामने मौजूद चुनौतियों के समाधान के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नीता बूथरा ने कहा कि स्त्री विमर्श को भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों के साथ समझने की आवश्यकता है। महिलाओं की गरिमा, सम्मान और समान सहभागिता को केंद्र में रखकर ही समावेशी समाज का निर्माण किया जा सकता है।

पचास प्रतिशत पार्टनर बनाने का झांसा देकर 35 लाख रुपए ऐंठे

जयपुर। श्याम नगर थाना इलाके में हॉस्पिटैलिटी बिजनेस में 50 प्रतिशत पार्टनर बनाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से करीब 35 लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने निवेश के बदले मुनाफे का लालच देकर पीड़ित का भरोसा कायम रखा और वर्ष 2021 से 2023 के बीच उससे रकम लेते रहे। बाद में हिस्सेदारी और मुनाफा नहीं मिलने पर रुपए वापस मांगे तो जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हेड कांस्टेबल कैलाश चंद कुमावत ने बताया कि बाहुबली पथ, श्याम नगर निवासी उदित गौर ने अनिल कॉल, आभा, आदित्य, अरुण और दीक्ष सहित अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार वर्ष 2021 में बिजनेस के सिलसिले में आरोपियों से बातचीत हुई थी। उन्होंने 'एके हॉस्पिटैलिटी' नामक बिजनेस में निवेश करने और उसे 50 प्रतिशत का पार्टनर बनाने का भरोसा दिया।

- हॉस्पिटैलिटी बिजनेस में निवेश के बदले मुनाफे का दिया लालच
- दो साल तक रकम लेते रहे आरोपी
- रुपए मांगने पर जान से मारने की धमकी का आरोप

आरोप है कि वर्ष 2021 से 2023 के बीच आरोपियों ने विश्वास में लेकर बैंक खातों के माध्यम से 30.31 लाख रुपए और 4.50 लाख रुपए नकद लिए। काफी समय बीतने के बाद जब पीड़ित ने बिजनेस और मुनाफे के बारे में पूछा तो आरोपी उसे टालते रहे और प्रॉफिट में साझेदारी देने की बात कहते रहे।

पीड़ित के बार-बार कहने के बावजूद पार्टनरशिप, बिजनेस और प्रॉफिट से संबंधित कोई लिखित दस्तावेज नहीं बनाया गया। बाद में पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने रुपए लौटाने से इनकार कर दिया और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। धोखे का एहसास होने पर उदित गौर ने श्याम नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी आज जयपुर दौरे पर

जयपुर। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी सोमवार को एक दिवसीय जयपुर दौरे पर रहेंगे। रालोद राजस्थान की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार चौधरी जयपुर में युवा संवाद सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वे बस्सी क्षेत्र के ग्राम टहटड़ा में आयोजित वीर तेजाजी मेले में भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जोगिन्दर सिंह अवाना के अनुसार जयंत चौधरी सुबह 8 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां रालोद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे एयरपोर्ट पर ही मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे।

अवैध हथियार पिस्टल के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आग के तहत जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम (सीएसटी) और महेश नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्टल, दो खाली मैगजीन और अवैध हथियार के परिवहन में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त अपराध संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी की ओर से अवैध हथियारों से जुड़े लोगों के संबंध में आसूचना जुटाई जा रही थी। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर सीएसटी और महेश नगर थाना पुलिस की टीम ने गोपालपुरा बाईपास स्थित भगत पान भंडार के पास घेराबंदी की। मौके पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल और दो खाली मैगजीन बरामद हुईं।

चंदलाई बांध को पर्यटन से जोड़ने की संभावनाओं पर जोर : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में अब एक बार कांग्रेस और एक बार भाजपा सरकार बनने का दौर खत्म होगा। प्रदेश में लगातार भाजपा की सरकार बने, इसके लिए जनता का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार के ढाई साल के कार्यकाल में विकास के कई महत्वपूर्ण काम हुए हैं और इसका असर गांवों तक दिखाई दे रहा है। नगर निकाय चुनाव में भी जनता ने भाजपा के पक्ष में अपना विश्वास जताया है। अब पंचायत चुनाव में भी भाजपा प्रत्याशियों को जीताकर विकास की तीसरी कड़ी को मजबूत करने का काम किया जाए।

चंदलाई में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि गांवों के विकास को सरकार ने प्राथमिकता दी है। चंदलाई में अटल पथ के साथ-साथ पानी, बिजली और पर्यटन सहित कई क्षेत्रों में विकास कार्य किए गए हैं। दिया कुमारी ने पंचायत चुनाव को लेकर ग्रामीणों से भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में समर्थन की अपील करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार के बाद अब पंचायत स्तर पर भी विकास की कड़ी को जोड़ना जरूरी है। पंचायतों में भाजपा के प्रतिनिधि चुनकर आएंगे तो क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का उद्देश्य गांवों तक विकास पहुंचाना है और इसके लिए पंचायत स्तर पर मजबूत व्यवस्था जरूरी है।

- दिया कुमारी ने कहा कि गांवों के विकास को सरकार ने प्राथमिकता दी है। चंदलाई में अटल पथ के साथ-साथ पानी, बिजली और पर्यटन सहित कई क्षेत्रों में विकास कार्य किए

रामसिंह राजावत ने चापोलाई गोशाला के लिए भी सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड चंदलाई की ओर से मृतक ऋणी सदस्य राम नारायण पुत्र सुखदेव योगी के नामित शंकर लाल को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की ओर से 10 लाख रुपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। सहायता राशि मिलने पर परिवार की ओर से आभार जताया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने भी ग्रामीणों से पंचायत चुनाव में भाजपा का साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए पंचायत स्तर पर भी भाजपा को मजबूत करना जरूरी है। कार्यक्रम में पूज्य संत संतोष महाराज, राजपूत सभा भवन के अध्यक्ष राम सिंह चन्दलाई, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर , प्रशासक अनिरुद्ध सिंह चन्दलाई, जिला उपाध्यक्ष हरिमोहन शर्मा , जिला महामंत्री शिवजी राम , जिला मंत्री सुमन कुमावत , मंडल अध्यक्ष ज्ञानचंद मीणा , चंचल जोशी , उपसरपंच रेखा शर्मा , संतोष सैनी , उमा शर्मा पार्टी पदाधिकारी, ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीपीएनजी सुविधाओं से जुड़ने का आग्रह

जयपुर । केन्द्र व राज्य सरकार का फोकस एलपीजी कनेक्शनों को डीपीएनजी कनेक्शनों में शिफ्ट करना है।

खोया पाया

रजिस्ट्रार संस्थाए जयपुर से पंजीकृत राजस्थान आवासन मण्डल कर्मचारी विकास समिति प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर की मूल पत्रावली एंव विधान नियमावली व अन्तिम प्रबन्ध कार्यकारिणी सूची जिसका पंजीयन कमांक 807/ जयपुर/08-09 है, कहीं गुम हो गये है। अतः जिस किसी को भी उक्त प्रपत्र मिले तो निम्न मोबाईल नं. 9828015900 पर सूचित करने का श्रम करें।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम दिनेश कुमार अग्रवाल से बदलकर दिनेश अग्रवाल रख लिया है। भविष्य मे मुझे दिनेश अग्रवाल पुत्र श्री मुरलीधर अग्रवाल के नाम से जाना जावे। निवासी प्लॉट नं. डी-66, देवनगर, केडिया पैलेस रोड, मुरलीपुरा, जयपुर, राजस्थान-302039

I army no 8003049Y Ex. Hav (HONY NB SUB) Shafayat ullah khan resident of 113 jaswant nagar khatipura road jaipur that i want to change name of my dependent daughter from SHABNEM to SHABNUM KHAN vide affidavit 17 sep 2026 dated before sub divisional majistrate jaipur city south

I army no 2893123K Ex Hav Arjun Singh resident of plot no 33 jagdamba nagar A kalwar road jhotwara jaipur that i want to change name of my dependent from KALPNA KANWAR to KALPANA KANWAR vide affidavit dated 15 sep 2026 before sub divisional majistrate jaipur city south

I army no 2893123K Ex Hav Arjun Singh resident of plot no 33 jagdamba nagar A kalwar road jhotwara jaipur that i want to change name of my dependent from KUMARI ANJANI to ANJANI TANWAR vide affidavit dated 15 sep 2026 before sub divisional magistrate jaipur city south

'गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार छोटे शहरों तक हो'

मुख्य सचिव ने एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स के सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया।

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य केवल नए अस्पताल बनाने तक सीमित नहीं है। राज्य को ऐसा सशक्त और एकीकृत स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा, जिसमें सुलभता, गुणवत्ता, किफायती उपचार, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और संस्थागत विश्वास का समावेश हो। प्रत्येक स्वास्थ्य नीति, संस्था, तकनीक और निवेश के केन्द्र में रोगी तथा उसका कल्याण होना चाहिए।

- 'तकनीक, गुणवत्ता और मानवीय संवेदना के समन्वय से प्रत्येक रोगी को मिले बेहतर उपचार'

मुख्य सचिव शनिवार को जयपुर में एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (इंडिया) के राष्ट्रीय नेतृत्व सम्मेलन-2026 के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'अगले दशक के लिए राजस्थान की स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण' विषय पर राज्य की भावी स्वास्थ्य कार्ययोजना प्रस्तुत की।

श्रीनिवास ने कहा कि विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प में सभी नागरिकों को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार, सार्वभौमिक टीकाकरण, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान का विस्तार, आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं में आधुनिक तकनीक का उपयोग राज्य की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और चिकित्सा महाविद्यालयों को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, उचित परामर्श और बेहतर रेफरल व्यवस्था के माध्यम से मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

सोडाला के पुराना तेजाजी मंदिर में मेला आज

जयपुर। सोडाला स्थित पुराना तेजाजी मंदिर में लोक देवता सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज का वार्षिक भव्य मेला उत्सव तेजा दशमी के अवसर पर सोमवार, 21 सितंबर को धूमधाम से आयोजित होगा।

मेले को लेकर मंदिर प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोजन में जयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

मंदिर के पुजारी मुलचंद शर्मा ने बताया कि तेजा दशमी पर सोमवार सुबह 8 बजे से भव्य मेला उत्सव शुरू होगा। इस दौरान श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर वीर तेजाजी महाराज के दर्शन कर धोक लगाएंगे। मेले को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह बना हुआ है।

उन्होंने बताया कि दिनभर तेजाजी महाराज को खीर, पुए, पुड़ी और कच्चे नारियल का भोग लगाया जाएगा। शाम को तेजा बाबा की सवारी में श्रद्धालुओं को दर्शन होंगे।

श्रद्धालु इस दौरान जहरीले जीव-जंतुओं से रक्षा की प्रार्थना करेंगे। आयोजन के दौरान तेजाजी महाराज का अभिषेक कर भव्य श्रृंगार भी किया जाएगा।

सुनीता महावर के समर्थन में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

जयपुर। जयपुर नगर निगम के नवनिर्वाचित 57 कांग्रेस पार्षदों का रविवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) मुख्यालय में जयपुर शहर कांग्रेस की ओर से अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने पार्षदों से महापौर चुनाव में एकजुट रहने की अपील की। कांग्रेस की ओर से महापौर पद की अधिकृत प्रत्याशी बनाई गईं सुनीता मावर का भी पार्षदों ने शॉल और दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। 150 सदस्यीय निगम में कांग्रेस के 57 पार्षद हैं, जबकि भाजपा के 78 पार्षद निर्वाचित हुए हैं। इस समारोह में जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक रफीक खान व अमीन कागजी, अर्चना शर्मा, आर.आर. तिवाड़ी, गंगा देवी सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से निर्वाचित पार्षद मौजूद रहे।

कार्यक्रम के बाद जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि तमाम संसाधनों के दुरुपयोग के बावजूद जयपुर शहर में कांग्रेस के 57 पार्षद चुनाव जीतकर आए हैं। उन्होंने कहा कि ये सामान्य परिस्थितियों में जीतकर आए पार्षद नहीं हैं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जनता का विश्वास हासिल करके आए हैं। शर्मा ने आरोप लगाया कि जब सत्ता में भाजपा होती है तो कांग्रेस के 17-18 पार्षद ही मुश्किल से जीतकर आते हैं और भाजपा सत्ता तथा प्रशासनिक संसाधनों का इस्तेमाल करती है।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने जयपुर की वरिष्ठ पार्षद सुनीता महावर को महापौर प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने कहा कि जयपुर की दिशा और दशा बदलनी है तो केवल कांग्रेस ही नहीं, भाजपा के पार्षदों को भी अपनी अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करना चाहिए।

शर्मा ने दावा किया कि भाजपा में महापौर प्रत्याशी के चयन को लेकर कई पार्षद खुद को आहत महसूस कर रहे हैं और उन्हें लगता है कि टिकट वितरण में उनके साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि अंतरात्मा की आवाज पर बहुत कुछ ऐसा होने वाला है, जो चौंकाने वाला होगा।शर्मा ने सुनीता मावर को अनुभवी प्रत्याशी बताते हुए कहा कि उन्हें चार बार पार्षद रहने का अनुभव है और परकोटे सहित जयपुर शहर की समस्याओं की जमीनी समझ है। उन्होंने भाजपा पर महापौर प्रत्याशी के चयन को लेकर लंबे समय तक असमंजस में रहने का आरोप लगाया।

पेट दर्द पर निजी अस्पताल में भर्ती गर्भवती महिला की मौत

जयपुर। वैशाली नगर इलाके में पेट दर्द की शिकायत पर निजी अस्पताल में भर्ती 27 वर्षीय गर्भवती महिला की मौत के बाद रविवार सुबह सिरसी रोड स्थित मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल के बाहर परिजनों और स्थानीय लोगों ने हंगामा कर दिया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही और देरी का आरोप लगाते हुए दोषियों की गिरफ्तारी, एक करोड़ रुपए मुआवजा और आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद वैशाली नगर थाना पुलिस की समझाइश से मामला शांत हुआ। सुमन देवी (27) को शनिवार सुबह करीब 8 बजे पेट दर्द और तबीयत खराब होने की शिकायत पर सिरसी रोड स्थित मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान तबीयत बिगड़ने पर उसे देर शाम दूसरे निजी अस्पताल के लिए रेफर किया गया।मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल में हालत बिगड़ने के बाद छह यूनिट ब्लड चढ़ाया गया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:3693 जाहिर आम-सूचना दिनांक:07.09.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 52/185 (GF) (HIG), (एरिया 167.034 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव पत्नी श्री विपिन कुमार श्रीवास्तव को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 733 दिनांक 29.06.2000 को जारी किया गया। श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव के पक्ष में उक्त आवास / फ्लैट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 03.08.2002 को उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव द्वारा उक्त आवास/ फ्लैट को दिनांक 03.05.2024 के द्वारा श्रीमती सुनीता शर्मा पत्नी श्री दीनदयाल उपाध्याय को विक्रय कर उप पंजीयक - अष्टम जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती सुनीता शर्मा द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को दिनांक 24.06.2026 के द्वारा श्रीमती मंजू श्री सिंघवी पत्नी श्री नरपत चन्द को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती मंजू श्री सिंघवी पत्नी श्री नरपत चन्द द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती मंजू श्री सिंघवी पत्नी श्री नरपत चन्द का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना

मैं पप्पन पुत्र बाबू जाति घोसी (मुसलमान) उम्र 48 वर्ष नि० आनन्द नगर, भरतपुर (राज.) का हूँ। मैं शपथपूर्वक बयान करता हूँ कि अपनी स्वयं की मेहनत मजदूरी से स्वयं के रुपयों से एक पुख्ता मकान आनन्द नगर में बनाया हुआ है जिसमें मेरी पत्नि सायराबानो व मेरे पुत्र क्रमशः अल्ताफ हुसैन, सद्दाम हुसैन, समीर, फिरोज रहते हैं। मेरा पुत्र सद्दाम हुसैन गलत संगत में पड़ गया है और आये दिन घरवालों से लड़ाई झगड़ा करता रहता है मैं अपने पुत्र के आचरण से अत्यंत दुखी हूँ इसलिये मैं अपने पुत्र सद्दाम को आनन्द नगर के मकान व अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ मेरे पुत्र सद्दाम हुसैन द्वारा किये गये किसी भी कार्य की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी तथा भविष्य में कोई लेन-देन मेरे पुत्र सद्दाम हुसैन द्वारा किया जाता है तो उसका जिम्मेदार मेरा पुत्र सद्दाम हुसैन होगा।

एएचपीआई नेशनल लीडरशिप समिट का समापन

जयपुर । एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (इंडिया) की ओर से आयोजित चौथी एएचपीआई नेशनल लीडरशिप समिट का शनिवार को जयपुर में समापन हुआ।

होटल मैरियट में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के नीति-निर्माताओं, चिकित्सकों, हेल्थकेयर लीडर्स, प्रशासकों, नर्सिंग लीडर्स और विशेषज्ञों ने भाग लिया।समिट की थीमसस्टेनेबल हेल्थकेयर लीडरशिप: बैलेंसिंग क्वालिटी, कॉस्ट एंड ट्रस्टरही।

सम्मेलन में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, किफायती इलाज, तकनीक, संवेदनशीलता और मरीजों के विश्वास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। समापन सत्र में राजस्थान सरकार के मुख्य सचिववी. श्रीनिवास, आईएएसमुख्य अतिथि रहे।

नीति आयोग के पूर्व सदस्यडॉ. वी.के. पॉलने विजन फॉर विकसित भारत 2047 विषय पर संबोधन दिया।सम्मेलन के दूसरे दिन हेल्थकेयर के मानवीय पक्ष पर विशेष जोर रहा।

स्वास्थ्य संस्थानों में संवेदनशीलता और विश्वास की संस्कृति विकसित करने, मेंटरशिप एवं उत्तराधिकार योजना के जरिए भावी नेतृत्व तैयार करने, नर्सिंग लीडरशिप मजबूत करने और डॉक्टर-मरीज संबंध बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श हुआ।

समिट मेंएएचपीआई नेशनल अवॉर्ड्सभी प्रदान किए गए। इनमें आईएलबीएस नई दिल्ली के निदेशकडॉ. शिव सरीन, मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप के एमडी एवं सीईओदिलीप जोसऔर पॉलीमेडिक्योर के सीएमडीहिमांशु बैदशामिल रहे। वहींएएचपीआई राजस्थान अवॉर्ड्स टू वूमेन ल्यूमिनरीजसे भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल की सीनियर वाइस चेयरपर्सनअनिला कोठारीऔर इटरनल हॉस्पिटल की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टरमंजू शर्माको सम्मानित किया गया। आयोजक सचिवडॉ. सर्वेश अग्रवालने कहा कि गुणवत्तापूर्ण, किफायती और भरोसेमंद स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए पूरे हेल्थकेयर इकोसिस्टम में निरंतर संवाद और सहयोग जरूरी है। आयोजन अध्यक्षडॉ. विकास स्वर्णकारने सरकार और निजी स्वास्थ्य क्षेत्र के बीच सहयोग बढ़ाने की जरूरत बताई।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

डिजिटल अरेस्ट कर सेवानिवृत्त एडीजी से 2.12 करोड़ की ठगी करने वाले गिरफ्तार

जयपुर पुलिस ने महाराष्ट्र से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जयपुर। सेंट्रल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर सेवानिवृत्त एडीजी से 2.12 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए महाराष्ट्र से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों को ट्रांजिट रिमांड पर जयपुर लाया गया। आरोपियों ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के सेवानिवृत्त एडीजी को पुलिस और अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बनकर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने और गिरफ्तारी वारंट जारी होने का डर दिखाया। इसके बाद करीब 10 दिन तक उन्हें व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर निगरानी में रखा और अलग-अलग बैंक खातों में 2 करोड़ 12 लाख 10 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राईम विजय कुमार सिंह के अनुसार सेण्ट्रल साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन जयपुर ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर सेवानिवृत्त एडीजी से 2.12 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले रोहित रेवण कटकधोंड,आमोल जगन्नाथ पवार और आंबादास कालू जाधव को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार रोहित रेवण कटकधोंड-कृषि उत्पाद व्यवसायी है। पुलिस के अनुसार वह मुंबई में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कमीशन के लालच में ठगों के संपर्क में आया और उसने अपने बैंक खाते तथा सिम कार्ड उपलब्ध कराए। आमोल जगन्नाथ पवार-कंपनी में निवेश और शेयर बाजार के नाम पर खातों का दुरुपयोग कराने तथा पुशबुलेट ऐप के जरिए ओटीपी साझा करने में शामिल बताया गया है और आंबादास कालू जाधव-आमोल पवार का पूर्व साझेदार है। पुलिस के अनुसार उसके नाम से नासिक के यस बैंक में फर्जी फर्म ओरिएंट मेटल्स का खाता खुलवाया गया, जिसमें ठगी की रकम प्राप्त की गई।

उप महानिरीक्षक पुलिस शान्तनु कुमार सिंह ने बताया कि 9 से 18 अगस्त 2026 के बीच आरोपियों ने सेवानिवृत्त अधिकारी से संपर्क किया। उन्हें लगातार वीडियो कॉल पर रहने, किसी अन्य व्यक्ति से संपर्क नहीं करने और लाइव लोकेशन चालू रखने के लिए मजबूर किया गया।

आरोपियों ने फर्जी सरकारी दस्तावेज भेजकर खातों की जांच के नाम पर 13 अगस्त को आईसीआईसीआई बैंक खाते में 2.02 करोड़ रुपए तथा 18 अगस्त को यस बैंक खाते में 10.10 लाख रुपए आरटीजीएस के जरिए ट्रांसफर करवा लिए।इसके बाद साइबर पुलिस स्टेशन के उप अधीक्षक गजेन्द्र शर्मा और पुलिस निरीक्षक सोनम के नेतृत्व में टीम ने बैंक खातों, सीडीआर, केवाईसी, व्हाट्सएप चैट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया।

- तीनों को ट्रांजिट रिमांड पर जयपुर लाया गया। आरोपियों ने सेवानिवृत्त एडीजी को पुलिस का अधिकारी बनकर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने का डर दिखाया

इसके बाद आरोपियों की पहचान कर नासिक और मुंबई से गिरफ्तार किया गया।

जांच में सामने आया कि ठगी की रकम को कई बैंक खातों में भेजकर उसकी लेयरिंग की गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने सेबी और शेयर बाजार अधिकारी बनकर पुशबुलेट ऐप के माध्यम से मोबाइल के ओटीपी हासिल किए और नेट बैंकिंग के जरिए करोड़ों रुपए का लेन-देन किया। पुलिस अब ठगी की रकम की बरामदगी के साथ गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

रजिस्ट्रेशन नं. 2601/एल
तोपखाना देश गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
कार्यालय: 2, हथरोई, अजमेर रोड़, जयपुर

आम सभा सूचना

समिति के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन दिनांक 28 सितम्बर 2026 को दोपहर 12 बजे समिति कार्यालय: 2, हथरोई, अजमेर रोड़, जयपुर पर किया जाना निश्चित किया गया है, जिसमें निम्न विषयों पर निर्णय लिया जाना है :-

1. गत साधारण सभा की कार्यवाही की पुष्टि
2. अंकेक्षित लेखों की पुष्टि व आडिट आक्षेपों की अनुपालना
3. समिति की विवादास्पद योजनाओं के समाधान पर विचार
4. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से।

कोरम के अभाव में स्थगित बैठक नियम / उपनियमानुसार आयोजित की जावेगी जो उसी दिन उसी स्थान पर एक घन्टे उपरान्त प्रारम्भ की जावेगी। स्थगित बैठक में विचारणीय विषय उपरोक्तानुसार ही रहेंगे।

दिनांक 18.09.2026 — आज्ञा से
तोपखाना देश गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
अध्यक्ष

कपासन में कार की टक्कर से ऑटो पलटा, दो महिलाओं सहित तीन घायल

भीलवाड़ा से कपासन जियारत करने जा रहा था परिवार

कपासन, (निसं)। कपासन-चित्तौडगढ मार्ग पर गोरा जी का निंबाहेड़ा खाद फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो महिलाओं सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ऑटो में सवार एक ही परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामूली चोटें आई हैं।

ये परिवार भीलवाडा से कपासन में दरगाह पर जियारत करने आ रहा था। निंबाहेडा खाद फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे ऑटो रिक्शा पलट गया।कपासन-चित्तौडगढ मार्ग पर गोरा जी का निंबाहेड़ा खाद फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो महिलाओं सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ऑटो में सवार एक ही परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामूली चोटें आई हैं।

ये परिवार भीलवाडध से कपासन में दरगाह पर जियारत करने आ रहा था। निंबाहेड़ा खाद फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे ऑटो रिक्शा पलट गया।कपासन-चित्तौड़गढ़ मार्ग पर गोरा जी का निंबाहड़ा खाद फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो महिलाओं सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ऑटो में सवार एक ही परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामूली चोटें आई हैं। ये परिवार भीलवाड़ा से कपासन में दरगाह पर जियारत करने आ रहा था। निंबाहेड़ा खाद फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे ऑटो रिक्शा पलट गया। घायलों को तुरंत कपासन के उप जिला अस्पताल ले जाया गया। गंभीर घायलों में भीलवाड़ा पुलिस लाइन निवासी आर्जु बानु (21) पत्नी आकीब खान, मेरून नीशा (40) पत्नी शैर खान और आदानन खान (23) पुत्र शेर खान शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद आर्जु बानु, मेरून नीशा और आदानन खान को चित्तौडगढ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। परिवार के अन्य सदस्य अरब खान और अली खान को मामूली चोटें आई हैं।

उपजिला चिकित्सालय कपासन में घायल चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार यादव सहित आदि स्टाफ ने इलाज़ किया।

■ ये परिवार भीलवाडध़ से कपासन में दरगाह पर जियारत करने आ रहा था। निंबाहेड़ा खाद फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे ऑटो रिक्शा पलट गया।कपासन-चित्तौड़गढ़ मार्ग पर गोरा जी का निंबाहड़ा खाद फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार ईको कार ने ऑटो को टक्कर मार दी।

एसईटी 2026-दो परीक्षा केंद्रों पर 27 को

कोटा, (निसं)। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा 2026 के तहत दो परीक्षा केंद्रों पर स्थगित परीक्षा अब 27 सितंबर 2026 को पुन: आयोजित की जाएगी। कोटा विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। 13 सितंबर को राजस्थान के 429 परीक्षा केंद्रों पर एसईटी 2026 परीक्षा आयोजित की गई थी। इनमें दो परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र विलंब से पहुंचने के कारण परीक्षा स्थगित करनी पड़ी थी।

कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने बताया कि स्थगित परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए 27 सितंबर को नए परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा केंद्र कोड 4057 के अभ्यर्थियों के लिए राजस्थान महाविद्यालय तथा केंद्र कोड 4066 के अभ्यर्थियों के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग को नया परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन दोनों केंद्रों पर कुल 1008 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। कुलगुरु प्रो.सारस्वत ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्राथमिकता परीक्षा की प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और अभ्यर्थी हितों को ध्यान में रखते हुए संपन्न कराना है। जिन अभ्यर्थियों की परीक्षा पूर्व में स्थगित हुई थी, उन्हें किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी न हो, इसके लिए नए परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे संशोधित प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षा केंद्र और अन्य आवश्यक निर्देशों की जानकारी समय रहते प्राप्त कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुन: आयोजित की जा रही परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परीक्षा प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खंडहर रेस्ट हाउस में दिन-रात नशेड़ियों का जमावड़ा

अनूपगढ । यहां वार्ड नंबर 2 स्थित आरसीपी कॉलोनी में सिंचाई विभाग का खंडहर रेस्ट हाउस स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। वार्डवासियों का आरोप है कि इस सुनसान पड़े भवन में दिन-रात नशेडियों का जमावड़ा रहता है।

इससे आसपास रहने वाले लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। परेशान वार्डवासियों ने पुलिस थाना अनूपगढ़ पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ ाने की मांग की। वार्डवासियों का आरोप है कि खंडहर रेस्ट हाउस में नशा करने वाले युवक आसपास घूमते रहते हैं।

इन पर घरों में घुसकर चोरी करने का भी आरोप लगाया गया है। स्थानीय

■ सुरक्षा बढ़ाने के लिए वार्डवासी पहुंचे थाने

लोगों के अनुसार, पिछले कई दिनों से वे खुद चोरों को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

निवासियों का कहना है कि खंडहर भवन में असामाजिक गतिविधियां होने से आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। खासकर रात के समय लोगों को अपने घर और सामान की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है। वार्डवासियों ने ज्ञापन में कहा कि नशेड़ियों की गतिविधियों से इलाके में जान-माल का खतरा बना हुआ है। उन्हें आशंका है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ी घटना हो सकती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी वार्ड में अतिरिक्त जिला कलेक्टर और उप जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) का आवास भी है। इसके बावजूद क्षेत्र में खंडहर रेस्ट हाउस के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वार्डवासियों ने पुलिस से मांग की है कि आरसीपी कॉलोनी और खंडहर रेस्ट हाउस के आसपास दिन और रात दोनों समय पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। साथ ही, खंडहर भवन में चल रही कथित नशे और अन्य गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए। वार्डवासियों ने ज्ञापन की प्रतियां अतिरिक्त जिला कलेक्टर और उप जिला मजिस्ट्रेट को भी भेजी हैं, ताकि मामले में संबंधित विभागों की ओर से कार्रवाई की जा सके।

मवेशियों से हादसे का खतरा

अजमेर। शहर के केंद्रीय बस स्टैंड परिसर में बेसहारा मवेशियों की लगातार आवाजाही राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। दिनभर परिसर में मवेशियों के घूमने से हादसे का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार मवेशी अचानक इधर-उधर भागने लगते हैं, जिससे वाहन चालकों और यात्रियों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बन जाती है। रविवार को भर्ती परीक्षा के चलते शाम के समय केंद्रीय बस स्टैंड पर परीक्षार्थियों की भारी भीड़ रही। ऐसे में परिसर में घूम रहे मवेशियों के अचानक भागने से बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रही। लोगों का कहना है कि केंद्रीय बस स्टैंड जैसे व्यस्त सार्वजनिक स्थल पर मवेशियों की मौजूदगी यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर समस्या है।

पुष्कर में चोरियों का सिलसिला बढ़ा, सीसीटीवी फुटेज सामने आए

पुष्कर। पुष्कर में चोरी की घटनाओं का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। जगतपिता ब्रह्मा मंदिर, ब्रह्म घाट और कपालेश्वर तिराहे के आसपास दुकानों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। चोरी की घटनाओं से जुड़े कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनमें संदिग्ध लोग चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं।

प्रिंस वैष्णव ने बताया कि उनके घर के सामने स्थित चूड़ियों की दुकान में चोर घुस गए और करीब 7 से 8 हजार रुपये की नकदी तथा मोबाइल चार्जर चोरी कर ले गए। उन्होंने घटना की शिकायत पुलिस को दी है।

इसी तरह धीरज होजाने ने बताया कि ब्रह्म घाट के पास उनकी दुकान का ताला तोड़कर चोर 6 हजार रुपये से

■ चूड़ियों की दुकान से नकदी व सामान ले गये चोर

अधिक की नकदी चुरा ले गए। कपालेश्वर महादेव मंदिर के आसपास भी चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध लोग कथित तौर पर 500-500 रुपये के नोट गिनते हुए दिखाई दे रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार चोरी की घटनाओं से जुड़े कई वीडियो सामने आने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस को दी गई शिकायतों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

कैब ड्राइवर को चाकू मारने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग निरूद्ध

पुलिस टीम ने आरोपियों की पहचान कर पकड़ा

कोटा, (निसं)। जान से मारने की नियत से कैब चालक पर चाकू से हमला करने के दर्ज मामले में आरकेपुरम् पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, साथ ही एक नाबालिग को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 2 सितम्बर को एमबीएस अस्पताल में भर्ती फरियादी विजेन्द्र ने आरकेपुरम पुलिस को पर्चा बयान दिया कि वह टैक्सी चलाने का कार्य करता है। 1

■ रास्ते में बोराबास के पास पहुंचते ही पीछे बैठे लड़के ने परिवादी के गले में रस्सी डालकर गला घोंटने का प्रयास किया

सितम्बर को शाम करीब सात बजे मोबाईल पर रावतभाटा जाने हेतु सवारी की बुकिंग मिली, बयान में कहा कि शिवपुरा चौराहे से दो लड़कों को गाड़ी में बैठाया और रावतभाटा के लिए रवाना हुआ। रास्ते में नयागांव पेट्रोल पंप से सीएनजी भरवाने के बाद बोराबास के पास पहुंचते ही पीछे बैठे लड़के ने परिवादी के गले में रस्सी डालकर गला घोंटने का प्रयास किया, इसी दौरान आगे बैठे लड़के ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, बाद में चिल्लाने के बाद आरोपी भाग गये। शहर एसपी ने कहा कि पुलिस ने पर्चा बयान पर हमलावरो के खिलाफ मामला दर्ज किया। मामले में कार्यवाही के लिये पुलिस उप अधीक्षक उदयसिंह मीणा के सुपरविजन में आरकेपुरम थानाधिकारी दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मामले में त्वरित कार्रवाई व सक्रियता दिखाते हुए कैब ड्राइवर के मोबाईल पर आए कॉल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया, जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल विधि से संघर्षरत बालक को पूर्व में डिटेन किया, जिसे अनुसंधान के पश्चात न्यायालय के आदेशानुसार बाल संप्रेषण गृह भेजा गया। टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए वांछित चल रहे आरोपी शिवपुरा थाना दादाबाड़ी निवासी दीपू उर्फ दिगम्बर सिंह (19) एवं नरेन्द्र मीणा (28) को डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आया सामने-शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि कुछ दिन पूर्व उनके पड़ोस में रहने वाले सुरेश मीणा एवं नरेंद्र मीणा उनके पास आए थे और कैब ड्राइवर पर चाकू से हमला करने के लिए उन्हें 20,000 रुपये की सुपारी दी थी। योजना के अनुसार, दोनों आरोपियों ने अपने मोबाईल से परिवादी विजेंद्र की कैब बुक की। रात्रि के समय रावतभाटा जाते वक्त बोराबास के पास गाड़ी रुकवाई और कैब चालक पर चाकू से 8-10 वार कर दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

कैब चालक पर हमले के दो आरोपियों को आरकेपुरम पुलिस ने गिरफ्तार किया।

आर्थिक तंगी से परेशान दम्पति ने की आत्महत्या

टोंक (निसं)। मालपुरा कस्बा क्षेत्र में आर्थिक तंगी से परेशान होकर पति-पत्नी ने आत्महत्या कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

जिसके बाद जब उनकी 13 साल की बेटी स्कूल से घर पहुंची तो कमरे का गेट बंद मिलने पर काफी देर तक आवाज लगाने के बाद भी जवाब नहीं मिला तो बेटी ने पड़ोस में रहने वाले

■ परिवार के 5 सदस्य मकान के एक कमरे में रहते थे

अपने ताऊ को बुलाकर दरवाजा खोला तो दोनो फंदे से लटके मिले। सूचना पर मालपुरा वृताधिकारी आशीष प्रजापत और मालपुरा थाना प्रभारी चेनाराम जाट थाना टीम सहित मौके पर पहुंचे।

पुलिस की जानकारी के अनुसार मामला मालपुरा शहर के पाटौदी मोहल्ले के निवासी मृतक लक्ष्मीनारायण (उम्र 32 साल) पुत्र हीरालाल और उसकी पत्नी मधु (उम्र 30 साल) जो पिछले कुछ दिनों से आपस में झगड़ रहे थे।

पुलिस ने बताया कि लक्ष्मीनारायण बर्तन की दुकान पर काम करता था, परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटी और एक बेटा है। शनिवार को बच्चे स्कूल गए थे, लक्ष्मीनारायण दुकान पर नहीं गया और उसकी पत्नी घर पर ही थी। मोहल्लवासियो से मिली जानकारी के अनुसार परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, संभवत इसी कारण पिछले तीन दिनों से पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद चल रहा था। उनके झगड़ने की आवाज भी सुनाई दे रही थी, परिवार के 5 सदस्य मकान के एक कमरे में रहते थे। पुलिस ने दोनों के शव को मालपुरा हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

निर्दलीय विधायक को सीआईडी सीबी ने पकड़ा

बीकानेर । निर्दलीय विधायक गणेश राज बंसल को सीआईडी सीबी ने रात बीकानेर से गिरफ्तार कर लिया। गणेश राज के खिलाफ 23 साल पहले फर्जी पट्टे वितरित करने का मामला दर्ज है। उन्हें पलू थाने में रखा गया है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। नगर परिषद सभापति चुनाव के बीच विधायक की गिरफ्तारी से सियासी हलके में हलचल मच गई है।

गणेश राज की गिरफ्तारी को लेकर विभाग के अफसरों ने स्पष्ट तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। जानकारी के अनुसार, हनुमानगढ़ से निर्दलीय विधायक गणेशराज बंसल को सीआईडी-सीबी और पुलिस की स्पेशल क्राइम ब्रांच टीम ने बीकानेर से हनुमानगढ़ जाते समय शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया था। पूछताछ के बाद उन्हें रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उन्हें बीकानेर से सीधे पल्लू थाने ले गई। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई साल 2003 से जुड़े 23 साल पुराने फर्जी पट्टे जारी करने के आपराधिक मामलों के सिलसिले में की गई है।

बीकानेर रेंज के आईजी ओम प्रकाश और सीआईडी सीबी के एएसपी सतपाल ने मामले में कुछ कहने से इनकार कर दिया। आईजी ने फोन पर बताया कि ये कार्रवाई सीआईडी सीबी ने की है, उनसे बात करें। इस पर जब सीआईडी सीबी के एएसपी सतनाम से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि जल्द ही इस बारे में बता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं सब को बार-बार नहीं बता सकता। एएसपी ने गिरफ्तारी की पुष्टि का भी आधिकारिक तौर पर कोई जवाब नहीं दिया। बता दें कि ये कार्रवाई उस समय हुई हैं, जब हनुमानगढ़ नगर परिषद सभापति पद का चुनाव होना है और विधायक खेमे को स्पष्ट बहुमत है। कुल 60 वार्डों के नतीजों में भाजपा को 15 और कांग्रेस को 10 सीटें मिली हैं। वहीं, विधायक गणेशराज बंसल के गुट वाले निर्दलीय 34 पार्षद और माकपा का 1 प्रत्याशी चुनाव जीतकर आया हैं।

■ सभापति चुनाव से पहले बीकानेर से पकड़ा, 23 साल पुराने मामले में कार्रवाई

■ गणेश राज की गिरफ्तारी को लेकर विभाग के अफसरों ने स्पष्ट तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है

■ बीकानेर रेंज के आईजी ओम प्रकाश और सीआईडी सीबी के एएसपी सतपाल ने मामले में कुछ कहने से इनकार कर दिया।

पाटन बाईपास पर हादसे में बाइक सवार महिला की मौत

पाटन । पाटन बाईपास पर रविवार को जीडी हॉस्पिटल के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती घायल हो गए। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार भूपसेड़ा निवासी मातादीन यादव अपनी पत्नी लाली देवी के साथ बाइक से सुंदरदास से अपने गांव भूपसेड़ा जा रहे थे। इसी दौरान जीडी हॉस्पिटल के पास सामने चल रहे ट्रक को बचाने के प्रयास में उनकी मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में लाली देवी के सिर में गंभीर चोट लगी।सूचना मिलने पर एंबुलेंस की सहायता से दोनों को राजकीय अस्पताल पाटन पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने लाली देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल मातादीन यादव का उपचार किया गया। पुलिस ने मृतका के शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ लाली देवी के सिर में गहरी चोट लगने से मृत्यु हुई

वीर गार्जियन में दिखीं भारत-जापान की हवाई रक्षा अभ्यास की साझेदारी

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर का एयरफोर्स स्टेशन आज भारत और जापान के बीच मजबूत होते रक्षा संबंधों और सैन्य कूटनीति के एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना। भारत और जापान की वायुसेनाओं के बीच आयोजित द्विपक्षीय हवाई रक्षा अभ्यास वीर गार्जियन 2026 के दौरान भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल टेकहीरो मोरिटा ने भारत के पूरी तरह स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस में एक साथ आसमान में उड़ान भरी। विदेशी वायुसेना प्रमुख द्वारा भारत में निर्मित फाइटर जेट में इस तरह सॉर्टी लगाना भारत के रक्षा विनिर्माण और मेक इन इंडिया अभियान की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय सफलता के रूप में देखा जा रहा है। जोधपुर के सामरिक रूप से महत्वपूर्ण एयरबेस पर 9 सितंबर से शुरू हुआ यह संयुक्त हवाई युद्धाभ्यास 22 सितंबर तक जारी रहेगा। रविवार को अभ्यास की प्रगति और तैयारियों की समीक्षा करने के लिए जोधपुर पहुंचे दोनों मित्र देशों के वायुसेना प्रमुखों ने उड़ान भरने से पहले एयरबेस पर तैनात भारतीय और जापानी सैन्य दस्तों से मुलाकात की, उनका हौसला बढ़ाया और एक यादगार ग्रुप फोटो भी खिंचवाया। इसके बाद भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और जापानी जनरल टेकहीरो मोरिटा ने स्वदेशी तेजस ट्रेनर विमान में बैठकर जोधपुर के आसमान में गर्जना की। वीर गार्जियन 2026 अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों मित्र राष्ट्रों की वायुसेनाओं के बीच अंतर-संचालन को मजबूत करना और जटिल हवाई युद्ध परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बिठाना है।

सरनेम धारण करने से जिम्मेदारी व परिपक्वता नहीं आती : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर पहुंचे।

यहां पर पत्रकारों से बातचीत हुए राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और कहा कि किसी का सरनेम धारण कर लेने भर से उस सरनेम से जुड़ी विरासत, परिपक्वता और जिम्मेदार आचरण हासिल नहीं किया जा सकता।

रविवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने ही देश के प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतें सार्वजनिक मंच पर कीं, वह अशोभनीय भी हैं और निंदनीय भी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पुराने व्यवहार को देखते हुए उनका यह आचरण कोई नई बात नहीं है। शेखावत ने कहा कि आप सरनेम किसी से चुरा सकते हो, लेकिन उस सरनेम के साथ जुड़ी लीगेसी, परिपक्वता और जिम्मेदारीपूर्ण आचरण का व्यवहार केवल सरनेम धारण करने से हासिल नहीं कर सकते।

कांग्रेस द्वारा नगर निगम चुनाव में हाइब्रिड तकनीक के माध्यम से राजेंद्र सोलंकी को उम्मीदवार बनाए जाने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह नियम-कायदे के दायरे में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए शायद इसी उद्देश्य से नियमों में संशोधन किया होगा।

उन्होंने कहा कि शहर के मतदाता पहले ही अपना मानस व्यक्त कर चुके हैं। नगर निगम बोर्ड के लिए चुने गए सदस्यों ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में, चुनाव को लेकर जनता और निर्वाचित प्रतिनिधियों की भावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

शेखावत ने हाल में झूठ और अफवाहें फैलाने की कोशिशों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी इस तरह की कोशिश की गई थी।

रात में थाना रातानाडा जाकर एक हाईवोल्टेज पॉलिटिकल ड्रामा खड़ा करने का प्रयास किया गया, लेकिन सुबह होते-होते वह पटाखा फुस्स हो गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक माहौल को अनावश्यक रूप से गरमाने और झूठ-अफवाहों के जरिए भ्रम पैदा करने की कोशिशें जनता के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं सकतीं।

■ केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

■ देश के प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतें सार्वजनिक मंच पर कीं, वह अशोभनीय भी हैं

तस्कर अवैध मदिरा की कार छोड़ भागे

उदयपुर। अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए चल रहे विषेश निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही जारी है। प्रदेश में वॉश, हथकड मदिरा सहित अन्य राज्य की मदिरा पर भी कार्रवाई के तहत डूंगरपुर एवं जयपुर में कार से अवैध अंग्रेजी मदिरा पर प्रभावी कार्रवाई की गई।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में विषेश निरोधात्मक अभियान के तहत 19 सितंबर 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 601 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 3 लाख 94 हजार 307 रूपए लागत की 1453 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 73 लाख 57 हजार 400 रूपए की 7332 लीटर, बीयर 89 हजार 898 रूपए की 413 लीटर, हथकड़ शराब 4617 लीटर एवं स्प्रिट 350 लीटर जब्त किया है। इसी क्रम में वॉश एक लाख 79 हजार 356 लीटर नष्ट किया । अभियान के तहत एक बड़ा वाहन, 5 चार पहिया वाहन, 21 दुपहिया वाहन सहित 27 वाहन जब्त किए साथ ही अवैध मदिरा से संबंधित 218 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी निरोधक दलों की कार्रवाई के तहत शनिवार रात्रि जयपुर एवं डूंगरपुर में बड़ी कार्रवाई के तहत 2 कार सीज करते हुए अवैध अंग्रेजी मदिरा की बडी खेप बरामद कर अभियोग दर्ज किए गए। डूंगरपुर और सागवाड़ा की संयुक्त कार्रवाई के तहत आबकारी टीम द्वारा हाईवे पर एक संदिग्ध क्रेटा कार का पीछा करने पर तस्कर कार को एकांत में छोड कर फरार हो गए। क्रेटा कार की जांच करने पर अवैध तरीके से परिवहन की जा रही पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी मदिरा की 47 कार्टन बरामद हुए। बरामद मदिरा में रॉयल चेलेन्ज, ऑल सीजन व्हीस्की के पव्वे एवं बोतलों को सील्ड बरामद कर विषेश अभियोग दर्ज किया गया। जयपुरमें सघन नाकाबंदी के तहत आमेर रोड पर एक रेनॉल्ट काइगर कार की डिक्की में 2 कार्टन में ओकस्मिथ गोल्ड अंग्रेजी मदिरा की 24 बोतल एवं एक कार्टन में 100 पाइपर की 12 बोतल फोर सेल इन हरियाणा बरामद कर अभियोग दर्ज किया । इसी प्रकार हनुमानगढ़ में 500 लीटर वॉश सहित 2 भट्टियां नष्ट करते हुए 15 लीटर हथकड मदिरा जब्त की गई।

मदिरा पर भी कार्रवाई के तहत डूंगरपुर एवं जयपुर में आबकारी टीम ने तस्कर को गिरफ्तार किया।

■ पुलिस टीम ने अंग्रेजी मदिरा पर प्रभावी कार्रवाई की

लग्जरी कार में भरी मिली 5 लाख की शराब : 48 पर बरौठी के पास नाकेबंदी में पकड़ी, ड्राइवर हो गया फरार : डूंगरपुर जिले में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। आबकारी निरीक्षक राहुल शर्मा के नेतृत्व में टीम ने एनएच48 पर बरौठी के पास अवैध शराब से भरी एक कार जब्त की। इस कार से करीब 5 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद हुई है। हालांकि कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

कोठारी को मेयर प्रत्याशी बनाना जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय : राजू मंगोड़ीवाला

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी द्वारा वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रतिष्ठित ज्वैलर एवं समाजसेवी सुनील कोठारी को मेयर पद का प्रत्याशी घोषित किए जाने पर विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों में हर्ष का वातावरण है। ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश संयोजक तथा कैट (कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए इसे संगठन के प्रदेश नेतृत्व का दूरदर्शी एवं जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय बताया है। मंगोड़ीवाला ने कहा कि सुनील कोठारी लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित रहकर संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ सामाजिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान देते रहे हैं। उनका विनम्र व्यवहार, कर्मठ कार्यशैली, संगठनात्मक दक्षता तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति आत्मीय जुड़ाव उन्हें एक लोकप्रिय एवं स्वीकार्य जननेता के रूप में स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि व्यापारिक समुदाय की समस्याओं के समाधान, तथा जनसेवा के प्रति निरंतर समर्पण सुनील कोठारी की विशेष पहचान रही है।

निकाय के बाद जनता अब पंचायत चुनाव में भी भाजपा को आशीर्वाद देगी : मदन राठौड़

पंचायत चुनावों में सभी जिला परिषदों में बहुमत हासिल करेगी भाजपा : हरीश द्विवेदी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक बैठक ली।

- **वन स्टेट-वन इलेक्शन से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मिली नई दिशा : राजेंद्र राठौड़**

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक बैठक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वर्चुअल माध्यम से तथा संगठन महामंत्री अजेय कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, डॉ अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, वरिष्ठ नेता ओंकार सिंह लखावत, सीआर चौधरी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि निकाय चुनाव में प्रदेश की जनता ने भाजपा की भजनलाल सरकार पर भरोसा जताया है, अब पंचायत चुनाव में भी प्रदेश की जनता भारी बहुमत के साथ भाजपा को विजयी बनाएगी। मेयर चुनाव के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस कभी तो हम पर आरोप लगाती है, अब कांग्रेस कह रही है कि क्रॉस वोटिंग उनके पक्ष में होगी। इसका मतलब उनको अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए कि वो कर क्या रहे हैं। कभी तो हमारे लिए कहते थे कि हम मैनेज कर रहे हैं। अब वो मैनेज करने का प्रयास कर रहे हैं। वो क्रॉस वोटिंग करवाना चाहते हैं। कांग्रेस कुछ भी कर लें, कुछ नहीं होगा, भाजपा बहुमत के साथ मेयर बना रही है। भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की जनता ने हाल ही में हुए चुनावों के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदेश का आमजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नीतियों तथा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री के कार्यकाल के तीन वर्षों के कार्यों पर जनता ने अपनी मुहर लगाते हुए भाजपा को आशीर्वाद दिया है। इसके लिए उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया।

चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी ने कहा कि नगर निकाय चुनावों में देशभर के आंकड़ों को देखें तो पार्षद के चुनाव में 40 से 42 प्रतिशत जीत का आंकड़ा भी बड़ी सफलता माना जाता है। राजस्थान में टिकट वितरण के दौरान कुछ कार्यकर्ता नाराज होकर निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे थे। बड़ी संख्या में ऐसे कार्यकर्ता जो भाजपा से जुड़े हुए थे और निर्दलीय चुनाव लड़े, अब वापस पार्टी में आ चुके हैं। राठौड़ ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव परिणाम को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के लोगों को गुमराह करने और जिस प्रकार का प्रदर्शन किया गया, उसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। देश के युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर भरोसा व्यक्त करने का काम किया है।

पांच साल से फरार पांच हजार का इनामी वाहन चोर गिरफ्तार

आरोपी वारिस मेव

- **मास्टर चाबी से डम्पर-ट्रक चुराकर औने-पौने दामों में बेचता था गैंग**
- **चोरी किए गए वाहनों को मेवात क्षेत्र में औने-पौने दामों में बेच दिया जाता था।**

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने पांच साल से फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2021 में माचेड़ा स्थित एक प्लॉट से टिपर-डम्पर चोरी के मामले में वांछित था। पुलिस के अनुसार आरोपी मेवात इलाके का शातिर और आदतन अपराधी है तथा उसके खिलाफ राजस्थान और उत्तराखंड के विभिन्न थानों में वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी वारिस मेव (32) निवासी पहाड़ी (पंचायत पथरोल) जिला डीग है। आरोपी को विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना और पारंपरिक पुलिसिंग के आधार पर दौलतपुरा टोल टैक्स के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस इस मामले में पूर्व में इकराम उर्फ अकराम मेव और वसीम उर्फ पागल उर्फ डाम मेव को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि वारिस लगातार फरार चल रहा था।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी और उसके गिरोह के सदस्य मेवात क्षेत्र से अपनी गाड़ियों से जयपुर और आसपास के इलाकों में आते थे। दिन में कॉलोनियों और मुख्य सड़कों के किनारे खड़े बड़े ट्रकों, डम्परों और अन्य वाहनों की रेकी करते थे। इसके बाद रात में मास्टर चाबी से वाहनों को स्टार्ट कर चोरी कर ले जाते थे।

हरमाड़ा थानाधिकारी नरेंद्र भड़ाना के अनुसार पहचान और सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए आरोपी मुख्य मार्गों के बजाय अंदरूनी रास्तों का इस्तेमाल करते थे। चोरी किए गए वाहनों को मेवात क्षेत्र में औने-पौने दामों में बेच दिया जाता था। इसके बाद आरोपी वापस मेवात जाकर छिप जाते थे और चोरी से मिले पैसे मौज-मस्ती व नशे में खर्च कर देते थे।

पुलिस के अनुसार वारिस के खिलाफ विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं।पुलिस आरोपी से जयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों में हुई अन्य वाहन चोरियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस को पूछताछ में अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना है।

साइंस पार्क ऑडिटोरियम में पुस्तक विमोचन

जयपुर। लेखक दामोदर शर्मा की काव्य अनूदित हदीस (हज़रत मुहम्मद के वचन), गीता कलेमात और परस्तिश-ए-हनुमान (हनुमान चालीसा) शीर्षक से तीन पुस्तकों का विमोचन समारोह शनिवार को शास्त्रीनगर स्थित शहर के साइंसपार्क आडिटोरियम में हुआ। तीनों पुस्तकों का विमोचन अदबी हस्तियां कृष्ण देव कल्पित और डॉ.मीर आज़म अली ज़ैदी और प्रो. डॉ. अज़ीजुउल्लाह शीरानी(टोंक) ने किया। गीता के यह श्रेष्ठतम उपदेश जीवन की कठिन राह में मार्गप्रशस्त करती है। डॉ.मीर आज़म अली ज़ैदी ने कहा कि लेखक ने कुरान के बाद का इस्लाम का दूसरा बड़ा ग्रंथ हदीस में हजरत मुहम्मद के वचनों का हिन्दी में रूपांतरित कर गैर-इस्लामी और गैर उर्दू भाषी लोगों के जेहन में अहम मुकाम हासिल किया है। इस मौके पर साहित्यकार कृष्ण देव कल्पित ने कहा कि दोनों जबानों को समझने और उनके बीच रिश्ते मज़बूत करने की लेखक की पुरजोर कोशिश काबिले तारीफ है। साहित्यकार लोकेश कुमार सिंह साहिल और कवयित्री जीनस कंवर ने भी विचार व्यक्त किए।

जीएसटी विभाग का 7 प्रतिष्ठानों पर शिकंजा

- **160 लाख की संभावित कर देनदारी सामने, 70.59 लाख रुपये मौके पर जमा**

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग ने जीएसटी में अनियमितताओं और कर अपवंचना के खिलाफ प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई की। 18 सितम्बर को विभिन्न जिलों में7 प्रतिष्ठानों का सर्वे एवं निरीक्षणकिया गया। कार्रवाई में प्रथम दृष्टया करीब159.95 लाख रुपये की संभावित कर देनदारीसामने आई, जबकि संबंधित करदाताओं ने70.59 लाख रुपये स्वैच्छिक रूप से जमाकराए।

विभाग की कार्रवाई में अनियमित इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी), बिना बिल खरीद-बिक्री, फर्जी बिलिंग, स्टॉक में अनियमितता और रद्द जीएसटी पंजीयन वाले सप्लायर्स से खरीद जैसे मामले सामने आए। कई प्रतिष्ठानों से रजिस्टर, लूज पेपर और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी लिए गए हैं।

जयपुर के फर्स्ट मोबिटल प्राइवेट लिमिटेड के यहां ब्लॉक क्रेडिट/आईटीसी रिवर्सल को लेकर निरीक्षण किया गया। करीब 21.60 लाख रुपये की संभावित देनदारीसामने आई, जिसके विरुद्ध 4.74 लाख रुपये जमा कराए गए। अजमेर के आर्श फैशन कूचर एलएलपीके यहां भौतिक स्टॉक घोषित स्टॉक से अधिक पाया गया। मामले में करीब15 लाख रुपये की संभावित देनदारीके विरुद्ध 10.90 लाख रुपये जमा कराए गए।

कोटा के गुलाब ट्रेडर्स के यहां बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के टैक्स इनवॉइस जारी किए जाने की प्रथम दृष्टया जानकारी सामने आई। यहां करीब40 लाख रुपये की संभावित कर देनदारीसामने आई है। इस मामले में अभी कोई स्वैच्छिक राशि जमा नहीं हुई है।विभाग के अनुसार सभी मामलों में दस्तावेज, स्टॉक, खरीद-बिक्री और आईटीसी की विस्तृत जांच जारी है। जांच के बाद वास्तविक कर देनदारी निर्धारित करसीजीएसटी/आरजीएसटी एक्टके तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धाकड़ समाज ने भूमि आवंटन के लिए जुटाए 21 लाख

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में रविवार को धाकड़ समाज सेवा समिति, जयपुर की ओर से सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज की एकजुटता के साथ शिक्षा और सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु, पदाधिकारी, युवा एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

समारोह में शैक्षिणक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वहीं समाज की विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को गैस चूल्हे प्रदान कर सहयोग किया गया।

समिति के मंत्री बच्चू सिंह धाकड़ ने पिछले चार वर्षों में किए गए सामाजिक कार्यों एवं गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

'तुलसीदास जी का सर्वजन हिताय का दर्शन हमारी सांस्कृतिक विरासत का आधार'

जयगढ़ दुर्ग में विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ।

जयपुर। "गोस्वामी तुलसीदास न केवल एक महान कवि थे, बल्कि एक दूरदर्शी समाज-सुधारक भी थे, जिनके साहित्य ने लोकरंजन (लोक-कल्याण) और सर्वजन हिताय (सभी के हित) की उदात्त भावना से समाज को एकजुट किया।" यह बात इंटैक करौली अध्याय के सह संयोजक और वरिष्ठ साहित्यकार 'राव' शिवराज पाल सिंह ने 900 वर्ष पुराने ऐतिहासिक जयगढ़ दुर्ग के प्रांगण के आराम महल में आयोजित एक विशेष व्याख्यान के दौरान कही।

विद्वानों, इतिहासकारों और सांस्कृतिक अनुरागियों की उपस्थिति में मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए 'राव' शिवराज पाल सिंह ने भारत की मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में तुलसीदास जी के अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी ने अवधी बोली में रामचरितमानस की रचना कर शास्त्रीय ज्ञान को जन जन तक पहुँचाया और साहित्य को सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम बनाया।

उन्होंने आगे कहा, "तुलसीदास जी का चिंतन और दर्शन कालजयी है। कर्तव्य, नीति और सर्वजन हिताय पर आधारित उनकी रचनाओं ने विषम ऐतिहासिक परिस्थितियों में भी देश के नैतिक और सामाजिक ताने बाने को सुरक्षित रखा, जो आज भी हमारी जीवंत सांस्कृतिक विरासत का संबल है।

ढ़ाबे के किचन में मिली गंभीर अनियमितताएं

- **फफूंद लगी सब्जियां, प्रतिबंधित खाद्य रंग और गंदगी मिली**
- **लाइसेंस व मेडिकल फिटनेस समेत जरूरी दस्तावेज भी नहीं दिखा सके संचालक**

जयपुर। प्रदेश में चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत जयपुर द्वितीय की खाद्य सुरक्षा टीम ने शुक्रवार को एसकेआईटी कॉलेज के पास स्थित शेखावाटी ढाबा के किचन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किचन में खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं मिलीं। टीम को फफूंद लगी और सड़ी-गली कच्ची सब्जियों से ग्रेवी व सब्जी तैयार करते हुए पाया गया।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान किचन खुला और गंदगीयुक्त मिला। यहां प्रतिबंधित खाद्य रंग भी पाया गया। खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले कर्मचारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निर्धारित मानकों के अनुसार हेड कैप, एप्रिन और ग्लव्ज नहीं पहन रखे थे। किचन में प्लास्टिक और एल्यूमिनियम के बर्तनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा था।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद फर्म मालिक नरेंद्र सिंह राठौड़ से खाद्य निर्माण में इस्तेमाल होने वाले पानी की जांच रिपोर्ट, फूड हैंडलर्स की मेडिकल फिटनेस रिपोर्ट, उनके प्रशिक्षण संबंधी दस्तावेज और एफएसएसएआई लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया। संचालक ये दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं करा सके।

रीको ने भूखण्डों के लीज नवीनीकरण नियमों में संशोधन किया

जयपुर। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा जयपुर, भिवाड़ी, दौसा, कोटा, बीकानेर, राजसमंद एवं उदयपुर में अविकसित एवं अर्द्ध-विकसित भूखण्डों का ई-ऑक्शन के माध्यम से आवंटन किया जा रहा है। इसके लिए 25 सितंबर, 2026 तक ईएमडी जमा करवाकर ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। ये भूखण्ड विभिन्न श्रेणियों के उपयोग हेतु आवंटित किए जाएंगे।

भिवाड़ी के राबड़का, बीकानेर के जोड़बीड़, दौसा के जयरामपुरा एवं इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक हब दौसा-बांदीकुई, जयपुर के दौलतपुरा, कोटा के कसार, राजसमंद के तनाजा का बांसा तथा उदयपुर के माल की टूस एवं पीपाड़ में स्थित भूखण्डों का आवंटन किया जाएगा।

इन भूखण्डों के लिए 28 से 30 सितंबर, 2026 तक ऑनलाइन बिड आयोजित की जाएगी।रीको की अविकसित एवं अर्द्ध-विकसित भूखण्डों के आवंटन संबंधी नीति में प्रारंभिक 33 वर्ष की लीज अवधि के पश्चात आगे 33-33 वर्ष की दो अवधियों तक नवीनीकरण का प्रावधान है। हालांकि, नवीनीकरण अवधि के लिए देय शुल्क/प्रीमियम को लेकर नीति में स्पष्ट प्रावधान नहीं था। इसी को दूर करने के उद्देश्य से रीको द्वारा नियम 3(एके) में आंशिक संशोधन किया गया है।

संशोधन के अनुसार, प्रारंभिक 33 वर्ष की लीज अवधि पूर्ण होने के बाद पहली एवं दूसरी, दोनों 33 वर्षीय नवीनीकरण अवधियों के लिए संबंधित औद्योगिक क्षेत्र की नवीनीकरण के समय प्रचलित आवंटन दर पर 10 प्रतिशत भूमि प्रीमियम देय होगा।

एसओजी ने एसआई पुनः परीक्षा में 3 वांछित अपराधी गिरफ्तार किये

- **50 संदिग्ध अभ्यर्थी चिन्हित, 1200 संदिग्धों व डिबार अभ्यर्थियों से पूछताछ**
- **दोनों पारियों में करीब 69 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, टोंक में सर्वाधिक उपस्थिति**

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजितसब इंस्पेक्टर संयुक्त प्रतियोगी पुनः परीक्षा-2021रविवार को प्रदेश के 11 जिलों के666 परीक्षा केंद्रोंपर सुरक्षित एवं व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान राजस्थान पुलिस की ओर से कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात और परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए।

एडीजी एसओजीविशाल बंसलने बताया कि परीक्षा के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी गई। संदिग्ध फोटो, समान नाम अथवा डबल फॉर्म जैसी विसंगतियों वाले 50 अभ्यर्थियों को चिन्हित कर उनका सत्यापन कराया जा रहा है। वहीं परीक्षा देने पहुंचेतीन वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

पेपर लीक की किसी भी संभावना को रोकने के उद्देश्य से एसओजी ने करीब1,200 संदिग्ध व्यक्तियों एवं आरपीएससी से डिबार अभ्यर्थियों को संबंधित थानों पर बुलाकर पूछताछकी। परीक्षा केंद्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में भी विशेष निगरानी रखी गई।

पहली पारी में कुल 2,18,114 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से1,51,774 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 66,340 अनुपस्थित रहे। पहली पारी में कुल 69.58 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। पहली पारी मेंटोंक में सर्वाधिक 77.73 प्रतिशत उपस्थिति रही। हनुमानगढ़ में 74.35, श्रीगंगानगर में 73.42, भरतपुर में 73.39, अलवर में 72.31, जोधपुर में 71.85, कोटा में 71.44, बीकानेर में 69.69, अजमेर में 67.43, जयपुर में 66.90 और उदयपुर में 66.46 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। दूसरी पारी में भी 2,18,114 अभ्यर्थियों में से1,50,559 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 67,555 अनुपस्थित रहे। दूसरी पारी में कुल 69.03 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। टोंक में फिर सबसे अधिक 76.96 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।

दूसरी पारी में हनुमानगढ़ में 73.83, श्रीगंगानगर में 73.06, भरतपुर में 72.83, अलवर में 71.61, जोधपुर में 71.29, कोटा में 70.90, बीकानेर में 69.12, अजमेर में 66.96, जयपुर में 66.29 और उदयपुर में 66.06 प्रतिशत उपस्थिति रही। एडीजी लॉ एंड ऑर्डरवीके सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकास, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए थे। पुलिस एवं प्रशासन की ओर से परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती गई।

डीजीपीराजीव कुमार शर्माने परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुलिस की वर्दी गौरव के साथ कर्तव्य, अनुशासन, ईमानदारी और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने अभ्यर्थियों से ऐसा पुलिसकर्मी बनने का आ ान किया, जिस पर आमजन संकट की घड़ी में भरोसा कर सके।

सार-समाचार

'जश्न वेडिंग एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन' का समापन

जयपुर। पन्ना मीना कुंड, हवा महल के झरोखे, जंतर-मंतर जैसे राजस्थानी धरोहरों को मेन्स एसेसरीज़ में सजाया। वहीं राजस्थानी महिलाओं के लोकप्रिय बोर के चूड़ों पर सोने-चांदी की नक़्क़ाशियां देखने को मिली। कुछ इसी अंदाज़ में जश्न वेडिंग एंड लाइफस्टाइल एग्ज़िबिशन राजस्थान के प्रति समर्पित रहा। 19-20 सितंबर को आयोजित हुई इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का रविवार को समापन हुआ। इस दौरान कार्यक्रम की आयोजक जश्न से हर्षिका राणावत और चिरिया से कल्पना राणावत की कोशिश रही कि वे राजस्थान के विभिन्न रंगों को एक ही छत के नीचे शोकेस कर सके। प्रदर्शनी में असली सोने-चांदी के तारों से सजी पौशाके और साड़ियां, असली चांदी के महिम काम से सजे लकड़ी की कारीगरी, जोधपुर की प्रसिद्ध मोजड़ियां व असली कुंदन मीना चांदी सोने जड़ाऊ से सजे आभूषण लोगों को काफ़ी अलग और ख़ास लगे। इसी के साथ राजपूती शान चांदी की मयानों में सजी कटारे और तलवारे, राजस्थान के सुप्रसिद्ध हैंडलूम, राजपूती चूड़े, बन्ना की शादी कि मेवाड़ी पाग और सोने के काम से बनी तुराकी लंगी जैसे नायाब हस्तनिर्मित कलाकृति देखने को मिली। विभिन्न अंचलों की कम चर्चित और विलुप्त होती कला, शिल्प एवं परंपराओं को सामने लाने का विशेष प्रयास किया गया है। साथ ही राजस्थानी दूल्हा-दुल्हन की पारंपरिक वेशभूषा, विवाह की सदियों पुरानी रस्में, उत्सव और लोक कार्यक्रम परंपराओं की झलक देखने को मिली। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से कारीगर, डिज़ाइनर और आर्टिस्ट्स एक ही छत के नीचे संस्कृति, शिल्प और वैवाहिक परंपराओं का एक विशेष संगम प्रस्तुत करते दिखे।

रमेश चन्द्र वशिष्ठ शिक्षक गौरव अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली/जयपुर । जयपुर निवासी एवं राजस्थान संस्कृत शिक्षा के पूर्व उप निरीक्षक, शिक्षाविद व लेखकरमेश चन्द्र वशिष्ठको संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर परशिक्षक गौरव अवार्ड-2026से सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से नई दिल्ली में आयोजित शिक्षक दिवस एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती समापन समारोह में वशिष्ठ को अभिनंदन पत्र, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच के अनुसार, चयन समिति ने भारत सहित विभिन्न देशों के51 विशिष्ट शिक्षकों एवं प्रतिभाओंको शिक्षक गौरव सम्मान प्रदान किया। समारोह में न्यायमूर्ति जे.के. राका, पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. इशरत मसरूर कुदुसी, राज्यसभा सांसद अनन्त महाराज नागेन्द्रराय, वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेहरू नगर अग्रवाल समाज की सामूहिक गोठ

जयपुर। अग्रवाल समाज सेवा समिति, नेहरू नगर की ओर से शनिवार को आरपीए रोड स्थित जन उपयोगी भवन, शास्त्री नगर में सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। लहरिया-बंधेज थीम पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं एवं समाज के सदस्यों ने पारंपरिक परिधानों में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद कृष्ण लीला की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। समाजबंधुओं ने सामूहिक रूप से प्रसादी ग्रहण की। समिति अध्यक्ष बजरंग अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य समाजबंधुओं को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद और भाईचारे को मजबूत करना है। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा के तहत दुर्गापुरा गौशाला में गौसेवा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़ा के तहत रविवार को भारतीय जनता पार्टी रिद्धि सिद्धि मण्डल, जयपुर शहर की ओर से दुर्गापुरा गौशाला में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने गौमाता को चारा एवं गुड़ खिलाकर सेवा की।कार्यक्रम में मण्डल उपाध्यक्षकुलदीप शर्मा, मंत्रीके.डी. सिंघल, मधु तिवाड़ी, प्रवक्तामनोज गोतोड़,असित द्विवेदी, पूर्व पार्षद एवं चेयरमैनगणेश मीणा,छीतरमल वर्मा, महामंत्रा छोटू राम कुमावत एवं महेंद्र बागड़ी सहित मण्डल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सारस्वत समाज का वार्षिकोत्सव और गोठ का आयोजन

जयपुर। सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर की और से रविवार को राजधानी के विद्याधर नगर स्थित पापड़ वाले हनुमान मंदिर में 15 वां वार्षिकोत्सव और समाज बंधुओं की गोठ का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा, महामंत्री सुरेश सारस्वत महिला मंडल की अध्यक्षा कुलदीप शर्मा,समाज के वरिष्ठजनों एवं आयोजन टीम द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुआ । गरिमामय आयोजन में शैक्षिणक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र,छात्राओं के साथ ही नव चयनित एवं पदोन्नत कर्मचारियों और समाज के दानवीरों को भी सम्मानित किया गया।

A Toast to Chai and Togetherness

National Chai Day, observed on September 21 annually, is a celebration of one of the world's most beloved beverages, chai. Known for its comforting aroma and blend of spices like cardamom, ginger, cinnamon, and cloves, chai is more than just a drink; it's a cultural experience that brings people together. In India, a steaming cup of chai is part of everyday life, whether shared with family, friends, or colleagues at roadside stalls and homes alike. The day encourages tea lovers everywhere to savor this timeless brew, appreciate its heritage, and enjoy the warmth and connection it inspires across communities.

#LAKSHMI

The Origin and Meaning of "Dhandha Paani"

From this perspective, "Dhandha" is sometimes interpreted in a philosophical sense as anything that generates or brings wealth or sustains livelihood...

In Indian cultural and linguistic traditions, many words evolve through a mix of Sanskrit roots, regional usage, and folk interpretation. One such phrase often discussed in symbolic or devotional contexts is "Dhandha Paani," especially in relation to Goddess Lakshmi, the Hindu goddess of wealth, prosperity, and fortune.

The Meaning of "Dhandha"

The word "Dhandha" is commonly linked to livelihood or occupation in modern Indian languages like Hindi. However, its deeper linguistic roots are often traced back to Sanskrit influence.

In Sanskrit-derived interpretation:

- "Dhan" refers to wealth or material prosperity.
- "Da" is associated with giving or bestowing.

From this perspective, "Dhandha" is sometimes interpreted in a philosophical sense as anything that generates or brings wealth or sustains livelihood. In everyday usage, however, it simply means business or occupation.

The Word "Paani" and Common Misunderstanding

The term "Paani" in Hindi normally means water. However, in this context, "Dhandha Paani" is not related to water at all. Instead, it is believed to be a misinterpretation or phonetic evolution of the word "paani" as "hand" in symbolic or colloquial explanation traditions. In proper iconographic interpretation, it refers to the hand of the goddess, not water. Thus, "Dhandha Paani" is often understood symbolically as: The hand that gives or governs livelihood and prosperity.

Iconography of Goddess Lakshmi

In Hindu iconography, Goddess Lakshmi is usually depicted seated or standing on a lotus flower, symbolizing purity and spiritual wealth.

One of her hands is often shown in the Abhaya Mudra, a gesture meaning protection, fearlessness, and blessing. From another hand, gold coins or wealth are shown flowing outward, symbolizing continuous prosperity and generosity.

This imagery represents the idea that wealth is not static but flows through divine grace.

Interpretation of "Dhandha Paani"

In devotional or symbolic explanations, the hand of Goddess Lakshmi that bestows blessings and wealth is sometimes referred to as "Dhandha Paani." It represents:

- The source of livelihood
- The flow of prosperity
- The divine power that supports human occupation and survival

In this sense, the phrase connects spiritual symbolism with everyday life and work.

Cultural Usage and Meaning of Livelihood

This symbolism is also reflected in everyday Indian language. When people ask, "How is your dhandha?," they are essentially asking: How is your livelihood or means of earning?

It reflects the deep cultural association between divine blessing and human work, where prosperity is seen as both effort and grace.

Conclusion

The phrase "Dhandha Paani," though not a classical Sanskrit term, represents a blend of linguistic evolution and devotional symbolism. Connected to the imagery of Goddess Lakshmi, it reflects the idea that livelihood and prosperity are sustained by both human effort and divine blessing.

Through her symbolic hand giving wealth, Lakshmi embodies the continuous flow of fortune, which in cultural interpretation is sometimes poetically referred to as "Dhandha Paani."

On 25th May, we received the code-word to commence offensive operations from the next day. But there was a caveat. Under no circumstance was the aircraft to go across the LOC. Given that the known intruded area was about 140 km along the LOC with depths varying between 1 to 8 km, the constraint of not crossing the LOC posed considerable problems, the most severe being the restrictions on attack profiles of fighter aircraft. A fighter aircraft must sight the target, get into a dive to achieve weapon release parameters, release the weapons and pullout of the dive while maintaining visual contact with other mission members.

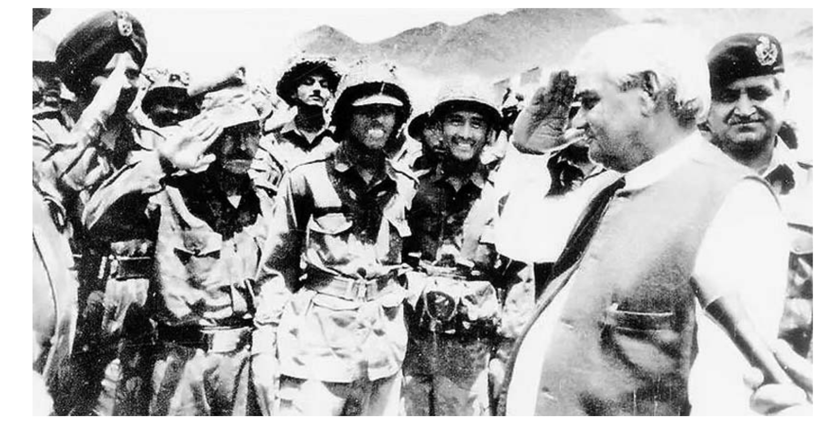

Briefing the RM.

AIRBORNE OVER KARGIL

#INDIA-PAK

Air Mshl Narayan Menon (Retd)
PVSM, UYSM, AVSM

On 08 May 99 at around 1500 h, I was on my way from HQ AOC J&K at AF Station Udhampur to HQ Northern Command at the request of the Chief of Staff (COS). Sitting beside me was the CO of a Mi-17 Sqn based at Udhampur. He had flown fighters earlier but had converted to helicopters on medical advice. He was coming along as the COS had 'something' to discuss on employment of helicopters.

Unlike other Army Command HQs where the IAF has established 'Advance HQ' of the concerned Air Command, HQ AOC J&K was different. Apart from being the representative of the AOC-in-C WAC at HQ NC, AOC J&K also had operational control over six air bases (Srinagar, Awantipur, Udhampur, Jammu, Leh and Thoise) and other IAF units north of Pathankot. The IAF's air logistics network covering the Indian Army and PMFs deployed in the J&K valley and Kargil/Siachen sectors was also controlled and coordinated by HQ AOC J&K in liaison with HQ WAC.

In the COS's presence, we were briefed about 'a few intruders' who had come across the Line of Control (LOC) and occupied some points vacated by our Army during the winter. These intruders were interfering with the vital Srinagar-Leh road and interdicting the supply lines. There was a need to airlift troops, ammunition and other essential supplies to augment the forces at Kargil. It was also briefed that the army had lost two long range patrols in the previous few days. There was urgency to build up force levels and evict the intruders. A request was also made for Mi-25/35 gunships to attack the points occupied by the intruders. This request was made with increased urgency on 10 May also. It was explained that these gunships had not till then crossed the Zoji La Pass due to their weight/altitude restrictions. (Well after the Kargil Ops, the IAF successfully flew a stripped down Mi-35 across the Zoji La Pass during winter, when temperature and air density conditions are favourable, and carried out firing practice.)

The additional Mi-17s required were immediately ordered to Thoise for the emergent tasks. On 11 May, the Army asked for armed Mi-17 helicopters to attack the occupied points. The extent of intrusions or the numbers involved from across the LOC continued to be a mystery. Employment of armed aircraft/helicopters within 10 km on either side of the IB/LOC is prohibited as per an air agreement signed between India and Pakistan in 1991. I transmitted Army's request upwards as it was outside my jurisdiction to say Yes or No.

Much has been written about the period between 12 May and the day that IAF went into action. Some have claimed that this alleged delay enabled Pakistani forces to expand and reinforce the occupied territory. This, to my mind, is a pure conjecture as news of the extent of intrusions was trickling in each day and the Army, till then, had only a hazy picture of what was going on. And anyone familiar with the topography of the region would be aware that movement on foot along those rugged inhospitable mountainous terrains, carrying war-making equipment, would have been a slow and torturous process.

To have created the 'sangars,' stone and earth structures of the type from where our forces were fired at, in such a short time would have required resources far greater than what the enemy possessed. In all probability, the occupation was carried out immediately after our Army had vacated the points the previous winter, giving the intruders enough time to build strong defences and get acclimatized. The vacated posts are supposed to be regularly patrolled on foot as well as observed from the air. The task of observation from the air is with the Reconnaissance and Observation (R&O) Flights of the Army's aviation wing equipped with Cheetah helicopters based at vantage places in the J&K. That both the ground and air elements could not detect the presence of the intrusions is something that the Army has to ponder over. The IAF, apart from air logistics and casualty evacuation, has the added responsibility of providing special winter reconnaissance missions when requested by the Army. In the run up to Kargil, such requests were not made.

The two major IAF bases in the Kashmir valley can support full-scale fighter operations and all bases support helicopters. I was ordered to 'activate' all the bases in the J&K and prepare them for operations. Additional Mig-21, Mig-27 and Mig-29 aircraft moved into Srinagar and Awantipur bases. Pilots began refreshing their high-altitude weapon delivery skills on both fighters and helicopters. To protect the airbases in case of enemy air strikes, Pechora Sqns equipped with medium range surface-to-air (SAM) missiles were deployed as were the quick reaction missiles (QRMs) in the OSA_AK combat vehicles. Shoulder fired IGLA-1M missiles and the mobile observation units moved into positions and radar vigilance was stepped up. Combat aircraft were armed and moved into hardened shelters. We had a problem of providing some protection to Mi-17 gunships in the open and the only option, apart from dispersing them, was to build sandbag walls in a semi-circular shape around them. This proved to be a slow and unwieldy task and the end result was less than satisfactory.

Along with 4 of my staff, I had relocated to Srinagar airbase, to be able to liaise directly with the Corps HQ there. With the Army Command HQ in Udhampur, the two Corps HQs in Srinagar and Jammu, the Divisional HQs in Leh and Kargil, I was almost continuously on the move during these operations so as to keep abreast of the events.

On 21st May, a Canberra aircraft on a photo reconnaissance mission lost its starboard engine and carried out a safe precautionary landing on Srinagar runway. Inspection revealed large scale damage to the engine caused either due to a hit by an anti-aircraft gun or by a missile. The Chief of Air Staff, who was visiting Srinagar, was convinced that it was a shoulder-fired SAM that had targeted the Canberra, and as later events revealed, his analysis was correct. By now, there were nearly 60 combat aircraft in the valley. Mig-21, Mig-27 and Mig-29 Sqns were at full war alert and eager to go into action. Mi-17, Cheetah and Chetak helicopter units were also chafing at their bits to get a move on. The Mi-17 and Cheetah helicopters also continued to carry out their air logistics missions as did the IL-76 and AN-32 aircraft operating out of Chandigarh to Leh and Thoise airfields. While a lot of focus generally attaches to fighter operations, the helicopter and transport aircrew are carrying out, what I believe is a magnificent job in delivering essential supplies to remote areas manned by our Army and PMFs. They operate their flying machines to the limits of the performance envelope while they drive their bodies to the extremes of human endurance.

On 25th May, we received the code-word to commence offensive operations from the next day. But there was a caveat. Under no circumstance was the aircraft to go across the LOC. Given that the known intruded area was about 140 km along the LOC with depths varying between 1 to 8 km, the constraint of not crossing the LOC posed considerable problems, the most severe being the restrictions on attack profiles of fighter aircraft. A fighter aircraft must sight the target, get into a dive to achieve weapon release parameters, release the weapons and pullout of the dive while maintaining visual contact with other mission members. Restricting attack direction, as this caveat of not crossing the LOC imposed would lead to suboptimal weapon delivery and our difficulties would be compounded by the irregular alignment of the LOC. Many of our mission plans had to be revised in consultation with Army representatives who provided target coordinates and exact location of our own troops in the targets' vicinity. On 26th May, strike missions commenced their attacks on designated targets. The fighter aircraft attacked a particular target and were immediately followed by the Mi-17 helicopter gunships. The targets were gun emplacements, enemy supply lines, firm bases and launch pads having igloo type or normal tents and 'sangars.' These 'sangars' proved to be very strong, and as we learnt later, almost immune to the impact of rockets or front gun ammunition delivered with pin-point accuracy, both by fighters and by helicopters. These target systems were not the conventional ones that air forces are trained to engage. There were no mobile forces, no armoured columns, bridges/dams or industrial targets. The biggest target engaged during this operation was a supply camp at Muntho Dhalo. This target system, in a normal all-out war, would have been among the smallest targets considered to be neutralised from air. Enemy radio intercepts on 26th May evening revealed that the Pakistani forces were quite unsettled by the air attacks and had suffered casualties and material losses during the strike missions.

On May 27th, two Mig-27 aircraft armed with rockets attacked a target just two kilometers south of the LOC. The No 2's aircraft flamed out immediately after weapon release and the pilot had to eject prior to his aircraft impacting with a mountain side. During parachute descent, he drifted across the LOC, was taken as POW by the Pakistani forces and was returned to India on 03 June 99. The leader of a Mig-21 mission, on hearing of the ejection on his radio set, decided to carry out an airborne search for the Mig-27. While orbiting, his aircraft was engaged and struck by a shoulder-fired missile of the 'Stinger' class or its Chinese equivalent. The pilot ejected, but after two days, the Pakistanis handed over his body, bearing injury marks, to Indian Army personnel at a pre-arranged point.

On 28th May, a Mi-17 mission of four helicopters attacked a target from where our Army units were being engaged. During the attack, a large number of SAMs were fired at the mission as reported by the aircrew and confirmed later by the gun cameras. The No 3 in the mission was turning away after the attack when a missile hit its engine and the helicopter went down with the loss of all the four aircrew. It became clear that the Pakistani forces had a much larger number of these shoulder-fired heat seeking missiles than we had estimated. It had also been thought by many including me that there would be a reduction in the performance of these missiles when fired from the heights of 3 km and above. This turned out to be wrong as the performance envelope of the missile expands because of the increased temperature differential between the missile seeker head and the jet exhaust of aircraft. The numbers of missiles available with the enemy and their improved performance posed greater threat to our aircraft than envisaged earlier and a change in strategy was obviously necessary. Another aspect was that the counter measure dispensing system (CMDS) fitted on the helicopters, that ejected flare cartridges to lure away heat seeking missiles, had been rendered unreliable due to disuse and these slower gunships had become vulnerable. A decision was taken to suspend air operations temporarily. Subsequent brainstorming sessions threw up many options with a young Flight Lieutenant coming up with the idea of using the 'Global Positioning System' as an aid to carry out high level bombing. The aircraft were to fly at 9 km height, out of range of the missiles, and release the bombs at a predetermined GPS indicated point arrived at after having calculated for the forward trajectory of the bomb and wind pattern. It was indeed an innovative suggestion and trials were carried out on 29th May. On 30th May, fighters carried out the first of these high altitude release (HAR) missions. Initially, the effectiveness of HAR missions was low but within three to four sorties, our pilots had gained confidence and accuracy of weapon delivery improved considerably as evident from Army Intelligence reports and enemy radio intercepts. Performance limitations precluded helicopters from being utilised in these types of missions. HAR missions could be flown over clouds and at night. Under such conditions, weapon delivery could be from lower altitudes as the threat from SAMs was nearly eliminated. Lower altitude attacks improved accuracy. From 04 June onwards, night HAR missions were mounted.

The intruded areas now stretched from Mushkoh Valley to Muntho Dhalo and Jubar. The enemy soldiers received support from across the LOC from places like Gultari, Olthingthang and Skardu. On 06 June, Mirage-2000 aircraft and Jaguars operating out of Adampur were inducted into the operations. Armed with precision guided munitions (PGMs), these aircraft had a very high rate of success against targets that included enemy positions at Muntho Dhalo, Tiger Hill and Tololing.

All our strike missions were escorted by Mig-29, Mig-21Bis or Mirage-2000 aircraft. This had to be done as there was no radar cover for our strike aircraft in the areas they were operating in. The Mig-29s flew the escort mission in a manner that enabled them to 'look' through the strike aircraft to the airspace beyond, and on a few occasions, picked up airborne radar activity across the LOC. Our attempts to airlift and establish a ground radar west of Leh met with success only towards the end of operations. By the third week of June, our Army had started making considerable progress in recapturing the intruded areas. The fact that on most occasions, recapture had been preceded by air strikes was testimony to the skill of our pilots and effectiveness of air power even under severe constraints. On 12th July, it was decided to call off the use of air power in offensive role but 'war alert' was maintained till 28th July 99.

The fighter aircraft in the valley flew more than 2000 sorties including 250 by night. Mirages and Jaguars flew 150 sorties. Helicopters flew 23 strike sorties and 2100 sorties for other tasks. Our aircraft targeted enemy positions with approximately 330 tonnes of bombs, 4000 rockets and many thousands of gun ammunition. IAF's tasks comprised missions involving strike, interdiction, air defence escorts, ELINT, reconnaissance, casualty evacuation and air logistics. For the first time after 1971, IAF personnel were exposed to a war environment and the experience would be beneficial to all those involved.

The victory in Kargil operations resulted from excellent jointmanship, and without doubt, from the sacrifices of the Indian Military, the courage and determination of the young officers and soldiers of the very professional Indian Army and the exceptional marksmanship and intervention of the Air Warriors of the Indian Air force.

This is an article written many years ago. It is a brief on IAF operations. The serial 'Op Safed Sagar' was initially envisaged as one about 17 Sqn and it was titled 'The Golden Arrows.' Later, it was changed to its present form. The people involved in creating the serial had interviewed me. That I do not figure in the serial is a decision by the writers and others and I have nothing to comment. The serial does show IAF in a very positive way and I am certain that it will draw more youngsters into its folds.

rajeshsharma1049@gmail.com

Brig Lakhwinder Singh (Cdr Arty Bde), ACM Tlpnis, Gen VP Mallik, Lt Gen Kishan Pal, Maj Gen Mohinder Puri, AVM N Menon, Brig MC Bhandari (DDG MO).

Receiving PM Vajpayee at Udhampur, accompanied him to Kargil.

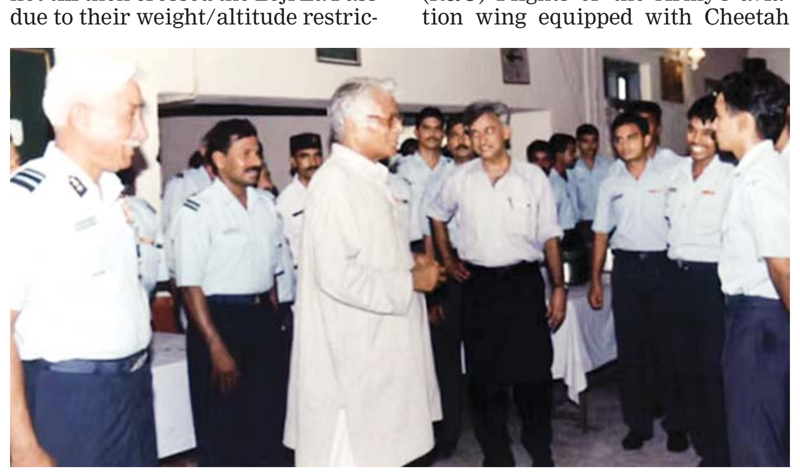

RM Interacting with Air Warriors.

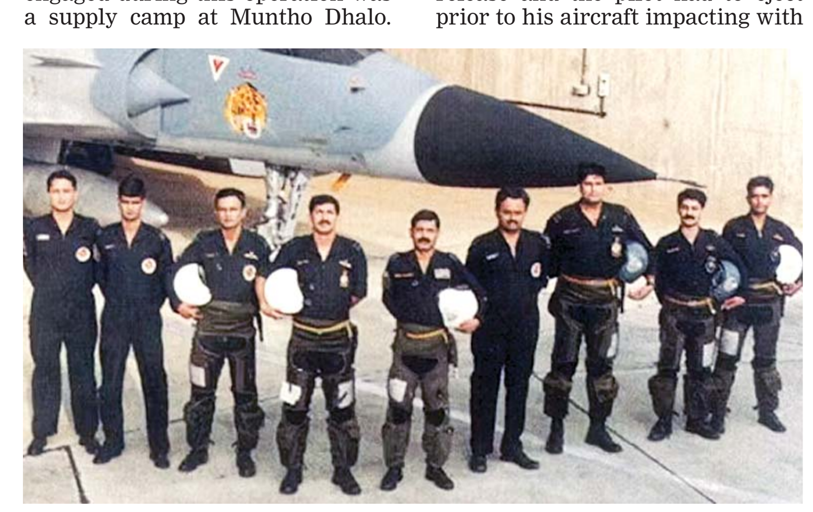

Intro to Officers on Line up.

THE WALL

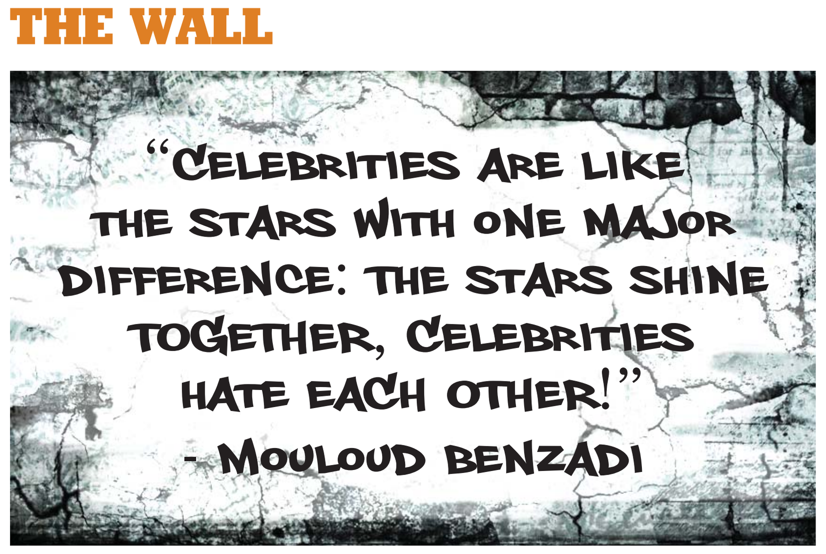

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

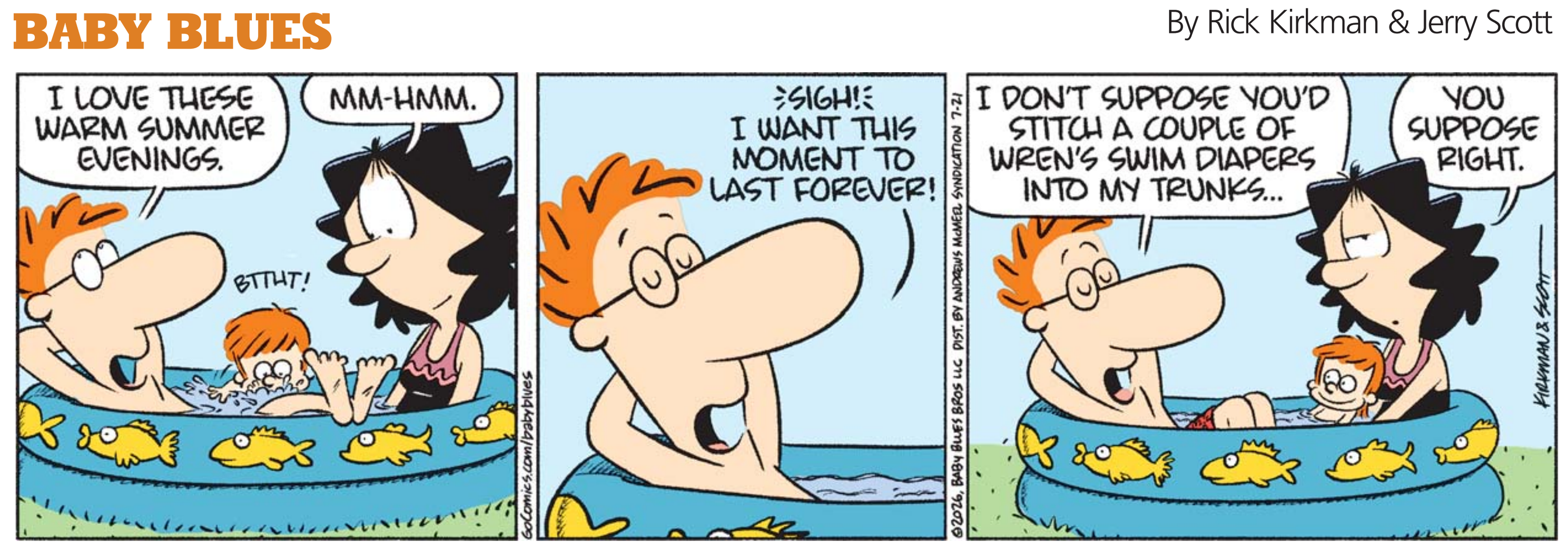

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

जोधपुर में लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग के दो इनामी शूटर गिरफ्तार

फाजिल्का-अबोहर में हत्या करने के बाद नेपाल भाग गये थे

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग के दो इनामी शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर पंजाब पुलिस ने 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी फाजिल्का और अबोहर में हत्या की वारदातों के बाद करीब डेढ़ वर्ष से फरार थे और नेपाल चले गए थे। नेपाल से लौटकर मध्यप्रदेश के रास्ते राजस्थान पहुंचे दोनों बदमाश जोधपुर में किसी बड़े व्यापारी को धमकाकर करोड़ों रुपए की रंगदारी मांगने की फिराक में थे। एडीजी एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन के निर्देशन तथा जोधपुर पुलिस कमिश्नर अंशुमन भोमिया, डीआईजी योगेश यादव और एएसपी सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में कार्रवाई हुई। ऑपरेशन का नेतृत्व डीएसपी रविंद्र प्रताप, पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़ और राम सिंह ने किया। एडीजी एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि एजीटीएफ को दोनों के सिरोही में होने और वहां से जोधपुर की ओर बढ़ने का इनपुट मिला था। निगरानी के बाद जोधपुर के कैलाश नगर स्थित होटल सनसिटी इन के कमरा नंबर 204 में छापा मारा गया। वहां ठहरे दोनों युवकों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए अपनी पहचान नवीन जाखड़ और आशू चाबड़ा बताई, लेकिन पूछताछ में उनकी असली पहचान सामने आ गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जसकरण सिंह उर्फ करण उर्फ सन्नी उर्फ कट्टा (23), निवासी हरसिंह रायनगर, फाजिल्का और राजिंदर सिंह उर्फ बिल्ला (23), निवासी बलुआना, थाना सदर अबोहर, फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई। 83 ग्राम अफीम का दूध, रिवॉल्वर और नकदी बरामद जसकरण के बैग से 58 ग्राम और राजिंदर के बैग से 25 ग्राम, कुल 83 ग्राम अफीम का दूध बरामद हुआ। राजिंदर के पास से चालू हालत की अवैध रिवॉल्वर मिली। दोनों के कब्जे से कुल 88,100 रुपए नकद, कूटरचित आधार कार्ड, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य संदिग्ध दस्तावेज भी जब्त किए गए।हत्या समेत 12 गंभीर मामले दर्ज पुलिस के अनुसार दोनों पंजाब में हत्या समेत कई गंभीर मामलों में वांछित हैं। राजिंदर के खिलाफ अबोहर, फाजिल्का और संगरूर में वर्ष 2023 से 2025 के बीच आठ मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, मारपीट, धमकी, चोरी/संपत्ति संबंधी अपराध, सामूहिक हिंसा और आर्म्स एक्ट शामिल हैं। वहीं जसकरण के खिलाफ फाजिल्का और अबोहर में चार मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, मारपीट, हथियार से चोट पहुंचाने, बलवा/सामूहिक हिंसा, आपराधिक धमकी, लूट और आर्म्स एक्ट के प्रकरण शामिल हैं। दोनों अबोहर के कपड़ा व्यापारी संजय वर्मा की हत्या और फाजिल्का में साहिल सेन की रंजिशवश हत्या सहित कई मामलों में वांछित बताए गए हैं। पंजाब के अलावा हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश पुलिस को भी इनकी तलाश थी।राजस्थान में वारदात की आशंका पर बढ़ाई थी निगरानी राजस्थान में व्यापारियों को धमकी और रंगदारी की घटनाओं को देखते हुए एजीटीएफ ने लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटरों और राजस्थान से सटे हरियाणा-पंजाब क्षेत्र के बदमाशों पर विशेष निगरानी शुरू की थी। नेपाल में दबाव बढ़ने के बाद दोनों भारत लौटे और मध्यप्रदेश के रास्ते राजस्थान आए। एजीटीएफ ने उनकी संभावित गतिविधियों पर लगातार नजर रखी और जोधपुर पहुंचने की पुष्टि के बाद उन्हें पकड़ लिया।

जोधपुर में व्यापारी से करोड़ों की रंगदारी की फिराक में होटल से दबोचे ।

- पंजाब पुलिस ने घोषित कर रखा था 5-5 लाख का इनाम

रेस्टोरेंट पर चाकूबाजी एवं तोड़फोड़ के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में टेबल बदलने के मामूली विवाद को लेकर जगन्नाथपुरा स्थित एसोडी बार एवं रेस्टोरेंट में कर्मचारी पर चाकू से जानलेवा हमला और तोड़फोड़ करने के दर्ज मामले में कैथून पुलिस टीम, डीएसटी एवं साईबर टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 17 सितम्बर को फरियादी शिवराज ने एमबीएस अस्पताल में कैथून पुलिस को पर्चा बयान दिया कि 16 सितम्बर की रात्रि को दो ग्राहक आये और बीयर ऑर्डर कर बीयर पीने लग गये। कुछ समय बाद और ग्राहक आने पर उनको टेबल बदलने के लिये कहा तो उन लड़कों ने रोककर जान से मारने की नियत से चाकू से हमला कर दिया। उन्होने काउंटर एवं वगैरह पर भी तोड़-फोड़कर नुकसान पंहुचाया और अगले दिन ये ही लोग हाथों में तलवार, डण्डों लेकर वापस आये और रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ की। ग्रामीण एसपी ने कहा कि फरियादी के बयान पर रिपोर्ट दर्ज की गई एवं मामले को गंभीरता से लेते हुए हमलावरों की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक अरुण जैन के सुपरविजन में कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह, डीएसटी प्रभारी सुरेन्द्र राणा एवं सायबर सेल के सहायक उप निरीक्षक हीरालाल सभी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के सदस्यों ने सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर विश्लेषण किया अपराधियों के वाहनों एवं उनके आगे पीछे जाने वाले वाहनों को चिन्हित कर एक एक वाहन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। टीम ने तकनीकी अनुसंधान सीसीटीवी में आये वाहनों के मॉडल की सूची प्राप्त कर उनके सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई एवं मुखबिरों से सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपी को ब्लेक होन्डा सिटी कार से नोर्दन बायपास की तरफ देखे गए है जिनके पुन: वारदात करने की प्रयास में आने की संभावना है।

सालों से फरारी का खेल खत्म, पुलिस ने तीन स्थायी वारंटी दबोचे

- मेहाड़ा में 15 और 12 साल से फरार दो वारंटी गिरफ्तार

खेतड़ी / चिड़ावा । जिले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित अपराधियों और स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे रेंज स्तरीय विशेष अभियान के तहत पुलिस को सफलता मिली है। मेहाड़ा थाना पुलिस ने 15 और 12 साल से फरार चल रहे दो स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया, जबकि चिड़ावा थाना पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में फरार चल रहे 60 वर्षीय स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया। दोनों थाना पुलिस की अलग-अलग कार्रवाई में कुल तीन स्थायी वारंटी पुलिस की गिरफ्त में आए। मेहाड़ा में 15 साल से फरार अनिल और 12 साल से फरार आनंद गिरफ्तार -- मेहाड़ा थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंटों में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार एसीजेएम खेतड़ी न्यायालय के कोर्ट केस नंबर 68028/14 में 15 साल से फरार स्थायी वारंटी अनिल तथा कोर्ट केस नंबर 905/15 में 12 साल से फरार स्थायी वारंटी आनंद को 20 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा खेतड़ी वृत्ताधिकारी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी रामनारायण चोयल पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने दोनों स्थायी वारंटियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में अनिल पुत्र ओमप्रकाश (37), निवासी लाखन माजरा, जिला रोहतक, हरियाणा तथा आनंद पुत्र रघुवीर सिंह (36), निवासी बुटाना खुर्द, थाना बरोदा, जिला सोनीपत, हरियाणा शामिल हैं। वहीं मेहाड़ा पुलिस टीम में थानाधिकारी रामनारायण चोयल, हेड कांस्टेबल भीमकोर और कांस्टेबल अजय कुमार शामिल रहे। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल अजय कुमार का कार्रवाई में विशेष योगदान रहा। इधर, चिड़ावा थाना पुलिस ने भी वांछित स्थायी वारंटी रणसिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय चिड़ावा से जारी स्थायी वारंट बाबूलाल बनाम रणसिंह, कोर्ट केस नंबर 603/25, मूल मुकदमा नंबर 180/18, धारा 138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस) के मामले में रणसिंह फरार चल रहा था। वारंटी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर उसकी तलाश की गई। पुलिस टीम ने तलाश के दौरान 19 सितंबर 2026 को भूरीवास से रणसिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार स्थायी वारंटी रणसिंह पुत्र जगराम (60), निवासी भूरीवास, पुलिस थाना बुहाना, जिला झुंझुनूं है। यह कार्रवाई झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन, चिड़ावा वृत्ताधिकारी गौरव गुर्जर के सुपरविजन तथा थानाधिकारी लक्ष्मी चंद वर्मा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में की गई। चिड़ावा पुलिस टीम में थानाधिकारी लक्ष्मी चंद वर्मा, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार , आसूचना अधिकारी कांस्टेबल अमित सिहाग , कांस्टेबल दिनेश और कांस्टेबल विकास कुमार शामिल रहे। जिले में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस की इन कार्रवाइयों से लंबे समय से फरार स्थायी वारंटियों पर शिकंजा कसता नजर आया।

मेहाड़ा में डेढ़ दशक से फरार अनिल सहित दो वारंटियों की गिरफ्तारी हुई तो चिड़ावा में चेक बाउंस मामले का स्थायी वारंटी रणसिंह पुलिस के हाथ लगा। पुलिस की टीमें पुराने और लंबित वारंटों में वांछित आरोपियों की तलाश में लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

अजमेर में मिलावटी खाद्य सामग्री पर रोक लगाने की मांग

- नकली लहसुन, मिलावटी तेल, दूध, खोया, पनीर और मिठाइयों को लेकर कांठोस प्रवक्ता शैलेश गुप्ता ने उठाए सवाल

अजमेर । खाद्य पदार्थों में मिलावट की शिकायतों के बीच अजमेर में खाद्य सामठाी की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नकली लहसुन, मिलावटी काली मिर्च, खाद्य तेल, दूध, खोया, पनीर और मिठाइयों में मिलावट की शिकायतों का हवाला देते हुए कांठोस प्रवक्ता शैलेश गुप्ता ने बाजारों में नियमित और व्यापक जांच की मांग की है। गुप्ता ने आरोप लगाया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई कई बार त्योहारों के आसपास ही अधिक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मिलावट पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पूरे वर्ष नियमित निगरानी और आकस्मिक निरीक्षण जरूरी है। केवल कुछ प्रतिष्ठानों से नमूने लेकर कार्रवाई करने से मिलावट पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि मिलावट का मामला केवल उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आमजन के स्वास्थ्य से भी जुड़ा विषय है।

इसलिए खाद्य पदार्थों की जांच को औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। शैलेश गुप्ता ने अजमेर शहर और जिले में दूध, पनीर, खोया, घी, खाद्य तेल, मसाले, मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की नियमित एवं आकस्मिक जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिन प्रतिष्ठानों के नमूने जांच में अमानक पाए जाएं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए और कार्रवाई की जानकारी भी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा विभाग को बड़े प्रतिष्ठानों के साथ छोटे दुकानदारों की भी जांच करनी चाहिए और कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष एवं नियमों के अनुसार होनी चाहिए। किसी अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत अथवा लापरवाही की शिकायत सामने आने पर भी जांच कर दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए । गुप्ता ने मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग से अजमेर में विशेष खाद्य सुरक्षा अभियान चलाने, बाजारों से पर्याप्त संख्या में नमूने लेने तथा उनकी समयबद्ध जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मिलावट पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा मिल सके।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को थाने में बैठाने का आरोप

- साहिल और हेमंत की रिहाई की मांग को लेकर अलवर गेट थाने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता

अजमेर । अलवर गेट थाना क्षेत्र के वार्ड 45 के कांठोस कार्यकर्ता साहिल और हेमंत को पुलिस द्वारा थाने लाए जाने के मामले में कांठोस कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कांठोस नेताओं का आरोप है कि दोनों युवकों को करीब 10 से 12 दिन पहले भाजपा के बैनर और पर्दे फाडे जाने की घटना के संबंध में थाने लाया गया है।

मामले की जानकारी मिलने पर पूर्व पार्षद बिना टॉक अलवर गेट थाने पहुंचीं और थाना अधिकारी से बातचीत कर दोनों कार्यकर्ताओं को थाने लाने का आधार पूछा। उन्होंने दोनों को रिहा करने का आठाह किया, लेकिन कांग्रेस नेताओं के अनुसार बातचीत के बावजूद दोनों को थाने से नहीं छोड़ा गया।

इसके बाद शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष विवेक पाराशर, फखरे मोईन, सुनील लारा, प्रवक्ता शैलेश गुप्ता, महासचिव हेमंत जोधा, हरीश जोनवाल और सोनू तंवर सहित बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता थाने पहुंचे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाना अधिकारी से कहा कि यदि साहिल और हेमंत के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज की गई है तो उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाए। वहीं यदि कोई मामला दर्ज नहीं है तो दोनों को तत्काल रिहा किया जाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दोनों युवकों को प्राथमिकी अथवा अन्य कानूनी कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी दिए बिना थाने में बैठाकर रखा गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को कानून के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए और किसी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से थाने में नहीं बैठाया जाना चाहिए।

ब्यावर की मिट्टी से लद्दाख की ऊंचाइयों तक अशोक कोठारी ने बढ़ाया गौरव

ब्यावर (निसं) श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर के आजीवन सदस्य एवं जयपुर निवासी अशोक कुमार कोठारी ने 69 वर्ष की आयु में लेह-लद्दाख की 11,000 फीट से अधिक की दुर्गम ऊंचाई पर 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन निर्धारित समय में पूर्ण कर ब्यावर का गौरव बढ़ाया।ब्यावर में जन्मे श्री कोठारी एस.डी. गवर्नमेंट कॉलेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। वे श्री नृसिंह दल व्यायामशाला के प्रमुख पहलवान भी रहे तथा उन्हें 'ब्यावर भीम' की उपाधि से अलंकृत किया गया। वैकल्पिक चिकित्सा पद्धित के क्षेत्र में भी उनकी विशिष्ट पहचान है। वे एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं तथा इस क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखते हैं। साथ ही वे श्री ओसवाल केबल्स लिमिटेड के निदेशक भी हैं। लेह-लद्दाख की कठिन परिस्थितियों और अत्यधिक ऊंचाई के बीच 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन निर्धारित समय में पूरी करना उनके अनुशासन, निरंतर सक्रियता और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचायक है। उनकी यह उपलब्धि यह संदेश देती है कि जुनून और संकल्प के सामने उम्र कभी बाधा नहीं बनती।श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने श्री अशोक कुमार कोठारी को बधाई देते हुए कहा कि अशोक कुमार कोठारी जी की यह उपलब्धि पूरे ब्यावर और वर्द्धमान शिक्षण समिति परिवार के लिए गर्व का विषय है। 69 वर्ष की आयु में लद्दाख की 11,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन पूर्ण करना उनके अदम्य उत्साह, अनुशासन और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर के पदाधिकारियों एवं समस्त सदस्यों ने अशोक कुमार कोठारी की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अजमेर में महापौर चुनाव आज , 41 के बहुमत आकड़े के लिए दलों के सामने चुनौती

- 80 सदस्यीय सदन में कांठोस के 37, भाजपा के 32 और 11 निर्दलीय; किरण गढ़वाल और अनामिका शर्मा आमने-सामने
- महापौर चुनाव में केवल उम्मीदवारों का मुकाबला ही नहीं, बल्कि दोनों दलों के पार्षदों की एकजुटता और निर्दलीय पार्षदों के रुख पर भी नजर रहेगी।

अजमेर, ।अजमेर नगर निगम में महापौर पद के लिए सोमवार, 21 सितंबर को मतदान होगा। 80 सदस्यीय निगम में बहुमत का आंकडा 41 है। चुनाव परिणाम में कांग्रेस को 37, भाजपा को 32 और निर्दलीय पार्षदों को 11 सीटें मिली हैं। ऐसे में दोनों प्रमुख दल बहुमत के लिए आवश्यक समर्थन जुटाने की कोशिश में हैं।

महापौर पद के लिए कांग्रेस की किरण गढ़वाल और भाजपा की अनामिका शर्मा मैदान में हैं। दोनों उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला है।

कांग्रेस को चार और भाजपा को नौ वोट की जरूरत : सदन के मौजूदा आंकड़ों के अनुसार कांग्रेस के पास 37 पार्षद हैं और बहुमत के लिए उसे चार अतिरिक्त वोटों की आवश्यकता होगी। भाजपा के 32 पार्षद हैं, इसलिए बहुमत तक पहुंचने के लिए उसे नौ अतिरिक्त मत चाहिए होंगे। ऐसे में 11 निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

कांग्रेस ने पांच निर्दलीय पार्षदों के समर्थन का दावा किया है। पार्टी की ओर से 37 कांग्रेस पार्षदों और पांच निर्दलीयों सहित 42 पार्षदों को बेंगलुरु ले जाने की जानकारी भी सामने आई थी। कांठोस नेता धर्मेंद्र राठौड़ ने इसे पार्षदों को कथित दबाव से बचाने की रणनीति बताया था। इन दावों के बीच भाजपा की ओर से भी अपने पार्षदों को एकजुट रखने की कवायद की खबरें सामने आई हैं। नतीजे के साथ सामने आएगा राजनीतिक समीकरण : महापौर चुनाव में केवल उम्मीदवारों का मुकाबला ही नहीं, बल्कि दोनों दलों के पार्षदों की एकजुटता और निर्दलीय पार्षदों के रुख पर भी नजर रहेगी। मतदान के दौरान किसी पार्षद का अलग रुख अपनाना या समर्थन में बदलाव करना पूरे समीकरण को प्रभावित कर सकता है। कांग्रेस के लिए अपने 37 पार्षदों के साथ अतिरिक्त समर्थन बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा, जबकि भाजपा के सामने अपने 32 पार्षदों के अलावा बहुमत के लिए जरूरी नौ मत जुटाने की चुनौती है। 21 सितंबर को होगा फैसला : महापौर चुनाव के लिए मतदान 21 सितंबर को होगा और मतगणना मतदान के बाद ही की जाएगी। इस चुनाव में किरण गढ़वाल और अनामिका शर्मा के बीच मुकाबले के साथ 11 निर्दलीय पार्षदों के रुख पर भी राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों की नजर रहेगी।नतीजा आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि 80 सदस्यीय अजमेर नगर निगम में महापौर पद की जिम्मेदारी किसे मिलती है।

त्वरित कार्रवाई से चार माह का भुगतान तय

ब्यावर (निसं) विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत आयोजित 'संपर्क' कार्यक्रम आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसी क्रम में सूरजपुरा निवासी इन्द्रा देवी ने वीवीजीरामजी योजना के तहत पिछले चार माह से भुगतान नहीं मिलने की समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी।शिकायत सामने आते ही विकास अधिकारी जवाजा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रकरण की जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी करवाई गई। इसके परिणामस्वरूप इन्द्रा देवी को योजना के तहत लंबित चार माह का भुगतान प्राप्त हुआ।भुगतान मिलने से इन्द्रा देवी की समस्या का समाधान हुआ और उन्होंने त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।संपर्क कार्यक्रम ने एक बार फिर साबित किया कि आमजन की शिकायत पर संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचाया जा सकता है।

एसआई-प्लाटून कमांडर पुन: परीक्षा में 69 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी

- 11 जिलों के 666 केंद्रों पर दो पारियों में हुई परीक्षा, 2 लाख 18 हजार 114 अभ्यर्थी थे पंजीकृत
- परीक्षा के सफल आयोजन पर आयोग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने सभी 11 जिलों के जिला कलेक्टर तथा परीक्षा कार्य में लगे पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को उप निरीक्षक (एसआई) एवं प्लाटून कमांडर प्रतियोगी पुन: परीक्षा-2021 का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए कुल2 लाख 18 हजार 114 अभ्यर्थीपंजीकृत थे। परीक्षा प्रदेश के 11 जिलों में बनाए गए 666 केंद्रों पर दो पारियों में आयोजित की गई। परीक्षा की शुचिता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए आयोग प्रशासन की ओर से विशेष निगरानी व्यवस्था की गई। आयोग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह और सचिव आशुतोष गुप्ता ने आयोग मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष से परीक्षा की निगरानी की। उन्होंने सभी संबंधित जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा।पहली पारी सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक हुई, जिसमें सामान्य हिंदी का प्रश्नपत्र आयोजित किया गया। इसमें69.58 प्रतिशतअभ्यर्थी उपस्थित रहे। दूसरी पारी दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक हुई, जिसमें सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान का प्रश्नपत्र हुआ। इस पारी में69.03 प्रतिशतअभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के लिए जयपुर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जोधपुर, कोटा, श्रीगंगानगर, टोंक और उदयपुर में केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और जांच के विशेष इंतजाम किए गए । परीक्षा के सफल आयोजन पर आयोग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने सभी 11 जिलों के जिला कलेक्टर तथा परीक्षा कार्य में लगे पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

साहित्य, सृजन और सम्मान का भव्य उत्सव बना अजमेर लेखिका मंच का समारोह

- 'ज़िंदगी के नाम आख़िरी ख़त' पुस्तक का विमोचन, डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार सहित 32 प्रतिभाओं का सम्मान

अजमेर ।अजमेर लेखिका मंच एवं सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से रविवार को मेरवाड़ा एस्टेट (भागचंद जी की कोठी) में पुस्तक विमोचन, पुरस्कार वितरण एवं डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने की।

मुख्य अतिथि आईएएस टीकम चंद बोहरा 'अनजाना' रहे। विशिष्ट अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कमांड 11वीं दिल्ली प्रीति चौधरी, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिलाषा माथुर तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रोफेसर एन. लक्ष्मी अय्यर उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और डॉ. छाया शर्मा की सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद अंबिका हेड़ा ने अजमेर लेखिका मंच का गान प्रस्तुत किया। अतिथियों का तिलक लगाकर सत्यरूपा तिवारी एवं नीरू राव ने स्वागत किया तथा मंच की ओर से स्मृति-चिह्न भेंट किए गए।

कार्यक्रम का परिचय एवं अतिथियों का परिचय डॉ. मधु खंडेलवाल 'मधुर' ने दिया। वह समारोह की संयोजक भी रहीं और आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं का समन्वय किया।समारोह का प्रमुख आकर्षण अजमेर लेखिका मंच की पुस्तक'ज़िंदगी के नाम आख़िरी ख़त'का विमोचन रहा।

मुख्य अतिथि एवं मंचासीन अतिथियों ने पुस्तक का विमोचन किया। इसमें शामिल विभिन्न विशिष्ट व्यक्तित्वों एवं साहित्यकारों के पत्रों का वाचन भी किया गया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के पत्र का वाचन डॉ. मधु खंडेलवाल ने किया। अंजली भामड़ा, डॉ. शुभंकर मिश्र एवं डॉ. विकास शर्मा के पत्रों का वाचन सोनू सिंघल, काजल खत्री, सुमन शर्मा एवं लता शर्मा ने किया। अतिथियों ने साहित्य, सृजन और महिला लेखन के महत्व पर विचार व्यक्त किए। डॉ. बसंत सिंह सोलंकी, टीकमचंद बोहरा 'अनजाना', प्रीति चौधरी, डॉ. विवेक माथुर एवं प्रोफेसर एन. लक्ष्मी अय्यर ने साहित्य को समाज में संवेदनशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम बताया । समारोह में शिक्षक के नाम पत्र, साहित्यिक परिचर्चा, कविता लेखन, देशभक्ति पर रचनाओं तथा डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार सहित विभिन्न श्रेणियों में कुल 32 पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ. अरुणा माथुर कलम पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार आलिया खान, द्वितीय आकाश माली एवं अक्षर अरोडा, तृतीय हीरांशी जैन एवं निशिता ज्ञानवाणी तथा सांत्वना पुरस्कार मनहा अहमद, हिमांशी प्रियाणी एवं नवाज सिद्दीकी को प्रदान किए गए। 'शिक्षक के नाम पत्र' प्रतियोगिता में डॉ. महिमा श्रीवास्तव प्रथम, डॉ. सुनीता पचौरी द्वितीय तथा डॉ. पुष्पा क्षेत्रपाल एवं देवांशि अरोड़ा तृतीय रहे। सांत्वना पुरस्कार शालिनी अठावाल, योगबाला, डॉ. सुनीता सियाल एवं प्रतिभा शर्मा को मिले। साहित्यिक परिचर्चा में डॉ. अंजू अठावाल प्रथम, वंदना वैदांगी द्वितीय, अनुकृति माथुर तृतीय तथा लता शर्मा 'निहान' को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कविता लेखन में भावना शर्मा प्रथम, संगीता जड़िया द्वितीय, डॉ. सुमन परिहार तृतीय तथा डॉ. रिंकी माथुर को सांत्वना पुरस्कार मिला। देशभक्ति पर रचनाओं में डॉ. छाया शर्मा प्रथम, शुभदा भार्गव द्वितीय तथा मुक्ता शर्मा तृतीय रहीं।

करोड़ों रुपये के हाई ट्रांसमिशन विद्युत तारों की चोरी का खुलासा

वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कॉर्पियो और एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप गाड़ी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया

भीलवाड़ा। जिले की बनेड़ा थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय मामा गैंग का पर्दाफाश करते हुए करोडों रुपये के हाई ट्रांसमिशन विद्युत तारों और उपकरणों की चोरी का खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने गैंग के 7 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया 2080 मीटर लंबा 765 केवी हाई ट्रांसमिशन तार बरामद हुआ है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड रुपये बताई जा रही है। इसके साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कॉर्पियो और एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप गाड़ी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। यह पूरा मामला ब्यावर-मंदसौर 765 केवी हाई ट्रांसमिशन लाइन निर्माण कार्य से जुडा हुआ है।

24 अगस्त 2024 को प्रोजेक्ट के सहायक प्रबंधक भरत कुमार श्रीवास्तव ने बनेड़ा थाने में मामला दर्ज कराया था कि राक्षी गांव के पास टावर संख्या 76/9 और 76/10 के बीच अज्ञात चोरों ने भारी-भरकम हाई ट्रांसमिशन तार काट लिया, जिससे टावर के उपकरणों को भी भारी नुकसान पहुंचा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजुम कायल और डीएसपी नाना लाल सालवी के सुपरविजन में बनेड़ा थानाधिकारी ओमप्रकाश कासनिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बीटीएस डेटा प्राप्त कर सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी अनुसंधान की मदद से सीकर जिले के थोई थाना क्षेत्र के रहने वाले सात संदिग्धों महेंद्र, राकेश, संदीप लाम्बा, नितिन सैन, राकेश कुमार, महिपाल और मनोज कुमार को डिटेन कर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने राक्षी, मेघरास और सादास क्षेत्र में तार चोरी की वारदातें करना कबूल कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के कुछ सदस्यों को पूर्व में पावर ठिाड में काम करने का अनुभव था, जिससे वे ऊंचे टावरों पर चढकर तार काटने में एक्सपर्ट थे। आरोपी वारदात से पहले गूगल सैटेलाइट मैप के जरिए सुनसान इलाकों में स्थित हाई पावर ट्रांसमिशन लाइनों की रैकी करते थे।

सार-समाचार

महर्षि दधीचि जन्मोत्सव में प्रतिभाओं का सम्मान

फुलेरा (निसं)। दाधीच समाज सेवा समिति की ओर से शनिवार को विप्र वाटिका में महर्षि दधीचि जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। समारोह में समाजबंधुओं की सहमति से वैद्य गणेश चंद्र दाधीच को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले समाजबंधुओं का सम्मान किया गया।इससे पहले शुक्रवार शाम महर्षि दधीचि मंदिर का भव्य श्रृंगार कर संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। पंडित हिमांशु दाधीच ने हारमोनियम और दिव्यांशु दाधीच ने तबले पर संगत की। सुंदरकांड के बाद सीताराम व हनुमानजी की आरती कर प्रसाद वितरित किया गया।शनिवार को पंडित हिमांशु दाधीच ने पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद मातृशक्ति ने दधिमती मंगल पाठ किया और भजनों के साथ माताजी को चुनरी अर्पित की। समारोह में करीब 15 प्रतिभावान विद्यार्थियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले समाजबंधुओं को दुपट्टा, प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। राजपत्रित अधिकारी बनने पर अनिल गोठेचा तथा रेलवे में डिप्टी सीटीआई बनने पर वरुण रतावा का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के नवनिर्वाचित पार्षद राजू दाधीच व सुरेश मिश्रा का भी विशेष सम्मान किया गया। विचार गोष्ठी में वैद्य गणेश चंद्र दाधीच ने अपना कार्यकाल पूर्ण होने की बात कहते हुए समाजबंधुओं से नए अध्यक्ष के चुनाव की बात कही। इस पर रूपेंद्र मिश्रा ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा। समाजबंधुओं की सहमति से वैद्य गणेश चंद्र दाधीच को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। समाजबंधुओं ने शाल, माला और श्रीफल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। महंत त्रिलोकीदास जी महाराज ने आशीर्वचन दिए और महर्षि दधीचि व भगवान परशुराम के जीवन एवं आदर्शों की जानकारी दी। पंडित यादराम जोशी, वैद्य प्रभुदयाल, एडवोकेट सुरेश शर्मा और शैलेंद्र शर्मा ने भी संबोधित किया। इस दौरान दुर्गा देवी के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी गई। कार्यक्रम के अंत में महर्षि दधीचि, भगवान परशुराम, मां दधीमती, मां राधा और वेदमाता गायत्री की आरती कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। अध्यक्ष वैद्य गणेश चंद्र दाधीच ने कार्यकारिणी और समाजबंधुओं का आभार जताया। शाम 5 से रात 8 बजे तक भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें समाजबंधुओं के साथ आमंत्रित विप्र एवं बाहर से आए अतिथि शामिल हुए।

दशहरा पर्व की तैयारियों को लेकर पुरुषार्थी समिति की बैठक

अलवर(निसं)। पुरुषार्थी समिति जिला अलवर की ओर से आगामी दशहरा पर्व 2026 की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाध्यक्ष कुलदीप कालरा के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा दशहरा पर्व को गरिमापूर्ण एवं भव्य रूप से आयोजित करने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। समिति के मीडिया समन्वयक विशाल गांधी ने बताया कि बैठक में दशहरा पर्व की तैयारियों को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए सर्वसम्मति से विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया। इन कमेटियों में समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार अलग-अलग प्रभार एवं दायित्व सौंपे गए, ताकि आयोजन की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं बेहतर तरीके से सुनिश्चित की जा सकें। बैठक के दौरान पुरुषार्थी समाज के आगामी चुनाव को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने चुनाव की तिथि एवं प्रक्रिया को लेकर अपने विचार रखे। चर्चा के उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दशहरा पर्व, दीपावली एवं निकाय चुनाव के चलते समाज की जिला आमसभा को आगे रखते हुए 22 नवंबर 2026, रविवार को आयोजित किया जाएगा। जिला आमसभा का आयोजन सामुदायिक भवन, खुदनपुरी, अलवर में प्रस्तावित किया गया है। बैठक में यह भी तय किया गया कि आमसभा में समाज के सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आय व्यय के ब्योरे सहित संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा सर्वसम्मति से नए जिलाध्यक्ष के चयन का प्रयास किया जाएगा।

ईमानदारी और दयालुता की मिसाल है,भामाशाह मोहन कुड़ी

मनोहरपुर(निसं)। मनोहरपुर क्षेत्र के सुप्रसिद्ध भामाशाह मोहन कुड़ी आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। कर्तव्यनिष्ठ परिश्रमि ईमानदार, दयालु और सेवाभावी व्यक्तित्व के धनी श्री मोहन कुड़ी जी ने समाज सेवा में एक अलग ही पहचान बनाई है। जानकारी के अनुसार भामाशाह मोहन कुड़ी ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विकास के लिए लाखों रुपए का सहयोग देकर शिक्षा के मंदिरों में विकास की गंगा बहा दी है। उनके सहयोग से कई विद्यालयों की सूरत ही बदल गई है। इतना ही नहीं, भीषण गर्मी से परेशान सरकारी कर्मचारियों और बच्चों के लिए उन्होंने अपने खर्चे से कूलरों की व्यवस्था करवाई, ताकि किसी को गर्मी से परेशानी न हो भामाशाह मोहन कुड़ी की सबसे बड़ी खासियत है कि वे जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं। रोते हुए के आंसू पोंछना, दुखी लोगों का सहारा बनना ही उनका असली धर्म है। कोई भी जरूरतमंद उनके दर से खाली हाथ नहीं लौटता। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि मोहन कुड़ी जैसे भामाशाह विरले ही होते हैं, जो अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा समाज के कल्याण में लगा देते हैं। एच के लोहानी वेलफेयर सोसायटी ने भी उनके इस जज्बे को सलाम किया है।

भंदे बालाजी पदयात्रा का काचरोदा में स्वागत

फुलेरा(निसं)। ग्राम पंचायत हचूकडा के ग्राम मोरूदा से श्री भंदे बालाजी महाराज के दर्शन के लिए निकली पावन पदयात्रा का फुलेरा के समीप ग्राम पंचायत काचरौदा पहुंचने पर श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। पदयात्रा के साथ ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा के सरपंच लक्ष्मण वर्मा, राजेंद्र यादव, चिरंजीलाल कुमावत एवं रामचंद्र कुमावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। काचरोदा में पदयात्रा का स्वागत जनसेवक महेश यादव पणिहार, राकेश यादव बोराज, भाजपा नेता खुशाल कुमावत, मोनू नागा, देवेंद्र कुमावत, तरुण कुमावत, सुवालाल वर्मा, मास्टर राजेश कुमावत एवं हेमराज देवतवाल सहित ग्रामीणों एवं सहयोगियों ने किया। इस दौरान पदयात्रियों का श्रद्धाभाव एवं आत्मीयता के साथ स्वागत-अभिनंदन किया गया। श्रद्धालुओं ने श्री भंदे बालाजी महाराज से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

उत्तम सत्य धर्म की आराधना में उमड़े श्रद्धालु, 200 शिविरार्थियों ने की साधना

निवाई(निसं)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय पर्युषण पर्व के पांचवें दिन दशलक्षण धर्म को लेकर आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं गणनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के पावन सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर एवं विज्ञातीर्थ गुंसी सहित सभी जिनालयों में उत्तम सत्य धर्म की विशेष पूजा अर्चना की गई। मीडिया प्रभारी सुनिल भाणजा एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि प्रातः भगवान शांतिनाथ जी का पंचामृत से महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। प्रवक्ता विमल जौंला व राहुल बोहरा ने बताया कि दशलक्षण पर्व को लेकर श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं चित्र अनावरण करके पूजा अर्चना का शुभारंभ किया। रविवार को सुबह देव शास्त्र गुरु, तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत जी की पूजा, सोलह कारण पूजा, दशलक्षण पर्व की पूजा एवं पंचमेरु जी की विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा पूजा अर्चना की गई जिसमें

निवाई में श्रावक संस्कार शिविर में भक्ति करते हुए श्रद्धालु।

सुनील एण्ड पार्टी भोपाल ने भजनों की प्रस्तुतियां दी।

रोनक बोहरा ने बताया कि दशलक्षण धर्म के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें जैन हाउजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसको लेकर चयनित पात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। इससे पूर्व तेजपाल, संजय, दीपक कठमाणा द्वारा भगवान पुष्पदंत के मोक्ष कल्याणक पर गाजे-बाजे के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इसी प्रकार 200 शिविरार्थियों ने भी निर्वाण लाडू चढ़ाया। शिविर में मोक्षशास्त्र का स्वाध्याय कराया गया। उसके बाद सायंकाल में महाआरती का आयोजन हुआ। इस दौरान आचार्य सुन्दर सागर महाराज की शिष्या आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने उत्तम सत्य धर्म पर प्रवचन

- **दशलक्षण पर्व को लेकर श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं चित्र अनावरण करके पूजा अर्चना का शुभारंभ किया**

देते हुए कहा कि आत्मा की शुद्धि के लिए लोभ, मोह व परिग्रह का त्याग आवश्यक है। बाहरी स्वच्छता के साथ मन और भावों की निर्मलता ही उत्तम सत्य धर्म का मूल भाव है। इसके बाद जिनश्री बाल मंडल द्वारा नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिनवाणी स्तुति की गई। उन्होंने बताया कि दशलक्षण महापर्व के दौरान प्रतिदिन धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालु धर्मलाभ ले रहे हैं।

बैरवा महासभा की बैठक में लिए महत्वपूर्ण निर्णय

निवाई(निसं)। जिला बैरवा महासभा शाखा निवाई के तत्वावधान में नला रोड़ पर स्थित छात्रावास में महासभा के अध्यक्ष संजीव सिरोही की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें कई महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा की गई। ज्ञानचन्द टाटावत ने बताया कि बैठक में छात्रावास भवन के बैठक हॉल व छात्रावास भवन की सीढ़ियों पर ग्रेनाइट लगवाने पर चर्चा की गई। प्रथम मंजिल पर गैलरी में ग्रेनाइट लगवाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त छात्रावास भवन परिसर में चारदीवारी निर्माण करवाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में महर्षि बालीनाथ विवाह सम्मेलन समिति के पदाधिकारियों को आगामी बैठक में अपने सम्पूर्ण दस्तावेज व राशि जमा करवाने व निवाई धर्मशाला ट्रस्ट का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करने का आ ान किया। इस दौरान छात्रावास भवन में चल रहे चुनाई, प्लास्टर एवं फर्श लगवाई के ठेकेदार रामदयाल बैरवा द्वारा बिल प्रस्तुत किया गया, जिसकी मजदूरी राशि 3 लाख 40 हजार 511 रुपये है।

लालसोट में सभापति की कुर्सी पर फैसला आज

लालसोट(निसं)। नगरपरिषद लालसोट के सभापति पद के चुनाव को लेकर आज सोमवार को मतदान होगा। नगरपरिषद कार्यालय में 35 वार्डों से निर्वाचित पार्षद मतदान कर नगरपरिषद के नए सभापति का चुनाव करेंगे। चुनाव को लेकर नगरपरिषद प्रशासन एवं निर्वाचन आयोग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। नगरपरिषद चुनाव के परिणामों में कांग्रेस ने 18 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया है, जबकि

- **35 पार्षद करेंगे मतदान-लालसोट में चुनावी हलचल तेज**

भाजपा के 12 पार्षद और 5 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए हैं। सभापति पद के लिए कांग्रेस की ओर से कपिल पुरोहित तथा भाजपा की ओर से पिंकी चतुर्वेदी ने नामांकन दाखिल किया है। सभापति चुनाव को लेकर दोनों पक्षों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। अब 35 निर्वाचित पार्षदों के मतदान से नगरपरिषद की अगली कमान किसके हाथ में जाएगी, इसका फैसला होगा। मतदान को लेकर नगरपरिषद परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की गई है तथा निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

भांवती में मेला आज

निवाई(निसं)। ग्राम पंचायत भांवता के गांव भांवती में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोमवार को श्री वीर तेजाजी महाराज के मेले का आयोजन किया जाएगा। श्री वीर तेजा युवा मंडल के कार्यकर्ता सुदामा जाट भांवती ने बताया कि सोमवार को श्री वीर तेजाजी महाराज के विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें श्री वीर तेजाजी महाराज के नाग देवता के दर्शन कराए जाएंगे एवं रात्रि में जागरण का आयोजन होगा।

पावटा में साहित्यिक सुरों से सजा काव्य समागम, कवियों ने बांधा समां

पावटा(निसं)। संकल्प साहित्य साधना मंच पावटा के तत्वावधान में मंच संस्थापक उमेश चंद्र 'चंदर' के सानिध्य में गुलमोहर स्कूल परिसर में भव्य काव्य समागम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक कवि एवं शायरों ने अपनी रचनाओं की प्रभावी प्रस्तुतियों से साहित्यप्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच अध्यक्ष वैद्य ओमप्रकाश जोशी ने की।

वहीं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शंभूदयाल गढ़वाल, इतिहासकार छाजू सिंह शेखावत एवं कल्याण बक्स 'कल्याण' की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को साहित्यिक गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद मंच संस्थापक उमेश चंद्र 'चंदर' ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर साहित्यिक आयोजन का विधिवत आगाज किया।

काव्य समागम में कवियों ने कविता, गीत, गजल एवं विभिन्न रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को भाव-विचारों से जोड़ा। एक के बाद एक शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम

- **काव्य समागम में कवियों ने कविता, गीत, गजल एवं विभिन्न रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को भाव-विचारों से जोड़ा**

में साहित्यिक रंग भर दिया और श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से कवियों का उत्साहवर्धन किया।

काव्य पाठ करने वाले प्रमुख कवियों में गिरधारी सिंह 'गिरधर', रामनिवास बायला, डॉ. रूप नारायण असवाल, प्रकाश प्रियम, शिवम शर्मा 'विशेष', कन्नू सैनी, विष्णु टांक, सुरेश धमोरा, श्याम सुंदर शेखावत, राजू सिंह, शंभूदयाल गढ़वाल, वैद्य ओमप्रकाश जोशी, छाजू सिंह शेखावत एवं सुनील सलोना सहित अनेक कवि एवं शायर शामिल रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन कवि सुनील सलोना ने किया। अंत में साहित्य साधना मंच के संरक्षक उमेश चंद्र 'चंदर' ने सभी अतिथियों, कवियों एवं साहित्यप्रेमियों का आभार व्यक्त किया और आयोजन के समापन की घोषणा की।

अमित बंसल की स्मृति में अपना घर आश्रम को मोक्ष वाहिनी समर्पित

भरतपुर (निसं)। मानव सेवा और सामाजिक सरोकार की एक संवेदनशील पहल के तहत नोएडा निवासी डॉ. ऊषा बंसल एवं डॉ. एच.एल. बंसल ने अपने स्वर्गीय पुत्र अमित बंसल जी की पावन स्मृति में 14.41 लाख मूल्य की एक नवीन मोक्ष वाहिनी अपना घर आश्रम को जनसेवा के लिए समर्पित की। वाहन की चाबी आश्रम के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज एवं संरक्षक सुश्री बबीता गुलाटी को सौंपी गई। बंसल परिवार ने कहा कि अपने प्रिय पुत्र की स्मृति को

- **डॉ. ऊषा बंसल एवं डॉ. एच.एल. बंसल ने 14.41 लाख की मोक्ष वाहिनी जनसेवा के लिए की समर्पित**

मानव सेवा से जोड़ना उनके लिए भावनात्मक और संतोष का विषय है। उनका उद्देश्य है कि यह वाहन जरूरत के समय सामान्य परिवारों के लिए उपयोगी हो। अपना घर आश्रम के पास पूर्व से एक मोक्ष वाहिनी उपलब्ध थी, लेकिन लंबे समय तक उपयोग में रहने के कारण वह अब पुरानी एवं अनुपयोगी हो चुकी थी। ऐसे समय में नई मोक्ष वाहिनी उपलब्ध कराकर बंसल परिवार ने आश्रम की इस सेवा व्यवस्था को महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। नई मोक्ष वाहिनी में लगभग 10 परिजनों के बैठने की व्यवस्था है। वाहन के तीन ओर शीशे लगाए गए हैं, जिससे अंतिम यात्रा के दौरान पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन भी सहज रूप से किए जा सकेंगे। भरतपुर शहर में इस प्रकार की सुविधा पहली बार उपलब्ध होने से यह आमजन के लिए उपयोगी सेवा साबित होगी।

शहर के लगातार विस्तार के कारण आवासीय क्षेत्रों से मोक्षधाम की दूरी बढ़ती जा रही है। ऐसे में सामान्य परिवारों के लिए पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक घर से मोक्षधाम तक ले जाना कई बार कठिन और खर्चीला हो जाता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह मोक्ष वाहिनी भरतपुर नगर निगम क्षेत्र एवं निर्धारित आसपास के क्षेत्र में घर से मोक्षधाम तक अंतिम यात्रा के लिए उपयोग में लाई जाएगी।

डिवाइडर से टकराई बाइक, मामा-भांजे की मौत

रूपवास भरतपुर (निसं)। रूपवास कस्बे के भरतपुर मार्ग स्थित यथार्थ होटल के निकट रविवार अलसुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मामा-भांजे की मौत हो गई। दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर फरीदाबाद से अपने गांव लौट रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि भांजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल मामा ने जयपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार भरतपुर बाइपास स्थित यथार्थ होटल के निकट एक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। एएसआई खेमचंद ने बताया कि रविवार अलसुबह दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर एक बाइक

- **दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर फरीदाबाद से अपने गांव लौट रहे थे**

डिवाइडर से टकराई हुई मिली। दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा था। पुलिस ने तत्काल घायल को एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल भरतपुर भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने जयपुर रेफर कर दिया। वहीं मृत युवक के शव को रूपवास के उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

पुलिस को मृतक के पास से मिले दस्तावेजों के आधार पर परिजनों से संपर्क किया गया। सूचना मिलने पर परिजन रूपवास पहुंचे और मृतक की पहचान गजेन्द्र सिंह पुत्र बनवारी सिंह निवासी मोरीपुरा, सरमथुरा (धौलपुर) के रूप में की। वहीं घायल की पहचान महेंद्र सिंह पुत्र चिम्मन सिंह निवासी चन्दरावली, सरमथुरा (धौलपुर) के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि दोनों रिश्ते में मामा-भांजा थे और फरीदाबाद से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रूपवास के निकट उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में भांजे गजेन्द्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल मामा महेंद्र सिंह ने जयपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की आवश्यकता बताई।

कार व ट्रैक्टर की भिड़ंत में चालक सहित 4 घायल

टोंक(निसं)। बनेठा थाना क्षेत्र के ककोड़ गांव के रूपवास मोड़ पर शनिवार देर सांय एक बोलेरो कार एवं ट्रैक्टर में भिड़ंत हो जाने के बाद ट्रैक्टर चालक घायल हो गए तथा कार में चार सवार भी चोटिल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक कालू सैनी टोंक से फसल बेचकर रूपवास लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रही बोलेरो कार ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद ट्रैक्टर पलट गया और चालक उसके नीचे दब गया। हादसे की जानकारी मिलते ही बनेठा थानाधिकारी भंवरलाल सहित थाने की टीम मौके पर पहुंची, पुलिस ने घायल ट्रेक्टर चालक कालू सैनी व कार में सवार दिलखुश, राम सैनी समेत अन्य लोगो को इलाज के लिए टोंक अस्पताल भेजा। पुलिस ने हादसे में शामिल दोनों वाहनों को ककोड़ चौकी पर खड़ा करवाया है। बनेठा थाना पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

निवाई में नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव आज

निवाई (निसं)। नगर पालिका के अध्यक्ष पद को लेकर सोमवार को चुनाव होगा। जिसको लेकर शहर वासियों में भारी उत्साह है। वही भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में भीतरघात का भय बना हुआ है। रिटर्निंग अधिकारी गंभीर सिंह ने बताया कि नगर पालिका के अध्यक्ष के पद चुनाव को लेकर सोमवार को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक पारदर्शी, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से मतदान होगा एवं मतदान प्रक्रिया पूरी होते ही इसी दिन मतगणना करवाकर परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी। अध्यक्ष पद के चुनाव के पश्चात 22 सितंबर को निकाय उपाध्यक्ष के पद के लिए चुनावी प्रक्रिया होगी।

इसके तहत 22 सितंबर की सुबह 10 से 11 बजे तक नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। तत्पश्चात 11:30 बजे से नामांकन वापसी की प्रक्रिया होगी एवं दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी का समय रहेगा। यदि उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव की

- **सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होगा मतदान, शहर वासियों में भारी उत्साह, कार्यकर्ताओं में भीतरघात का भय**

स्थिति बनती है और मतदान आवश्यक हुआ, तो दोपहर 2:30 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक वोट डाले जाएंगे।

मतदान समाप्त होते ही तुरंत मतगणना की जाएगी और विजयी प्रत्याशी की घोषणा के साथ ही पूरी निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि प्रशासन व पुलिस प्रशासन ने चुनाव को लेकर संपूर्ण तैयारियां कर ली है। डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा ने बताया कि चुनाव में सुरक्षा की दृष्टि को लेकर कानून व्यवस्था के लिए विशेष पुलिस जाप्ता तैनात किया जाएगा।

पावटा में चार माह में दूसरी बार मंदिर को बनाया निशाना

चांदी के छत्र चोरी होने से ग्रामीणों में आक्रोश

पावटा(निसं)। विराटनगर के गालावास गांव की पहाड़ियों में स्थित दुर्गा माता मंदिर में चार माह के भीतर दूसरी बार चोरी की वारदात सामने आने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। मंदिर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं और पिछली वारदात का अब तक खुलासा नहीं होने को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीण मनोज शुक्ल ने बताया कि करीब चार माह पहले भी चोर मंदिर को निशाना बनाकर आभूषण सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। ग्रामीणों के अनुसार उक्त वारदात का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। इसी बीच करीब दो दिन पूर्व चोर एक बार फिर मंदिर में घुसे और चांदी के छत्र चोरी कर फरार हो गए। लगातार दूसरी बार मंदिर में चोरी की घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चोरी की दोनों वारदातों का शीघ्र खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार

- **पहली चोरी का खुलासा नहीं, दूसरी वारदात से भड़का गुस्सा; ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी, थाने के घेराव की चेतावनी**

करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि धार्मिक स्थल पर बार-बार चोरी की घटनाएं होना गंभीर चिंता का विषय है। यदि पुलिस ने जल्द ही दोनों चोरी की वारदातों का खुलासा नहीं किया तो बड़ी संख्या में ग्रामीण विराटनगर थाने पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन करेंगे और थाने का घेराव किया जाएगा। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मंदिर में हुई दोनों चोरी की घटनाओं की गंभीरता से जांच कर आरोपियों तक पहुंचने तथा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

आज गूंजेगा वीर तेजाजी महाराज का जयकारा, बिंदौरी के साथ सजेगा मेला

फुलेरा(निसं)। लोक आस्था और श्रद्धा के प्रतीक लोक देवता वीर तेजाजी महाराज के वार्षिक मेले को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। श्री वीर तेजाजी मेला आयोजन समिति के तत्वावधान में भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी के अवसर पर रविवार को पुराना फुलेरा-बिचून रोड स्थित तेजाजी चौक परिसर में भव्य

- **मेले को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है, पुराना फुलेरा-बिचून रोड स्थित तेजाजी चौक परिसर में भव्य मेले का आयोजन होगा**

मेले का आयोजन होगा। मेले को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। शाम को ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक उल्लास के साथ भव्य बिंदौरी मेला स्थल पहुंचेगी। इसके बाद श्रद्धालु वीर तेजाजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

तेजाजी महाराज के मेले की तैयारियां करते हुए।

बिंदौरी के मेला स्थल पर पहुंचने के साथ ही तेजाजी महाराज के जयकारों से तेजाजी चौक गूंज उठेगा। तेजाजी महाराज के प्रति नगरवासियों की गहरी आस्था के चलते मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। मेले में धार्मिक आयोजन के साथ बच्चों और परिवारों के लिए भी आकर्षण रहेगा। आयोजन समिति की ओर से मेले की व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही हैं। आयोजन समिति पदाधिकारियों ने नगरवासियों से परिवार सहित मेला स्थल पहुंचकर वीर तेजाजी महाराज के दर्शन करने और मेले का आनंद लेने की अपील की है।

सिंधी नाटक भगवान झूलेलाल का हुआ मंचन

निवाई (निसं)। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद् नई दिल्ली एवं सिन्धु वीमेन वेलफेयर सोसाइटी निवाई के संयुक्त तत्वावधान में झूलेलाल धर्मशाला में चालीहा महोत्सव कार्यक्रम सिंधी नाटक भगवान झूलेलाल का मंचन आयोजित किया गया। नाटक का मुख्य उद्देश्य चालीहा कार्यक्रम हिंदू सिंधी समुदाय द्वारा अपने इष्ट देव वरूणावतार भगवान झूलेलाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने व उनका आर्शीवाद प्राप्त करना है। जिसको लेकर 40 दिनों तक विशेष व्रत पूजा-अर्चना की जाती है।

भगवान झूलेलाल ने सिंधी समुदाय को आक्रमणकारियों के अत्याचारों व धर्म परिवर्तन के संकट से बचाया था। समिति अध्यक्ष ऋचा लखी छतवानी ने बताया कि स्थानीय बाल कलाकारों द्वारा आयोजित सिंधी नाटक में खास मेहमान सिंधी समुदाय के संत मुम्बई निवासी ठकुर नितिन साईं व शिक्षिका

- **भगवान झूलेलाल ने सिंधी समुदाय को आक्रमणकारियों के अत्याचारों व धर्म परिवर्तन के संकट से बचाया था**

योग्यता इसरानी रहे।

भक्ति व श्रद्धा के माहौल के 60 मिनट के नाट्यय मंचन में भगवान झूलेलाल की उत्पत्ति का सजीव मंचन किया गया। नाटक की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस दौरान निवाई की मस्तराम मंडली द्वारा गीत संगीत का विशेष कार्यक्रम किया गया। सभी बाल कलाकारों को मोमेंटो प्रदान करके सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के कार्यकर्ता वर्षा, सानिया, कमल हरचंदानी, इन्दु, सिमरन, कविता व मयूरा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

खैरथल में रविवार को भी बाजार बंद, आज चुना जाएगा सभापति

अलवर(निसं)। खैरथल में सभापति चुनाव को लेकर सियासी खींचतान में रविवार को बाजार बंद रहे। चालीस फीट रोड समेत कई बाजारों में दुकानों के शटर नहीं खुले। कृषि उपज मंडी बंद है। पार्षदों से जुड़े विवाद, पुलिस कार्रवाई और राजनीतिक खेमेबंदी के बीच 21 सितंबर के चुनाव पर नजरें टिकी हैं।

खैरथल नगर परिषद में सभापति की कुर्सी को लेकर चल रही सियासी खींचतान का असर कारोबार पर दिखाई दे रहा है। रविवार को भी चालीस फुटा रोड सहित कई मार्केट बंद रहे। बाजारों में सन्नाटा रहा। नगर परिषद की 45 सीटों के चुनाव परिणाम 14 सितंबर को घोषित हुए थे। इनमें कांग्रेस ने 20, भाजपा ने 8 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 17 सीटों पर जीत दर्ज की। सभापति चुनने के लिए 23 पार्षदों के समर्थन की जरूरत है। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

खैरथल में सभापति चुनाव को लेकर सियासी खींचतान में रविवार को बाजार बंद रहे।

परिणाम के बाद कांग्रेस के प्रमुख नेता रहे विक्रम सिंह चौधरी के भाजपा में शामिल होने और उनके साथ कुछ पार्षदों के पाला बदलने से चुनावी समीकरण बदले हैं। विक्रम सिंह चौधरी ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। दूसरी ओर कांग्रेस ने ओमप्रकाश रोघा को अपना प्रत्याशी बनाया है। रोघा चुनाव में हारे उम्मीदवार हैं और कांग्रेस ने उन्हें हाइब्रिड फार्मूले के तहत मैदान में उतारा है। दोनों खेमों के बीच मुकाबले में निर्दलीय पार्षदों पर निगाहें

- खैरथल नगर परिषद में सभापति की कुर्सी को लेकर चल रही सियासी खींचतान का असर कारोबार पर दिखाई दे रहा है

सभापति चुनाव से पहले पार्षदों के कथित अपहरण को लेकर शिकायतें और एफआईआर की जानकारी ने विवाद बढ़ा दिया है। वार्ड 3 से निर्वाचित कांग्रेस पार्षद रामधन के मामले में परिजनों की ओर से ओमप्रकाश रोघा सहित अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की बात सामने आई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। वार्ड 20 में भी एक पार्षद को जबरन वाहन में ले जाने के आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस कार्रवाई और व्यापारियों के नाम सामने आने के विरोध में व्यापारिक संगठनों में नाराजगी है। शनिवार को अनाज मंडी, सब्जी मंडी, किराना यूनियन, रेडीमेड गारमेंट्स, बर्तन यूनियन, चूड़ी मार्केट, तिरंगा मार्केट और चालीस फुटा रोड सहित बाजार बंद रहे। कृषि उपज मंडी के व्यापारियों ने बैठक कर 19 से 21 सितंबर तक मंडी बंद रखने का निर्णय लिया है। व्यापारियों का कहना है कि चुनावी विवाद के बीच उन पर दबाव या अनावश्यक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। उनका आरोप है कि राजनीतिक खींचतान में व्यापारियों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जा रहा है। अब सभी की नजरें 21 सितंबर को होने वाले सभापति चुनाव पर हैं। चुनाव के नतीजे से तय होगा कि 45 सदस्यीय परिषद की कमान किसके हाथ जाती है। बाजार बंद और राजनीतिक गतिविधियों ने खैरथल में चुनावी माहौल को चर्चा में ला दिया है।

इंतजार की घड़िया समाप्त आज बनेगा अलवर नगर निगम महापौर

अलवर(निसं)। इन्तजार की घडियां अब समाप्त होने वाली है कल नगर निगम महापौर का चेहरा जनता के सामने आ जाएगा वहीं दोनो ही पार्टियों के सारे समीकरण भी उनके सामने होगे। अब पता चलेगा कि आठ दिन की बाडेबंदी से निकल कर किस पार्षद का वोट किसे मिलेगा। भाजपा ने आज चालीस पार्षदों के साथ एक फोटो जारी कर बता दिया कि बोर्ड उसी का बनेगा। लेकिन यहां किंग मेकर निर्दलीय पार्षद बनेगे साथ ही जो पार्टी ज्यादा उपहार से नवाजते हुए पार्षद से अपने पक्ष मे वोट करवाएगी महापौर उसी का बनेगा क्योंकि पहले में यहां क्रोस बोटिंग हो चुकी है और भाजपा के हाथों से कांग्रेस ने कुर्सी छीन ली। इस बार भी हो सकता है इसी प्रकार का गणित बनने की कांग्रेस को सम्भावना है लेकिन इस बार भाजपा सत्ता में होने के कारण क्रोस वोटिंग की सम्भावना कम ही लग रही है लेकिन साहब यह हिन्दुस्तान है यहां एक कहावत आपने ट्को के पीछे लिखी जरूर पढी होगी कि सौ मे से नब्बे बेईमान फिर भी मेरा भारत महान।

- भाजपा बोर्ड बनाने के प्रति आश्वस्त, लेकिन क्रोस वोटिंग से बदल सकते है समीकरण, निर्दलीय बनेगें किंग मेकर

अलवर नगर निगम मेयर के चुनाव की वोटिंग से पहले शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे बीजेपी ने एक फोटो जारी की, जिसमें 40 पार्षद होने का दावा किया गया है। फोटो के जरिए 28 पार्टी और 12 निर्दलीय पार्षद बताए हैं। कांग्रेस की बाड़ेबंदी से ऐसा कोई फोटो सामने नहीं आया है, जिसमें उन्होंने अलवर नगर निगम का मेयर बनाने का दावा करते हुए पार्षद दिखाए। वैसे मौखिक तौर पर कांग्रेस के नेता बराबर खुद का मेयर बनाने की बात दोहरा रहे हैं, जिससे लगता है अब कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग की उम्मीद है। ऐसा 2019 के नगर परिषद अलवर के चेयरमैन के चुनाव में हो चुका है। लेकिन इस बार बीजेपी की सरकार में क्रॉस वोटिंग होना आसान नहीं है। अलवर नगर निगम की पहली मेयर की कुर्सी के लिए वोटिंग सोमवार सुबह 10 बजे से 2 बजे के बीच में होगी। वोटिंग के कुछ देर बाद ही परिणाम सामने आ जाएगा। बीजेपी से वार्ड 7 की पार्षद सुमनलता अग्रवाल और कांग्रेस से वार्ड 39 की पार्षद कमलेश शर्मा के बीच सीधा मुकाबला है। बीजेपी के 65 में से 28 पार्षद जीते हैं वहीं कांग्रेस के 23 जीते हैं। 13 निर्दलीय में से 12 बीजेपी के पास होने का दावा किया गया है। असल में 2019 के नगर परिषद सभापति के चुनाव में कांग्रेस के 19 पार्षद जीते थे। इस बार 23 जीते हैं। पहले 19 निर्दलीय जीते थे। इस बार 13 ही निर्दलीय जीते हैं। नगर निगम चुनाव में 65 नवनिर्वाचित पार्षद अलग-अलग बाड़ेबंदी में हैं। बीजेपी के पार्षद अलवर से करीब 700 किलोमीटर दूर चले गए थे। लेकिन अब वहां से निकल गए हैं। रविवार की रात बीजेपी के पार्षद गुरुग्राम के आसपास रुकेंगे। 21 सितंबर को सीधे वोट करने अलवर नगर निगम कार्यालय आएंगे। कांग्रेस के 23 पार्षद अलवर से करीब 100 किलोमीटर दूर जयपुर के आसपास रिसोर्ट में हैं। वे 21 सितंबर को सीधे जयपुर से अलवर आएंगे।

सार-समाचार

विशेष अभियान के तहत विभिन्न प्रकरणो में दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध शराब, जुआ सट्टा व साइबर अपराध की रोकथाम हेतु विशेष अभियान के तहत वृताधिकारी पीपलू विनोद कुमार एवं पीपलू थानाधिकारी शिवचरण के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा जुआं सट्टाबाजी प्रकरण में कार्यवाही करते हुए 19 सितम्बर को दौराने गश्त पीपलू क्षैत्र के ग्राम बनवाडा से भूरावाली जाने वाली रोड के किनारे भेरूजी मंदिर की आड में सार्वजनिक स्थान पर जुआं खेलते हुए आरोपी सीताराम कुम्हार व सलमान खान को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से जुआ राशि 440 रूपये जप्त किया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आरपीजीओ एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। वही अन्य टीम ने साइबर अपराध में कार्यवाही करते हुए संदिग्ध बैंक खाता धारक महेश पुत्र रामअवतार जाट उम्र 19 वर्ष निवासी संदेडा फार्म थाना पीपलू को प्रकरण में संलिप्त पाये जाने के बाद डिटेन कर पूछताछ के बाद ऑनलाईन गैमिंग व ऑनलाईन शापिंग पोर्टल के माध्यम से साईबर फ्राड करना स्वीकार करने पर गिरफ्तार किया गया है। जिसके खिलाफ साइबर प्रकरण में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जायेगा।

अवधूत दत्तआश्रम में रक्तदान शिविर में 65 यूनिट रक्तदान

राजगढ़ (निसं)। राजगढ़ अवधूत दत्त आश्रम के महंत स्वामी श्याम भारती की द्वितीय पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का रविवार को आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 65 यूनिट रक्तदान हुआ। अवधूत दत्ता आश्रम के महंत अमन भारती महाराज ने बताया कि रक्तदान शिविर में सभी लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आश्रम से जुड़े, सेवाभावी एवं सामाजिक सरोकार रखने वाले युवाओं, एवं अन्य लोगों ने रक्तदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। आश्रम की ओर से महेंद्र स्वामी अमन भारती महाराज ने सभी रक्त वीरों का प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के खेम सिंह आर्य, एस खंडेलवाल, विश्वास मित्तल, किशन मुखीजा एवं भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एसआई परीक्षा में 77 प्रतिशत से ज्यादा ने भाग्य अजमाया

टोंक (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर की ओर से उप-निरीक्षक, प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी (गृह विभाग) की परीक्षा रविवार को जिला मुख्यालय के 16 परीक्षा केंद्रों पर शांतपूर्ण सम्पन्न हो गई। इसमें 77 प्रतिशत से ज्यादा ने भाग्य आजमाया। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए निर्धारित समय से एक घंटे पहले पहुंचने की बाध्यता के चलते कुछ अभ्यर्थी महज 3 से 5 मिनट देरी से पहुंचे। ऐसे में उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया और निराश होकर वापस लौटना पड़ा। अति.जिला कलेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि जिले में बनाए गए 16 परीक्षा केंद्रों में 4 सरकारी और 12 निजी केंद्र हैं। दोनों पारियों के लिए अलग-अलग 5-5 उपसमन्वयक, 28-28 पर्यवेक्षक और 3-3 सतर्कता दल लगाए गए हैं। प्रत्येक पारी में 748 वीक्षक परीक्षा व्यवस्था संभालेंगे। परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष भी निर्धारित किया गया है। कड़ी चेकिंग के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। एक अभ्यर्थी हाथ में धागा बांधकर पहुंचा, जिसे टीम ने काट कर बाद में प्रवेश कराया।

राजस्थान शिक्षक कांग्रेस का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन आयोजित

शाहपुरा (निसं)। राजस्थान शिक्षक कांग्रेस का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन सीकर के अजीतगढ़ में प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल सैनी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वर्गीय बी एल सैनी के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके की गई। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष दीपेश सैनी ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और शिक्षकों के अधिकारों व हितों की रक्षा करने पर विशेष जोर दिया। जिला अध्यक्ष श्री फूल सिंह यादव ने शिक्षकों को गैर-शैक्षिणक कार्यों (बीएलओ ड्यूटी, सर्वे आदि) से मुक्त करने, तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण (तबादले) और लंबे समय से अटकी पदोन्नित (प्रमोशन) जैसे गंभीर मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाया। जिला मंत्री श्री महेंद्र कुमार सैनी ने विभिन्न ब्लॉकों से आए सभी शिक्षक साथियों का आभार जताया और भरोसा दिलाया कि सदन में आए सभी प्रस्तावों को प्रदेश कार्यकारिणी के माध्यम से सरकार के सामने मजबूती से रखा जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष श्री बृजलाल सैनी ने अधिवेशन में पारित प्रस्तावों और शिक्षकों की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखकर उन्हें जल्द से जल्द हल करवाने का आश्वासन दिया। अधिवेशन आदर्श आचार संहिता की अनुपालन करते हुए संपादित किया गया।

मोहनलाल अग्रवाल अध्यक्ष बने

निवाई (निसं)। स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में अग्रवाल समाज की बैठक आयोजित हुई। कार्यकारणी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर मोहनलाल अग्रवाल को मनोनीत किया गया। कार्यकारणी में संरक्षक कैलाश अग्रवाल व सत्यनारायण शेखाटिया, उपध्यक्ष रामू अग्रवाल राजू अग्रवाल, मंत्री सुनिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पवन अग्रवाल, मीडिया प्रभारी के पद पर भागचन्द शेखटिया को मनोनीत किया गया। इसी प्रकार अग्रसेन जयंति महोत्सव को लेकर आयोजन समिति का गठन किया गया। जिसमें मोहित अग्रवाल, महावीर इटावा, गणेश अग्रवाल, संदीप गोयल, राहुल, रवि अग्रवाल, संतोष मोदी, दिनेश अग्रवाल, नवरत्न अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल व अजय अग्रवाल को शामिल किया गया।

चौमूं में 7 राजकीय विद्यालयों के मरम्मत हेतु 1.07 करोड़ की स्वीकृति

मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री का रामलाल शर्मा ने जताया आभार

चौमूं / कालाडेरा(निसं)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षिणक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बजट वर्ष 2026-27 की अनुपालना में राज्य सरकार द्वारा चौमूं विधानसभा क्षेत्र के 7 राजकीय (माध्यमिक/उच्च माध्यमिक) विद्यालयों में मरम्मत कार्यों हेतु 1.07 करोड की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और शिक्षामंत्री मदन दिलावर का आभार व्यक्त किया है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि इस स्वीकृति से विद्यालयों के भवनों की स्थिति सुधरेगी, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित व सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। विधानसभा क्षेत्र चौमूं में ग्राम पंचायत हाड़ौता में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, सेरावतों की ढाणी के लिए 15.00 लाख, चौमूं में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेलवे स्टेशन चौमूं के लिए 20.00 लाख, ग्राम समरपुरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, समरपुरा के लिए 12.00 लाख, टांकरडा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए 15.00 लाख, सिंगोद खुर्द में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिंगोद खुर्द के लिए 15.00 लाख, ग्राम रणजीतपुरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रणजीतपुरा के लिए 15.00 लाख, लोहरवाड़ा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लोहरवाडा के लिए 15.00 लाख की स्वीकृति मिली है। रामलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुदृढ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए संकल्पबद्ध है। चौमूं के इन 7 विद्यालयों के कायाकल्प से हजारों छात्र-छात्राओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। चौमूं के सर्वांगीण विकास के लिए विकास कार्यों की यह श्रृंखला निरंतर जारी रहेगी।

गणेश भगवान की प्रतिमा का विर्सजन किया

अलवर(निसं)। हर वर्ष की भांति इस बार भी अलवर में गणेश विर्सजन की धूम होने लगी है। श्री गणेश भगवान के श्रद्वालु निश्चित समय अवधि अपनी सुविधा अनुसार अब उनका विर्सजन करने लगे है। रविवार को शहर के लादिया मौहल्ले से श्री गणेश भगवान की पालकी विर्सजन के लिए निकाली गई इस पालकी के आगे मौहल्ले वासी पुरूष और महिलाएं नाचते गाते चल रह थे। यहां यह गणेश विर्सजन की परंपरा पिछले कई सालों से हेमन्त व रवि जादौन और उनके परिवार की तरफ से निकाली जाती है यह प्रोग्राम सात से 11 दिन तक चलता है। इस दौरान पूरा क्षेत्र गणेश भगवान की भक्ति में लीन रहता है। यह झाकी प्रमुख क्षेत्रो से होती हुई ऐतिहासिक तालाब सागर पर पहुंची जहां बडी श्रद्वा के साथ मूर्ति का विर्सजन किया गया।

शहर में आवारा सांडों, बंदरों, श्वानों से लोग परेशान

भरतपुर (निसं)। शहर में विचरण कर लोगों का जीना दुश्वार कर रहे आवारा सांडो और बंदरों सहित आवारा कुत्तों (स्वानो) को पकड़वाने की मांग लोहागढ़ उत्थान मोर्चा ने जिला कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त से की है। मोर्चा के बरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवकुमार वशिष्ठ ने बताया कि भरतपुर में आवारा सांडों , बंदरों के अलावा कुत्तों (स्वानो) का प्रकोप बहुत अधिक बढ़ गया है द्यबाजारों,मोहल्लों, कॉलोनियों सहित सार्वजनिक स्थानों पर सैंकड़ों की सख्या में सांडो,बंदरों, स्वानो का हुजूम लगा रहता है द्य आये दिन शहर में विचरण कर रहे यह पशु किसी न किसी को अपनी चपेट में लेकर घायल कर देते है द्य इनकी चपेट में आकर शहर के कई लोग अपाहिज तक हो गए है और कईयों की तो जान तक चली गई है द्य इनके आतंक से शहर के लोग भयभीत रहते हैं। आये दिन स्वान बच्चों को अपना शिकार बना रहे हैं। तो वहीं बंदरों की धमाचौकड़ी से शहरवासी परेशान हैं। एसटीसी हाउसिंग बोर्ड, रंजीत नगर, जवाहर नगर, नदिया मोहल्ला, गोपालगढ़, कृष्णा नगर, राजेन्द्र नगर सहित शहर के अन्य इलाकों में बंदरों का कब्जा है। यह कभी भी किसी भी मकान में घुस जाते है । सामान का नुकसान तो करते ही हैं। लोगों पर अटैक भी कर उन्हें घायल कर देते है । इसी तरह का हाल आवारा गोवंश का है जो राह चलते लोगों को अपनी चपेट में लेकर अपाहिज कर रहे है और अब तक कई लोग इनकी चपेट में आकर जान तक दे चुके हैं। एसटीसी कॉलोनी में कई ऐसे सांड हैं, जिन्होंने कई लोगों को अपनी चपेट में लेकर घायल कर दिया, साथ ही बंदरो की धमाचौकड़ी से लोग आहत है। इन्हें देख कॉलोनी में सन्नाटा सा हो जाता है और लोग इनसे बचने के लिये छिप जाते है, उन्होंने आग्रह किया है कि सांड,बंदर व स्वानो के आतंक से आमजन को राहत दिलाई जाए ताकि आमजन स्वच्छंद रूप से अपना जीवन निर्वहन कर सके।

- कलेक्टर व् नगर निगम आयुक्त से राहत दिलाने की मांग

पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका का चेयरमैन आज होगा तय

चुनावी मैदान में दो दावेदार आमने-सामने, नगरपालिका बोर्ड की कमान किसके हाथ?

पावटा(निसं)। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के चेयरमैन पद के लिए आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में चुनाव होगा। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मैदान में किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया, जिसके चलते अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मुकाबला अब सीधे मतदान तक पहुंच गया है।

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के 45 वार्डों के परिणाम में कांग्रेस के 22, भाजपा के 16 और 7 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए हैं।

- आज होगा फैसला, 22 कांग्रेस, 16 भाजपा और 7 निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अहम

वहीं, तीन निर्दलीय पार्षदों द्वारा कांग्रेस के पक्ष में सहमति पत्र दिए जाने के बाद अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए भाजपा से मंजू अग्रवाल पत्नी गोपाल अग्रवाल मैदान में हैं, जबकि कांग्रेस से मीना देवी पत्नी अजय सैनी चुनाव लड़ रही हैं।

दोनों प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला है। आज होने वाले मतदान में पार्षद अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे और इसके बाद मतगणना के साथ ही पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका की नई कमान किसके हाथ होगी, यह स्पष्ट हो जाएगा। बहुमत के आंकड़े और दोनों प्रमुख दलों के पार्षदों की संख्या के बीच निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अहम मानी जा रही है। ऐसे में आज होने वाला मतदान नगरपालिका की आगामी पांच साल की राजनीतिक दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। अब सबकी निगाहें आज होने वाले मतदान और परिणाम पर टिकी हैं-कौन बनेगा पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका का चेयरमैन, इसका फैसला आज होगा।

अवैध शराब रोकथाम अभियान में तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक(निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये गये अवैध मादक पदार्थ व शराब की रोकथाम अभियान के तहत वृत्ताधिकारी निवाई रवि प्रकाश के सुपरविजन एवं निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृत्व मे गठित थाना टीम का द्वारा निवाई क्षैत्र स्थित होण्डा शोरूम के पास कॉलोनी में जाने वाले रास्ते पर अवैध देशी शराब परिवहन करते हुए आरोपी सुरेन्द्र पुत्र गेन्दी लाल रैगर उम्र 30 साल निवासी कोहल्या थाना कोटखावदा जिला जयपुर को गिरफ्तार किया जाकर उसके कब्जे से 56 पव्वे अवैध देशी शराब जप्त किय गया है।

इसी प्रकार इस अभियान में मोर थाना पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए मोर क्षेत्र के एलएनटी चौराहा पंवालिया रोड पर आरोपी लोकेश पुत्र महावीर माली उम्र 25 साल निवासी वार्ड नं.12 कस्बा टोडारायसिंह के कब्जे से अवैध देशी सादा मदिरा के 55 पव्वे जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

इसी क्रम में थाना निवाई सदर टीम ने आरोपी धर्मेन्द्र हाथीवाल पुत्र प्रभु रेगर उम्र 30 साल निवासी राहोली को अवैध देशी शराब परिवहन करते हुए गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी शराब के 56 पव्वे जप्त किये गये। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

मनीष बहकवा राष्ट्रीय प्रवक्ता बने

निवाई (निसं)। अखिल भारतीय श्रम गौरव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश बैराठी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लल्लू लाल जांगिड़ ने सर्वसम्मति से कार्यकारणी का विस्तार करते हुए संगठन में बहकवा निवासी मनीष जांगिड़ को राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर मनोनीत किया है। जिससे जांगिड़ ब्राह्मण समाज मे खुशी की लहर दोड़ गई। नवनियुक्त राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष बहकवा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वह संस्था द्वारा दी गई जिम्मेदारी के लिए दृढ संकल्पित है एवं संस्था के उद्धेश्यों को आम जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

फर्जी नामांतरण कराने के आरोप में न्यायालय के आदेश पर मामला दर्ज

निवाई(निसं)। कूटरचित दस्तावेज व फर्जी पटवारी रिपोर्ट के जरिए पैतृक खातेदारी जमीन का नामांतरण अपने नाम करवाने के मामले में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निवाई के निर्देश पर पुलिस थाना निवाई में प्रकरण दर्ज किया गया है। उक्त मामले में मालियों का मोहल्ला निवासी प्रहलाद सैनी के पुत्र शंकरलाल सैनी ने रामा पुत्र गेन्दा, जगदीश पुत्र कंवरीलाल सैनी, कजोड़ पुत्र रामपाल, चैथमल पुत्र हजारी, कमलेश सैनी पुत्र हनुमान सैनी व रामकेश पुत्र लादू गुर्जर के विरुद्ध परिवाद पेश किया था। परिवादी के अनुसार उनके दादा गेन्दा माली के तीन पुत्र धन्ना, प्रहलाद व रामा एवं दो पुत्रियां कमला व पांची थीं। धन्ना पुत्र गेन्दा का 31 अगस्त 2016 को निरवसीयत निधन हो गया था, जिनकी संपत्ति में प्रार्थीगण का भी विधिक हक व कब्जा है। पुलिस ने बताया कि रामा पुत्र गेन्दा ने छल-कपट करते हुए 31 जुलाई 2024 को फर्जी शपथ पत्र तैयार किए, जिनमें अन्य वारिसों के नाम हटाकर खुद को धन्ना का एकमात्र वारिस दर्शाया। इसके बाद तत्कालीन पटवारी हलका जीतराम चैधरी से मिलीभगत करके अन्य आरोपी जगदीश, कजोड़, चौथमल, कमलेश व रामकेश के सहयोग से 23 अगस्त 2024 को फर्जी पटवारी रिपोर्ट तैयार करवाई गई। इसी आधार पर कस्बा निवाई में स्थित भूमि का वरासत नामांतरण स्वीकृत कराकर जमीन को अपने नाम दर्ज करवा ली गई। परिवादी को इस फर्जीवाड़े की जानकारी 5 जुलाई 2026 को उस वक्त लगी जब रामा ने उन्हें जमीन से बेदखल करने की धमकी दी।

जंगल में दिखाया हौसला, 10 हाईक पूरी कर निमाज पहुंचे स्काउट-गाइड

स्काउट गाइड प्रतिभागियों ने जंगल के घुमावदार रास्तों, प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को करीब से समझा।

लालसोट(निसं)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्थानीय संघ लालसोट की ओर से आयोजित 10 किलोमीटर की जंगल हाईक में स्काउट, गाइड, रोवर और रेंजर ने उत्साह एवं साहस के साथ भाग लिया। राजेश पायलट राजकीय पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुभाष पहाड़िया के नेतृत्व में करीब 40 सदस्यीय दल जंगल के चुनौतीपूर्ण रास्तों से होते हुए निमाज गांव पहुंचा। हाईक के दौरान दल लवकुश वाटिका, पपलाज माता क्षेत्र और घने जंगल से होकर गुजरा। प्रतिभागियों ने जंगल के घुमावदार रास्तों, प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को करीब से समझा। इस दौरान स्काउटिंग गतिविधियों के साथ सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ने, आपसी सहयोग और टीम भावना का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिला। 10 किलोमीटर की हाईक पूरी कर निमाज गांव पहुंचने पर स्थानीय निवासी ज्ञानचंद ने दल का गर्मजोशी से स्वागत किया और प्रतिभागियों की मेहमाननवाजी की। इस अवसर पर डॉ. सुभाष पहाड़िया ने ग्रामीणों के सहयोग और आतिथ्य के लिए आभार जताया। सम्मान स्वरूप ज्ञानचंद को स्काउटिंग स्कार्फ पहनाया गया। स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में सहायक सचिव गौरव गोयल, संयुक्त सचिव निर्मला पारीक, यूथ समिति अध्यक्ष हर्ष शर्मा और उपाध्यक्ष शिवांश जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में स्काउट, गाइड, रोवर और रेंजर मौजूद रहे।

- लवकुश वाटिका से पपलाज माता क्षेत्र तक जंगल में रोमांच-स्काउट, गाइड, रोवर-रेंजर ने प्रकृति के बीच सीखे टीमवर्क और साहस के गुर

कोटपूतली में सभापति के लिए मतदान आज, उपसभापति का निर्वाचन कल

कोटपुतली निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने निरीक्षण किया

कोटपूतली (निसं)। नगर परिषद कोटपूतली के सभापति एवं उपसभापति निर्वाचन को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं। रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी योगेश सिंह देवल ने तहसीलदार रामधन गुर्जर, स्थानीय थानाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन प्रक्रिया, सुरक्षा, प्रवेश-निकास एवं यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि नगर परिषद कोटपूतली के सभापति पद के लिए मतदान 21 सितंबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नगर परिषद कार्यालय में होगा। मतदान के पश्चात मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। इसके बाद निर्वाचित सभापति को शपथ दिलाई जाएगी तथा निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर को नगर परिषद के सभी निर्वाचित सदस्यों की बैठक प्रातः 10 बजे आयोजित होगी। उपसभापति पद के लिए प्रातः 10 से 11 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। एक से अधिक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त होने की स्थिति में नियमानुसार निर्वाचन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। आवश्यकता होने पर दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे के मध्य मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। मतदान कक्ष में केवल सभापति/उपसभापति पद के संबंधित अभ्यर्थी, निर्वाचित वार्ड पार्षद तथा मतदान प्रक्रिया के लिए नियुक्त लोक सेवक ही प्रवेश कर सकेंगे। निर्वाचित नगर परिषद सदस्यों को निर्वाचन के दौरान अपनी वैध पहचान संबंधी दस्तावेज एवं निर्वाचन प्रमाण पत्र साथ लाना आवश्यक होगा रिटर्निंग अधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचक नामावली में सम्मिलित निर्वाचित नगर परिषद सदस्य ही सभापति एवं उपसभापति निर्वाचन में मतदाता के रूप में भाग ले सकेंगे। रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार ने नगर परिषद कार्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। मुख्य चौराहे से बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। इसके चलते बसों एवं अन्य वाहनों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है। बस एवं अन्य वाहन दूसरी लाइन से अथवा पुलिया के ऊपर से आवागमन कर सकेंगे। अधिकारियों ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन के दौरान सुरक्षा, यातायात एवं प्रवेश-निकास व्यवस्था को प्रभावी रूप से बनाए रखा जाए। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना सुनिश्चित करें।

- मतदान कक्ष में केवल सभापति/ उपसभापति पद के संबंधित अभ्यर्थी, निर्वाचित वार्ड पार्षद तथा मतदान प्रक्रिया के लिए नियुक्त लोक सेवक ही प्रवेश कर सकेंगे

मैं वास्तव में नमन धीर की प्रशंसा करता हूं। मुझे लगता है कि वो शानदार टैलेंट हैं। घरेलू क्रिकेट में उसके प्रदर्शन से ज्यादा, उसे गेंदबाजी करने की क्षमता के कारण चुना गया है। - इरफान पठान

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, नमन धीर की बल्लेबाजी व गेंदबाजी की प्रशंसा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी वसीम अकरम

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने टेस्ट कप्तान बाबर आजम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- अगर आपको पीसीबी के फैसलों के बारे में नहीं पता था, तो क्या आप इंग्लैंड चने बेचने आए थे। रविवार को एक चैरिटी कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। एक खिलाड़ी या व्यक्ति के तौर पर मेरा मानना है कि अगर आपका लीडर या कप्तान आपके साथ खड़ा नहीं होता, तो आप 100 फीसदी प्रदर्शन नहीं कर सकते।'' उन्होंने कहा-अगर आपको पीसीबी के फैसलों के बारे में नहीं पता था, तो क्या आप इंग्लैंड चने बेचने आए थे।

क्या आप जानते हैं ?... पीटी उषा ने 1986 के एशियाई खेल में ट्रैक पर शानदार प्रदर्शन किया। उस साल भारत के द्वारा जीते गए पांच में से चार स्वर्ण पदक जीते पीटी उषा ने जीते थे।

एशियन गेम्स : भारतीय महिला क्रिकेट टीम फाइनल में, एक और पदक पक्का

निशिन (जापान), 20 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम आइची-नागोया एशियन गेम्स-2026 के फाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम ने रविवार को सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत का एक और पदक पक्का हो गया है। अब 22 सितंबर को भारतीय महिला टीम का फाइनल मुकाबला श्रीलंका से होगा।बांग्लादेश की टीम 22 को ही पाकिस्तान के खिलाफ कांस्य पदक के लिए भिड़ेगी। श्रीलंका ने आज सुबह पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया था। भारतीय महिला टीम ने 2023 में हांगझोउ एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता था। इस बार भी टीम स्वर्ण पदक जीतना चाहेगी।

सेमीफाइनल मुकाबले की बात करें, तो भारतीय महिला टीम ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के शतक की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में महज 81 रन पर सिमट गई और 114 रन से हार गई।

196 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम का चार रन के स्कोर पर पहला विकेट गिरा। सलामी बल्लेबाज जुवैरिया फिरदौस खाता नहीं खोल सकीं। तीसरे ओवर में शोभना मिस्त्री चार रन बनाकर आउट हुईं। बांग्लादेश को 38 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। निगार सुल्ताना नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

बांग्लादेश की एक के बाद एक बल्लेबाज आउट होती गईं। शोरना अख्तर 5 रन, दिलारा 27 रन, नाहिदा 4 रन, शर्मिन 10 रन, मारूफा 5 रन और सुल्ताना खातून ने नाबाद 12 रन बनाए। संजीदा और राबिया खान खाता भी नहीं खोल सकीं।

भारत की ओर से नंदनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए, जबकि श्री चारणी ने 2 विकेट, क्रांति गौड़ और श्रेयंका पाटिल ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 49 गेंद में नाबाद 100 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 9 छक्के लगाए। शेफाली के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंद में छह चौकों की मदद से 40 रन बनाए, जबकि स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों में 5 चौके और दो छक्कों की मदद से 37 रन की पारी खेली।

एशियाई खेलों में शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी शेफाली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने एशियाई खेल-2026 में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं, जिन्होंने एशियाई खेलों में शतक लगाया है। उन्होंने यह उपलब्धि रविवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल के दौरान हासिल की। मुकाबले में दाएं हाथ की इस युवा सलामी बल्लेबाज ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। उनकी इस विस्फोटक पारी में तीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। उनकी पारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश महिला टीम को 114 रनों के बडे अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 4788 रन, मंधाना बनी दुनिया की नं. 1 बल्लेबाज

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना रविवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल के दौरान न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बेट्स को पछाड़कर महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। तीस वर्षीय बाएं हाथ की बल्लेबाज स्मृति को रिकॉर्ड अपने नाम करने के लिए सात रन की जरूरत थी। उन्होंने तीसरे ओवर में बांग्लादेश की तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर की आखिरी दो गेंद पर लगातार चौके जड़कर यह उपलब्धि हासिल की। स्मृति ने 19 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों से 37 रन बनाए। वह पावरप्ले की आखिरी गेंद पर आउट हुईं।

शुभमन और बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी दो वनडे में मिल सकता है आराम

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड दौरे से पहले ही खिलाड़ियों के लगातार मैच खेलने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। करीब दो महीने तक चलने वाले इस लंबे दौरे में भारत को पांच टी20 मुकाबले, पांच एकदिवसीय मैच और दो टेस्ट खेलने हैं। सबसे बड़ी चिंता एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के बीच मिलने वाले बेहद कम समय को लेकर है। पांचवां और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला 15 नवंबर को होना है, जबकि पहला टेस्ट सिर्फ चार दिन बाद 19 नवंबर से शुरू होगा। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों में कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दे सकता है। दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, नितीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को माउंट माउंगानुई में होने वाले आखिरी दो एकदिवसीय मुकाबलों से बाहर रखा जा सकता है। इन खिलाड़ियों के एकदिवसीय और टेस्ट दोनों टीमों का हिस्सा होने की संभावना है। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने खिलाड़ियों के कार्यभार को सही तरीके से संभालने की चुनौती होगी। खासकर तेज गेंदबाजों के लिए लगातार मुकाबलों के बीच पर्याप्त आराम और टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयारी का समय अहम माना जाता है। जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों को टेस्ट सीरीज से पहले तरोताजा रखना टीम की प्राथमिकताओं में शामिल हो सकता है।

एशियन गेम्स : महिलाओं की निशानेबाजी में इलावेनिल ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता रजत

नागोया (जापान), 20 सितंबर। भारतीय निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन ने रविवार को एशियन गेम्स-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल में इलावेनिल ने 252.4 अंक हासिल किए और लंबे समय तक स्वर्ण पदक की दौड़ में सबसे आगे बनी रहीं। हालांकि, अंतिम चरण में मेजबान जापान की हिनाता ताइची ने वापसी करते हुए 253 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। हिनाता ताइची ने 253 अंकों के साथ नया गेम्स रिकॉर्ड भी कायम किया। इलावेनिल और हिनाता के बीच स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और दोनों के स्कोर में सिर्फ 0.6 अंक का अंतर रहा। दक्षिण कोरिया की ह्यो-जिन बान ने 230.4 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता।

एशियाई खेल : सुचिका तारियाल ने पदक पक्का किया, एमएमए के सेमीफाइनल में पहुंची

आइची-नागोया, 20 सितंबर। भारत की सुचिका तारियाल ने रविवार को 2026 एशियाई खेलों में महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना पदक पक्का कर लिया। उन्होंने मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मंगोलिया की अल्तानचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराया। 36 वर्षीय सुचिका की इस जीत के साथ कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित हो गया है। अब वह फाइनल में जगह बनाने के लिए सिंगापुर की हुई हून तेओ या ईरान की अरेज़ू सलीमिगालेहताकी में से किसी एक का सामना करेंगी। मिश्रित मार्शल आर्ट्स इस बार एशियाई खेलों में पदार्पण करने वाली छह खेल विधाओं में शामिल है। इसके अलावा फ्रीस्टाइल बीएमएक्स, टैकबॉल, पैडल, सर्फिंग और वर्चुअल ताइक्वांडो भी पहली बार एशियाई खेलों का हिस्सा हैं।

एशियाई खेलों से बाहर हुए एमएमए फाइटर वरुण सान्याल, वजन घटाते समय बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। भारतीय मिक्स मार्शल आर्ट खिलाड़ी वरुण सान्याल एशियाई खेलों में 77 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वजन कम करने की प्रक्रिया के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद चिकित्सकीय जांच में उन्हें प्रतियोगिता के लिए फिट नहीं पाया गया। वरुण को सॉना में वजन कम करने के दौरान चक्कर आया और वह कुछ समय के लिए बेहोश हो गए थे। मौजूद जानकारी के अनुसार, वजन कम करने के लिए वरुण भोजन और पानी की मात्रा सीमित कर रहे थे। इसके बाद करीब 30 मिनट तक सॉना में रहने के दौरान उन्हें चक्कर, कमजोरी और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत हुई। हालत बिगड़ने पर साथी खिलाड़ी और भारतीय मिक्स मार्शल आर्ट संघ के अध्यक्ष निखिल कुंदर ने उनकी मदद की। इसके बाद उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां जांच के बाद उन्हें प्रतियोगिता के लिए चिकित्सकीय रूप से अयोग्य घोषित कर दिया गया। भारतीय ओलंपिक संघ ने भी वरुण की स्थिति को लेकर जानकारी दी है। संघ के मुताबिक, वरुण को सॉना में रहने के दौरान पूरे शरीर में ऐंठन और दर्द हुआ था। उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया और एहतियात के तौर पर खून की जांच भी कराई गई, जिसमें किसी गंभीर समस्या की बात सामने नहीं आई। हालांकि आराम करने के बाद भी अगली सुबह वरुण खुद को मुकाबले जैसे कठिन खेल के लिए पूरी तरह तैयार महसूस नहीं कर रहे थे। इसके बाद कोच से सलाह लेने के बाद उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया।

एशियाड-2026 के लिये भारतीय रोइंग टीम में अमेठी से चुने गए सलमान खान

अमेठी, 20 सितंबर। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के खेल जगत के लिए गौरव का क्षण है। अमेठी के प्रतिभावान खिलाड़ी सलमान खान का एशियाड-2026 के लिए भारतीय रोइंग टीम में चयन हुआ है। उनके चयन की खबर मिलते ही खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और जिले के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। सलमान खान के चयन को अमेठी की खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सलमान खान ने अपनी मेहनत, लगन और लगातार अभ्यास के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। भारतीय रोइंग टीम में स्थान हासिल करना उनके खेल करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

70वीं जिला स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, ऑल सेंट्स चर्च स्कूल बना विजेता

जयपुर, 20 सितंबर। ऑल सेंट्स चर्च सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जयपुर में 14 वर्ष बालिका वर्ग की 70वीं जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले की 19 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव इंद्रजीत खन्ना एवं चेयरमैन संदीप हीस्कील द्वारा किया गया। इस अवसर पर सचिव अमित रिचर्ड्स नाग एवं कोषाध्यक्ष अजय जेम्स भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं मेहनत के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में ऑल सेंट्स चर्च सीनियर सेकेंडरी स्कूल का मुकाबला जी.एस.एस. स्कूल रामरतनपुरा, बस्सी से हुआ, जिसमें ऑल सेंट्स चर्च स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय हासिल की।

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 13-1 से हराया

काकामिगाहारा (जापान), 20 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया है। भारतीय टीम ने रविवार को पूल ए के मुकाबले में इंडोनेशिया को 13-1 से करारी शिकस्त दी। गिफू प्रिफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। मुकाबले में भारत की ओर से आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। दिलप्रीत सिंह सबसे बड़े स्टार रहे। उन्होंने अकेले चार गोल दागे। मुकाबले में भारतीय टीम को छठे मिनट में शिलानंद लकरा ने गोल कर 1-0 से बढ़त दिलाई। इसके बाद 12वें मिनट में अभिषेक ने भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। इंडोनेशियाई गोलकीपर ने शुरुआती दौर में भारत के कुछ प्रयासों को रोका, लेकिन भारत ने अपना दबाव कायम रखा। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने दो मिनट के भीतर दो गोल (18वें और 19वें मिनट में) करके बढ़त को 4-0 कर दिया। फिर 19वें मिनट में राजिंदर सिंह ने बेहतरीन फिनिशिंग के साथ गोल दागा और 21वें मिनट में मनदीप सिंह ने भी अपना पहला गोल किया। हरमनप्रीत सिंह ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से एक और गोल दागा। भारत ने हाफ टाइम तक 7-0 की मजबूत बढ़त बना ली। इंडोनेशिया ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में अपना पहला गोल दागा। औलिया अल अर्द्ध ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 7-1 कर दिया। भारत ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में शिलाानंद लकरा ने अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने अपनी हैट्रिक (37वें मिनट में) पूरी की। सुखजीत सिंह ने 38वें मिनट में गोल दागकर तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारतीय टीम की बढ़त को 10-1 तक पहुंचा दिया।

अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा। जुगराज सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के दूसरे प्रयास को गोल में तब्दील कर दिया, जबकि उनका पहला प्रयास डिफेंडर द्वारा रोक दिया गया था। सुखजीत सिंह ने 48वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद 49वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने मैच का अपना चौथा गोल किया और भारत की बढ़त 13-1 कर दी। अंत में बचे हुए समय में इंडोनेशिया ने सर्कल में गेंद पर कब्जा बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। इंडोनेशिया के खिलाफ शानदार जीत के साथ भारत ने पूल ए में अपने अभियान की मजबूत शुरुआत कर दी है। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में 22 सितंबर को श्रीलंका का सामना करेगी।

एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी टीम की धमाकेदार शुरुआत, उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

काकामिगाहारा (जापान), 20 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है।काकामिगाहारा में खेले गए पूल बी के अपने पहले मुकाबले में भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त दी। भारत की इस बड़ी जीत की सबसे बड़ी स्टार दीपिका रहीं, जिन्होंने अकेले आठ गोल दागकर मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इशिका ने हैट्रिक पूरी की। भारत की ओर से कुल आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। इस मुकाबले के दौरान अनुभवी गोलकीपर सविता ने भी एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की और भारत की ओर से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ियों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

मुकाबले में भारतीय महिला टीम को शुरुआती बढ़त के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। सातवें मिनट में लालरेमसियामी ने फील्ड गोल कर भारत का खाता खोला। इसके तुरंत बाद आठवें मिनट में दीपिका ने गोल करते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 11वें मिनट में इशिका ने भारत के लिए तीसरा गोल दागा। 12वें मिनट में बलजीत कौर ने गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। यह बलजीत कौर का भारत के लिए 50वां सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी।

दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने अपनी आक्रामक रणनीति जारी रखी। 18वें मिनट में नेहा ने गोल कर भारत को 5-0 से आगे कर दिया। इसके बाद भारत को 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने इस मौके को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। 23वें मिनट में नवनीत कौर ने भी गोल दाग दिया। इसके दो मिनट बाद यानी 25वें मिनट में दीपिका ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। हाफ टाइम तक भारत ने 8-0 की विशाल बढ़त बना ली थी। उज्बेकिस्तान के पास भारतीय आक्रमण का जवाब देने के लिए कोई मौका नहीं था।

तीसरे क्वार्टर में तो दीपिका ने गोलों की झड़ी लगा दी। उन्होंने 33वें से 41वें मिनट के बीच लगातार चार गोल किए। इन चार गोलों के साथ दीपिका ने मैच में अपने गोलों की संख्या सात तक पहुंचा दी। उनके शानदार प्रदर्शन ने उज्बेकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह दबाव में ला दिया। इसके बाद 42वें मिनट में इशिका ने अपना दूसरा गोल किया। अगले ही मिनट ललथांतलुआंगी और साक्षी राणा ने भी गोल कर भारत की बढ़त को और बड़ा कर दिया। तीसरे क्वार्टर की समाप्ति से ठीक पहले नवनीत कौर ने अपना दूसरा गोल दागा। तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत का स्कोर 16-0 हो चुका था।

भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में भी आक्रामक रवैया बनाए रखा। 51वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे ललथांतलुआंगी ने गोल में बदल दिया। इसके बाद 54वें मिनट में इशिका ने अपना तीसरा गोल दागते हुए हैट्रिक पूरी की। इसी मिनट में दीपिका ने भी अपना आठवां गोल किया और भारत की बढ़त 19-0 कर दी। इसके बाद भारत ने मुकाबले को इसी स्कोर पर समाप्त किया और एशियन गेम्स में अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। उज्बेकिस्तान के खिलाफ 19-0 की शानदार जीत के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम अब अपने अगले पूल बी मुकाबले में इंडोनेशिया का सामना करेगी।

खंडपीठ ने भी माना दीपक राज की कार्यकारिणी वैध, विरोधी निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में विफल

जयपुर, 20 सितम्बर। जितेन्द्र उपाध्याय, संयुक्त सचिव एवं मीडिया प्रभारी जिला क्रिकेट संघ, सवाई माधोपुर के अनुसार राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने दिनांक 18.09.2026 को एकल पीठ के आदेश दिनांक 10.09.2026 की पुष्टि करते हुए विरोधी पक्ष की स्थगन आवेदन को अस्वीकार कर दिया। माननीय खंडपीठ के समक्ष विरोधी पक्ष डॉ. सुमित गर्ग एवं कमलेश गुर्जर गुट अपने दावे के समर्थन में वर्ष 2026 का कोई भी निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में पूर्णतः विफल रहा। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उनका कोई वैध चुनाव कभी हुआ ही नहीं। इसी सुनवाई में एक और अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य माननीय खंडपीठ के संज्ञान में आया। दिनांक 03.09.2026 को जिला खेल अधिकारी, सवाई माधोपुर द्वारा सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान को प्रेषित पत्र में विरोधी पक्ष द्वारा पुनः मिथ्या निरूपण एवं धोखाधड़ी की गई। उल्लेखनीय है कि उसी पत्र में अंतिम वैध चुनाव की तिथि 21.07.2024 अंकित है जो कि जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर की वैध निर्वाचित कार्यकारिणी का चुनाव है। विरोधी पक्ष अपने ही प्रस्तुत दस्तावेज में स्वयं को स्थापित करने में असफल रहा।

एकल पीठ (न्यायमूर्ति सुदेश बंसल) ने दिनांक 10.09.2026 के आदेश में स्पष्ट माना था कि दिनांक 21.07.2024 को हुए चुनाव में वैध दस्तावेज एवं वैध प्रक्रिया अपनाई गई थी, विरोधी पक्ष का कार्यकाल दिनांक 10.02.2026 को समाप्त हो चुका है तथा प्रथम दृष्टया मामला दीपक राज की कार्यकारिणी के पक्ष में है। खंडपीठ ने इन्हीं आधारों को बरकरार रखते हुए देने से इनकार किया। इस सुनवाई में यह भी उजागर हुआ कि आरसीए की तदर्थ समिति की बैठक दिनांक 23.04.2026 आधार पर संबद्धता वापस ली गई जिसमें पांच में से केवल चार सदस्य शामिल थे। पांचवें सदस्य अर्जुन बेनीवाल को न तो बैठक की सूचना दी गई, न कोई मेल जारी किया गया। फिर भी मिनट्स में 5 में से 5 सदस्य उपस्थित लिखा। यह सरासर फ्रेबिक्रेशन है। बेनीवाल ने इस संबंध में शपथ पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर का वैध एवं निरंतर चुनाव चक्र 2008-2012, 2012-2016, 2016-2020, 2020-2024 एवं 2024-2028 उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां के सरकारी अभिलेखों में दर्ज है। दिनांक 16.07.2026 के आरटीआई जवाब में भी स्पष्ट है कि अंतिम वैध चुनाव 21.07.2024 का है।

उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर दिनांक 29.09.2026 को आरसीए के एजीएम एवं चुनाव में भाग लेगा। संघ की अंडर-16 टीम ने दिनांक 12.09.2026 को आरसीए नॉर्म्स के अनुसार ट्रायल पूरा कर लिया है। 29.09.2026 को आरसीए के एजीएम एवं चुनाव में भाग लेगा। संघ की अंडर-16 टीम ने दिनांक 12.09.2026 को आरसीए नॉर्म्स के अनुसार ट्रायल पूरा कर लिया है ।

जयपुर जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 20 सितंबर। मांग्यावास स्थित बेलेटा रिसोर्ट में आज जयपुर जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव गिरिराज खंडेलवाल, अध्यक्ष, जयपुर जिला ओलंपिक संघ, जयपुर, आशीष कुमार, राजस्थान पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन तथा चुनाव अधिकारी रामगोपाल स्वामी की उपस्थिति में आयोजित किए गए। इस अवसर पर सॉफ्टबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राहुल तंवर भी मौजूद रहे। चुनाव प्रक्रिया में सभी पदों पर पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में सत्येन्द्र सिंह राठौड़ को अध्यक्ष, अश्वनी खंडेलवाल को सचिव तथा पवन कुमावत को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके अलावा महेश कुमार खण्डेलवाल को चीफ पैट्रन, लालचंद गुप्ता को पैट्रन तथा धर्म सिंह गुर्जर, प्रदीप वर्मा और लोकेश प्रजापत को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नीतू चौहान एवं मुकेश कुमार को संयुक्त सचिव तथा शरद शर्मा, अक्षय कुमार एवं मनोज सिंह चौहान को सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

टीम आमेर ने नाहरगढ़ को 5-4 के स्कोर से हराकर जीता मैच

जयपुर, 20 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आउट ऑफ हैट कैटेगरी में जयपुर जूनियर ओपन अंडर-21 टूर्नामेंट का मैच खेला गया। यह मुकाबला 61 कैवेलरी ग्राउंड नं. 2 पर टीम नाहरगढ़ और टीम आमेर के बीच खेला गया, जिसमें टीम आमेर विजेता बनकर उभरी। टीम आमेर ने नाहरगढ़ को 5-4 के स्कोर से हराकर मैच अपने नाम किया। विजेता टीम आमेर से अखिलीज़ नंदल ने 3 गोल और अयान अली ने 2 गोल किए। टीम की ओर से अविष्का पालीवाल और भानु सुधीर प्रताप सिंह भी खेले। दूसरी ओर, टीम नाहरगढ़ से शिवांश सिंह शक्तावत ने 2 गोल, रुशिल नरूला और यशोवर्धन सिंह ने 1-1 गोल किया। वहीं, टीम में अमान सिंह वारिंग भी शामिल रहे।

आगामी जून की संभावित पेयजल मांग पर व्यापक कार्य योजना बनाएं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने दो लाख करोड़ की जल परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए

जयपुर, 20 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में पेयजल एवं सिंचाई जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जलदाय एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को सभी परियोजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जून माह में संभावित पेयजल मांग को ध्यान में रखते हुए अभी से व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि प्रदेशवासियों को पर्याप्त एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सके। साथ ही, उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल 181 पर आने वाली जल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों को भी प्रमुखता से निस्तारित करने के लिए कहा।

- **मुख्यमंत्री को समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर पर चार एस्केप जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें वर्षा के अतिरिक्त पानी का संग्रहण किया जाएगा। आवश्यकता के अनुसार, इन जलाशयों से बीकानेर, नागौर, जैसलमेर, जोधपुर व बाड़मेर जिलों में पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पेयजल और सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

मुख्यमंत्री ने करीब 19 हजार करोड़ रुपए की बीसलपुर-दौसा तथा ईसरदा-दौसा-जमवारामगढ़ पाइपलाइन परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल उपलब्धता बढ़ाने, पेयजल संकट का स्थायी समाधान करने और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए करीब 2 लाख करोड़ रुपए की जल परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पीएचईडी विभाग द्वारा 10 विशेष अभियान संचालित किए गए। स्पेशल वीकली रिपेयर कैंपेन के तहत 41 जिलों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 27206 पेयजल संबंधी प्रकरणों पर कार्रवाई की गई।

इंदिरा गांधी मुख्य नहर पर भी चार एस्केप जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है। जिनसे वर्षा के अतिरिक्त पानी को संग्रहित कर आवश्यकता के अनुसार पेयजल योजनाओं में उपयोग किया जा सकेगा। इन जलाशयों से बीकानेर, नागौर, जैसलमेर, जोधपुर और बाड़मेर जिलों में पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग हेमंत कुमार गेरा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

इटली ने स्कूलों में बुर्का व नकाब पर रोक लगाई

मिलान, 20 सितंबर। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि उनकी सरकार स्कूलों में चेहरा ढंकने वाले परिधानों पर रोक लगाने और प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या की अधिकतम सीमा तय करने की तैयारी कर रही है। मेलोनी ने यह घोषणा अपनी पार्टी, 'ब्रदर्स ऑफ इटली' के युवा संगठन के वार्षिक कार्यक्रम में की।

मेलोनी के मुताबिक, इस संबंध में जल्द ही मंत्रिमंडल के समक्ष एक प्रस्ताव रखा जाएगा।

- **इटली की प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने पर भी शीघ्र प्रस्ताव लाया जाएगा।**

प्रस्ताव में प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने के साथ-साथ उन विदेशी छात्रों के अभिभावकों के लिए इतालवी भाषा सीखने की व्यवस्था का प्रावधान होगा, जिनके बच्चों को स्कूल व्यवस्था में घुलने-मिलने में गंभीर कठिनाई हो रही है। उन्होंने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने की भी बात कही।

मेलोनी ने तर्क दिया कि यदि किसी कक्षा में केवल एक बच्चा इतालवी भाषा नहीं समझता है तो शिक्षक और सहपाठी उसकी भाषा सीखने और स्कूल में घुलने-मिलने में मदद कर सकते हैं।

आडवाणी को भी चुनाव आयोग ने एसआईआर का नोटिस भेजा

नोटिस के अनुसार, आडवाणी, पुत्री प्रतिभा व पुत्रवधु गीतिका के नाम 2002 की एसआईआर सूची से मिलान नहीं खाते

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा फॉर्म में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33.13 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

- **निर्वाचन आयोग ने कथित विसंगतियों के कारण दिल्ली में 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए हैं, जिनमें आडवाणी, केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, कपिल सिब्बल व दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हैं।**

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं।

आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता-पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है।

इस सूची में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रविष्टि को मान्य कर दिया गया है और शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची (जो 4 नवंबर को प्रकाशित होगी) में उनके नाम को शामिल करने के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।

30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

हूती ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिसाइलों से हमला किया गया। यह पहली बार है जब हूती ने महीनों बाद क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हूती ने कहा है कि वह सऊदी अरब की सबसे कीमती संपत्ति अरामको ऑयल फैसिलिटी को निशाना बनाएगा। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने शनिवार को कहा, "राजधानी सना को निशाना बनाने की सऊदी की कोशिश के जवाब में दो सफल सैन्य अभियान चलाए गए।" उन्होंने कहा, "पहला हमला सऊदी राजधानी रियाद में संवेदनशील ठिकानों पर और दूसरा यानबू में अरामको की सुविधाओं पर किया गया।" यानबू पर हमला अहम है। यह लाल सागर के तट पर स्थित है, लेकिन यमन और सऊदी अरब की सीमा से लगभग 700 मील उत्तर में है। रियाद भी सीमा से 700 मील से ज्यादा दूर है। इससे साफ है कि हूती अब सऊदी अरब में काफी नजदीक से हमला कर रहे हैं।

पंजाब में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाले में लिया है। भाजपा की राजनीति पंजाब में लंबे समय तक शहरी हिंदुओं तक सीमित रही है। लेकिन अब उसे लगता है कि शहरी हिंदुओं के अलावा थोड़े उदार सिख पंथियों के बीच भी वह पैठ बना सकती है। समय भी भाजपा को अपने अनुकूल लग रहा है क्योंकि खुद को सिख वोटरों की सबसे बड़ा दावेदार कहने वाला अकाली दल पहले के मुकाबले बेहद कमजोर है।

वोटों के ट्रांसफर के लिए भाजपा अकाली दल को साथ तो लेना चाहती है, लेकिन अपना शेयर कम नहीं करना चाहती। ज्ञातव्य है कि 2022 का चुनाव अकाली दल के लिए बेहद निराशाजनक था। तब अकाली दल को 3 ही सीट मिली थीं और भाजपा को 2 सीट मिली थीं। इस तरह सीटों का अंतर भी दोनों के बीच काफी कम रह गया था। फिर लोकसभा चुनाव में भी अकाली दल कोई कमाल नहीं दिखा सका। इसलिए भाजपा चाहती है कि अकाली दल की कमजोरी के दिनों में पूरा फायदा उठा लिया जाए और पंजाब में भी बिहार और महाराष्ट्र की तरह विस्तार की कोशिश की जाए।

मुंबई में तेज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को नायर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। आदित्य का नायर अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, शनाय, आदित्य और धैर्य मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ते थे। शनाय अहमदाबाद का रहने वाला था और मुंबई में पीजी में रह रहा था। बीएमडब्ल्यू उसके परिवार की बताई गई है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने कार की जांच कर सैंपल जुटाए।

ए.टी.एस. ने वाराणसी में 30 लाख के इनामी नक्सली को मारा

वाराणसी, 20 सितंबर। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने रविवार सुबह वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान 30 लाख रुपये के इनामी कुख्यात नक्सली बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया। बृजेश झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन, तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) का कमांडर बताया गया है। वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जुड़े आतंकवादी वित्तपोषण के मामले में करीब आठ वर्षों से वांछित था। एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विपिन राय के मुताबिक, टीम को सूचना मिली थी कि बृजेश मोटरसाइकिल से रामनगर होते हुए मुगलसराय की ओर जाने वाला है।

रूस के चुनावों के बीच यूक्रेन का मॉस्को पर बड़ा ड्रोन हमला

हमलों में मॉस्को की एक तेल रिफाइनरी व आवासीय इमारत को नुकसान पहुँचा

मॉस्को, 20 सितम्बर। रूस में संसदीय चुनाव के अंतिम दिन राजधानी मॉस्को और उसके आसपास के इलाकों को निशाना बनाकर यूक्रेन की ओर से भीषण ड्रोन हमला किया गया है। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने 1,600 से अधिक ड्रोन को हवा में ही मार गिराया, जिनमें से 450 ड्रोन सीधे मॉस्को को निशाना बना रहे थे।

- **रूस ने दावा किया कि 1600 से अधिक ड्रोन हवा में नष्ट कर दिए गए। उसने इस हमले को चुनाव में हस्तक्षेप करने का प्रयास बताया।**

स्थानीय गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि इस ड्रोन हमले में मॉस्को क्षेत्र में दो लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। हमलों में मॉस्को की एक तेल रिफाइनरी और एक आवासीय इमारत को भी नुकसान पहुंचा।

गवर्नर वोरोब्योव ने बताया कि एक ड्रोन के 21 मंजिला इमारत से टकराने के बाद आग लग गई, जिसके बाद लगभग 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। हालांकि, उन्होंने ड्रोन कहां से आया था, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन के दक्षिणी खेरसोन क्षेत्र के रूसी कब्जे वाले हिस्से में एक बस को भी ड्रोन से निशाना बनाया गया। इस हमले में चुनाव आयोग के एक सदस्य सहित दो लोगों की मौत हो गई।

राजधानी मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि 1,600 से अधिक ड्रोन को रोका गया और मार गिराया गया, जिनमें से 450 का लक्ष्य मॉस्को था। उन्होंने यूक्रेन पर तीन दिवसीय चुनाव में हस्तक्षेप करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा, "यह हमला स्पष्ट रूप से चुनावों को बाधित करने के उद्देश्य से सुनियोजित था। दुश्मन इसमें सफल नहीं हुआ।"

मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि मॉस्को ऑयल रिफाइनरी के परिसर में स्थित एक सुविधा को नुकसान पहुंचा है। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इस जवाबी कार्रवाई की तारीफ करते हुए इसे रूस के युद्ध बजट पर बड़ा प्रहार बताया है। उन्होंने बताया कि यह हमला रूस के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने के कीव के अभियानों का हिस्सा है, जिसके जरिए रूस अपने सैन्य अभियानों का वित्तपोषण (फंडिंग) करता है।

गौरतलब है कि रूस पर यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब शुक्रवार को रूसियों ने देश के पहले संसदीय चुनाव में मतदान शुरू किया, यह चुनाव फरवरी 2022 में मॉस्को द्वारा यूक्रेन में सेना भेजने के बाद हो रहा है।

इस चुनाव में सिर्फ वही पार्टियां लड़ सकती हैं, जो पुतिन और क्रेमलिन के सैन्य अभियान का समर्थन करती हैं। मॉस्को ने कब्जे वाले यूक्रेन में भी मतदान का आयोजन किया है।

दूसरी मंजिली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक तौर पर आग किस वजह से लगी और कमरे में आग किस परिस्थिति में तेजी से फैली, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है।

ईरान ने अमेरिका से वार्ता के लिए 7 शर्तें रखीं

तेहरान/वाशिंगटन, 20 सितंबर। ईरान ने कतर के जरिए अमेरिका को बातचीत शुरू करने के लिए सात शर्तें बताई हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन उसकी मांगें नहीं मानता है तो तेहरान निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है।

- **उसने चेतावनी दी कि वॉशिंगटन ने मांगें नहीं मानीं तो तेहरान निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है।**

अल जजीरा, शिन्हुआ, गल्फ न्यूज और अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सुप्रीम नैशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा, "हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध खत्म करने के मकसद से हमारी शर्तें वॉशिंगटन तक पहुंचाई हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।" रेजाई के मुताबिक शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, ईरान के फ्रीज़ किए गए फंड जारी करना और नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शामिल है।

जानकारी के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह न्यूयॉर्क में खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ईरान चर्चा का प्रमुख विषय रहेगा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ट्रंप या अमेरिका का कोई अन्य प्रतिनिधि ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेगा या नहीं।

भाजपा को रोकना है तो विपक्षी दल मिल कर चुनाव लड़ें- ओवैसी

नई दिल्ली, 20 सितंबर। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछने लगी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए विपक्षी दलों के साथ गठबंधन के द्वार खोल दिए हैं। रविवार को दिए एक बयान में ओवैसी ने अपना रूख स्पष्ट करते हुए कहा कि कोई भी विपक्षी पार्टी अकेले भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती।

- **ओवैसी ने कहा कि कोई भी विपक्षी पार्टी अकेले भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती।**

ओवैसी ने समान विचारधारा वाले दलों को एकजुट होकर चुनाव लड़ने का न्योता देते हुए कहा कि अगर उद्देश्य भाजपा को सत्ता से बाहर रखना है, तो उनकी पार्टी एआईएमआईएम उनके साथ काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हम उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार नहीं बनने देना चाहते। अगर कोई भाजपा को सरकार बनाते हुए नहीं देखना चाहता, तो वे हमसे बात कर सकते हैं। भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए हम आपके साथ काम करने को तैयार हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि आप अकेले भाजपा को नहीं रोक सकते।"

प्रिंसेस डायना के छोटे भाई, अर्ल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सार्वजनिक आलोचनाओं का कभी जवाब नहीं देने की अपनी पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए बकिंघम पैलेस ने इस पर कड़ा खंडन जारी किया।

इससे विरोध और आलोचना का बड़ा तूफान खड़ा हो गया है। कुछ लोगों ने कहा कि अर्ल स्पैन्सर बातें बना रहे हैं। वहीं, कई अन्य लोग तत्कालीन प्रिंस ऑफ वेल्स की कथित टिप्पणी से नाराज़ हुए। बहुत से लोगों का कहना है कि करीब तीस साल पहले डायना की मौत के तुरंत बाद हुई बातचीत के ये उद्धरण महज बकवास हैं। बात चाहे जो भी हो, स्पैन्सर परिवार के इस सदस्य के हमले से राजघराने को चोट जरूर पहुंची है। स्पैन्सर परिवार शाही परिवार के करीब रहा है और दिवंगत महारानी एलिजाबेथ खुद अर्ल स्पैन्सर की गॉडमदर थीं।

सच्चाई चाहे जो भी हो, राजकुमारी डायना की मौत को भुलाया नहीं जा सका है। यह चार्ल्स के उस कथित दावे के बिल्कुल विपरीत है कि डायना को जल्द भुला दिया जाएगा (अगर यह दावा सच था तो)।

शाही परिवार के लिए विवाद और आरोप कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन मौजूदा विवाद पुराने घावों को फिर से खोलने जैसा है। ये घाव राजकुमारी की दुखद मौत के बाद से कभी पूरी तरह नहीं भरे। राजकुमारी डायना की शादी तत्कालीन प्रिंस ऑफ वेल्स चार्ल्स से हुई थी, जो अब किंग चार्ल्स के रूप में ब्रिटेन के राजा हैं।

राजकुमारी डायना की 1997 में पेरिस में एक भयानक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। यह दुर्घटना तब हुई, जब उनकी कार पैपरात्ज़ी, अखबार के पत्रकारों और स्वतंत्र रिपोर्टरों के एक समूह से पीछा छुड़ाने की कोशिश कर रही थी। उस समय डायना सऊदी अरब के एक बेहद अमीर कारोबारी के बेटे के साथ यात्रा कर रही थीं।

करीब तीस साल बाद उनके भाई अर्ल चार्ल्स स्पैन्सर ने राजकुमारी की मौत के बाद की परिस्थितियों पर एक किताब लिखी है। अर्ल स्पैन्सर, राजकुमारी डायना से तीन साल छोटे थे और बचपन में माता-पिता के अलग होने के दौर में डायना ने उनकी काफी देखभाल की थी।

राजकुमारी डायना की दर्दनाक मौत के तुरंत बाद ब्रिटिश शाही परिवार की ठंडी प्रतिक्रिया ने लोगों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया था। ब्रिटेन की जनता शोक में भावनात्मक रूप से इस कदर डूबी हुई थी कि जनता का यह व्यवहार देश के लोगों के, सामान्य रूप से अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त न करने के व्यवहार के बिल्कुल विपरीत था। शाही परिवार की चुप्पी और संयमित प्रतिक्रिया लोगों के खुले तौर पर व्यक्त किए जा रहे दुख से बिल्कुल अलग थी। यहां तक कि महारानी एलिज़ाबैथ को भी शुरुआत में उनकी चुप्पी और भावहीन प्रतिक्रिया के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था।

डायना की मौत के बाद से, ब्रिटिश लोगों के लिए अपनी निजी भावनाओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करना और किसी प्रिय व्यक्ति के निधन पर खुलकर शोक मनाना अब कोई अजीब बात नहीं रही।

लाहौर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोध प्रदर्शन की रणनीति और योजना बना रही थीं। 27 सितंबर को होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले उन्हें लाहौर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, पीटीआई के एक प्रवक्ता ने अलीमा खान की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। फिलहाल लाहौर पुलिस ने गिरफ्तारी की वजह को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। डॉन के मुताबिक, आलिमा खान की गिरफ्तारी से पहले इस्लामाबाद पुलिस ने चार पीटीआई कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया है। इन लोगों को 27 सितंबर के प्रदर्शन की तैयारी से जुड़ी एक बैठक के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन पर दंगा करने, सरकारी काम में बांधा डालने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने जैसे आरोप लगाए हैं।

उत्तर कोरिया ने दो मिसाइल दागीं, द.कोरिया व जापान अलर्ट हुए

सोल, 20 सितंबर। उत्तर कोरिया ने रविवार को ईस्ट सी की ओर तीन घंटे में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। दक्षिण कोरिया और जापान ने इसकी पुष्टि की है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलर्ट जारी करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया ने संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है और इससे जुड़ी अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है।

- **उत्तर कोरिया ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया व जापान के नौसैनिक अभ्यास की आलोचना की थी व चेतावनी भी दी थी।**

उत्तर कोरिया का बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किम जोंग उन की चेतावनी के बाद आया है, जो उन्होंने गुआम में अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के नौसैनिक अभ्यास को लेकर दी थी।

जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक मिसाइल समुद्र में गिर गई।

टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति को अवैध बताया

उसका कहना है कि प्रस्ताव पारित करने के लिए ट्रस्ट के दोनों नामित निदेशकों का समर्थन आवश्यक है

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। टाटा समूह में चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के 17 सितंबर के उस फैसले की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें चंद्रशेखरन को पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए एग्ज़ीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने का फैसला हुआ था। ट्रस्ट्स का कहना है कि कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (ए.ओ.ए) के मुताबिक, ट्रस्ट की ओर से नामित निदेशकों की मंजूरी जरूरी थी। ऐसे में चेयरमैन के पास मौजूद कास्टिंग वोट इस शर्त को खत्म नहीं कर सकता।

- **टाटा ट्रस्ट्स के अनुसार, पूरे बोर्ड में 4-1 से प्रस्ताव पारित होना इस मामले में निर्णायक नहीं है, क्योंकि एओए में ट्रस्ट नामित निदेशकों से जुड़ी अलग शर्त है और उसे पूरा करना जरूरी है।**

टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव पर कोई गतिरोध था ही नहीं। टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स के दो नामित निदेशक हैं। इनमें से रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन बने नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल बढ़ाने के प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया, जबकि दूसरे ट्रस्ट-नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने प्रस्ताव का समर्थन किया। ट्रस्ट्स का तर्क है कि दो नामित निदेशकों में बहुमत का मतलब दो है, एक नहीं। इसलिए जरूरी समर्थन नहीं मिला और प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं हो सकता था।

टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को और पांच साल के लिए एग्ज़ीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने के प्रस्ताव को 4-1 के अंतर से मंजूरी दी थी। नोएल टाटा ने इसका विरोध किया था। खास बात यह है कि चंद्रशेखरन पहले ही कह चुके थे कि वह अगले कार्यकाल के लिए खुद दावेदारी नहीं करेंगे। हालांकि, बोर्ड के अनुरोध के बाद उन्होंने अपना फैसला बदलने पर सहमति जताई।

टाटा ट्रस्ट्स का कहना है कि पूरे बोर्ड में 4-1 से प्रस्ताव पारित होना इस मामले में निर्णायक नहीं है। उसके मुताबिक, एओए में ट्रस्ट-नामित निदेशकों से जुड़ी अलग शर्त है और उसे पूरा करना जरूरी था। ट्रस्ट्स ने कहा कि वोटों का नतीजा 4-1 हो या कोई और, इससे फर्क नहीं पड़ता। किसी शर्त को या तो पूरा किया जाता है या नहीं किया जाता। इस मामले में ट्रस्ट्स की ओर से जरूरी समर्थन नहीं मिला, इसलिए उनके अनुसार प्रस्ताव भी वैध नहीं है।ट्रस्ट्स के मुताबिक, ऐसे मामले में प्रस्ताव को प्रभावी होने के लिए बोर्ड में कम-से-कम 66 प्रतिसत समर्थन के साथ-साथ टाटा ट्रस्ट्स की ओर से नियुक्त दोनों डायरेक्टरों की सहमति भी जरूरी है।

टाटा समूह में चल रहा यह मतभेद सिर्फ चेयरमैन के कार्यकाल तक सीमित नहीं है। टाटा संस के बोर्ड ने 17 सितंबर को कंपनी को संभावित रूप से शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की दिशा में भी कदम उठाने को मंजूरी दी थी। यह फैसला तब आया, जब भारतीय रिजर्व बैंक ने टाटा संस के कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन सरेंडर करने के आवेदन को मंजूर नहीं किया। टाटा ट्रस्ट्स कंपनी की लिस्टिंग के पक्ष में नहीं है और उसने दूसरे विकल्प तलाशने की बात कही है। ट्रस्ट्स का कहना है कि लिस्टिंग से कॉरपोरेट गवर्नेंस बेहतर होने की दलील भी सही नहीं है, क्योंकि टाटा संस पहले से ही कई मामलों में सार्वजनिक कंपनियों जैसे गवर्नेंस मानकों का पालन करती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908